23 मई 2025
शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

पीएम ने दिया तोहफा... बिहार को मिले दो अमृत भारत रेलवे स्टेशन

5

राष्ट्रपति ने जांबाज सैनिकों को वीरता पुरस्कार से नवाजा

एजेंसी/नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह-प्रथम के दौरान देश के जांबाज सैनिकों को शौर्य चक्र और अन्य वीरता पुरस्कारों से सम्मानित किया। यह सम्मान उन सैन्यकर्मियों को प्रदान किए गए जिन्होंने अत्यंत बहादुरी, साहस और बलिदान का परिचय दिया।समारोह का आयोजन राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में किया गया, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित तीनों सेनाओं के प्रमुख उपस्थित रहे। इस गरिमामय अवसर पर देश ने अपने उन बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि और सम्मान दिया, जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी या असाधारण साहस का परिचय दिया। समारोह देश की सैन्य परंपरा और वीरता के प्रति सम्मान का प्रतीक बना। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सशस्त्र बलों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस के 39 वीर जवानों को वीरता पुरस्कार दिए।

इनमें छह कीर्ति चक्र (चार मरणोपरांत) और 33 शौर्य चक्र (सात मरणोपरांत) शामिल हैं। यह पुरस्कार गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित दौरान वीर जवानों को दिए गए। यह वीरता पुरस्कार उन सैनिकों को दिए गए हैं, जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना, आतंकवाद और उग्रवाद से जुड़े ऑपरेशनों में अद्भुत साहस और दृढ़ संकल्प दिखाया। इनमें से अधिकांश ऑपरेशन जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर राज्यों में हुए, जहां खतरनाक आतंकवादियों को मारा गया या पकड़ा गया और भारी मात्रा में हथियार भी बरामद किए गए थे।

मेजर आशीष ढोंचक व सिपाही प्रदीप सिंह को मिला मरणोपरांत सम्मान

इनको मिले शौर्य चक्र : शौर्य चक्र पाने वालों में स्क्वॉड्रन लीडर दीपक कुमार, राजपूत रेजिमेंट 44वीं बटालियन राष्ट्रीय राइफल्स के मेजर विजय वर्मा, डिप्टी कमांडेंट विक्रांत कुमार, पैराशूट रेजिमेंट के लेफ्टिनेंट कर्नल सीवीएस निखिल, आर्मी सर्विस कोर के मेजर तृप्तप्रीत सिंह, विंग कमांडर वर्नोन डेसमंड कीन जेफरी, सीआरपीएफ के इंस्पेक्टर हमिंगचुल्लो, जम्मू और कश्मीर पुलिस के स्पेशल पुलिस ऑफिसर अब्दुल लतीफ का नाम शामिल है। इस दौरान मेजर आशीष ढोंचक (सेना मेडल) और द सिख लाइट इन्फैंट्री 19 राष्ट्रीय राइफल्स सिपाही प्रदीप सिंह को मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान दो बार राष्ट्रपति मुर्मू डाइस से नीचे उतरकर आईं। जब शहीद जवानों की मां और पत्नियां अवॉर्ड लेने पहुंचीं।

वीर सैनिकों को किया सम्मानित : जम्मू और कश्मीर राइफल्स 5वीं बटालियन के सूबेदार संजीव सिंह जसरोटिया, लेफ्टिनेंट कमांडर कपिल यादव, स्क्वाड्रन लीडर दीपक कुमार, द आर्टिलरी रेजिमेंट के सूबेदार पी. पबिन सिंगा, कर्नल पवन सिंह, 666 आर्मी एविएशन स्क्वॉड्रन, विंग कमांडर वर्नोन डेसमंड कीन, मेजर साहिल रंधावा को शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया लेफ्टिनेंट कमांडर कपिल यादव, एईओ आईएनएस विशाखापट्टनम और आर्मी सर्विस कोर्प्स 34 राष्ट्रीय राइफल्स के मेजर तृप्तप्रीत सिंह को भी राष्ट्रपति ने शौर्य चक्र से सम्मानित किया।सीआरपीएफ के जांबाजों ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में माओवादियों को मुठभेड़ों में मार गिराया और असलहे भी बरामद किए। राष्ट्रपति ने इन वीर योद्धाओं को राष्ट्र का गौरव बताया।

अपने ही देशवासियों को नहीं स्वीकार रहा बांग्लादेश

एजेंसी/मुंबई

भारत की तरफ से सारे सबूत देने के बावजूद बांग्लादेश यहां अवैध तरीके से रहने वाले अपने नागरिकों को स्वीकार नहीं कर रहा है। बार-बार सूचना भेजने के बावजूद भी इनकी नागरिकता को सत्यापित करने में बांग्लादेश मदद नहीं कर रहा है। इस वजह से 2369 बांग्लादेशियों को वापस उनके देश नहीं भेजा जा सकता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत लगातार बांग्लादेश सरकार से आग्रह कर रहा है कि वह यहां अवैध तरीके से रहने वाले अपने नागरिकों को वापस ले। ऐसे 2,369 बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान की गई है। इनमें से कई लोगों ने भारत में अपने कैद की सजा भी पूरी कर ली है। अब बांग्लादेश सरकार पर है कि वह इनकी नागरिकता को सत्यापित करे और इन्हें वापस ले जाए। बांग्लादेश से नागरिकता सत्यापन प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह करते हुए जायसवाल ने कहा कि जो लोग भारत में अवैध रूप से रह रहे हैं, चाहे वे बांग्लादेशी नागरिक हों या कोई और, उनके साथ कानून के अनुसार निपटा जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिक हैं, जिन्हें निर्वासित किया जाना आवश्यक है। हमने बांग्लादेशी पक्ष से उनकी नागरिकता सत्यापित करने के लिए कहा है। हमारे पास निर्वासित किए जाने वाले लोगों के 2,369 से अधिक मामलों की लंबित सूची है। गौरतलब है कि अवैध प्रवासी बिना वैध यात्रा दस्तावेजों के छुपकर भारत में प्रवेश करते हैं, जिससे प्राधिकारियों के लिए देश में रह रहे ऐसे लोगों का सही अनुमान लगाना अत्यंत कठिन हो जाता है।

खबरें फटाफट

फर्जी स्लम दिखाकर केंद्र सरकार से 49 करोड़ का घोटाला

पटना। पटना जिले में झुग्गी घोटाला होने का आरोप लगा है। दावा है कि फर्जी दस्तावेज और झुग्गियों को दिखाकर केंद्र सरकार से 49 करोड़ की राशि स्वीकृत करवा ली गई है। इतना ही नहीं इस 49 करोड़ में से साढ़े तीन करोड़ का गबन भी हो चुका है। यह पूरा मामला नौबतपुर नगर पंचायत का है। यहां समेकित आवास एवं स्लम विकास कार्यक्रम की राशि हड़पने के लिए बड़ा खेल किया गया है। हैरान करने वाली बात यह है कि नौबतपुर में एक भी स्लम बस्ती नहीं है फिर भी यह खेला हो गया। राशि ऐसे लोगों में बांटी गई जो इसके पात्र भी नहीं है। इसके बावजूद 49 करोड़ की राशि स्वीकृत होने के बाद समेकित आवास एवं स्लम विकास योजना की राशि ऐसे लोगों में बांटी गई जो इसके पात्र भी नहीं थे। इनमें सरकारी नौकरी करने वाले, संपन्न लोग, बाहरी लोग भी शामिल हैं। कुछ तो ऐसे भी जिन्हें पहले ही इंदिरा आवास का लाभ मिल चुका है। अब नौबतपुर निवासी दो लोगों की शिकायत पर निगरानी थाने में आठ मई को केस दर्ज की गई है। शिकायत में कहा गया कि यह घोटाला 2012 से 2014 के बीच हुआ।

भारतीय सेना ने पाकिस्तान समेत पूरी दुनिया को दिया है सख्त मैसेज

जब सिंदूर बारूद बन जाता है तो क्या होता है सभी ने देखा : मोदी

एजेंसी/बीकानेर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को राजस्थान के बीकानेर में पाकिस्तान पर खूब बरसे। उन्होंने कहा कि जब सिंदूर बारूद बन जाता है तो क्या होता है पूरी दुनिया ने देख लिया है। उन्होंने पाकिस्तान समेत पूरी दुनिया को सख्त मैसेज दे दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर के ठीक एक महीने बाद पाकिस्तान की सीमा से सटे राजस्थान पहुंचे हैं। राजस्थान के बीकानेर पहुंचे पीएम मोदी ने पड़ोसी देश पाकिस्तान समेत पूरी दुनिया को सख्त संदेश दे दिया है। पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा है कि दुनिया ने देख लिया है कि जब सिंदूर बारूद बन जाता है तो क्या होता है। पीएम मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान पर तीखा प्रहार किया और देशवासियों को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 22 तारीख को हमला हुआ और हमने 22 मिनट में आतंकियों के 9 सबसे बड़े ठिकानों को तबाह कर दिया। सरकार ने तीनों सेनाओं को खुली छूट दी थी, जिसके बाद पाकिस्तान घुटनों पर आ गया। उन्होंने कहा कि हर आतंकी हमले की पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी और यह कीमत उसकी सेना और अर्थव्यवस्था दोनों को चुकानी होगी।

आंतकवाद को जड़ से मिटाने का संकल्प

प्रधानमंत्री ने बताया कि देश ने आतंकवाद को जड़ से मिटाने का संकल्प लिया था, और उसे पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि मुझे कहते हुए गर्व है कि कल्पना से भी बड़ी कार्रवाई हुई है। आतंक से निपटने के तीन सूत्र तय किए गए हैं। पहला, भारत पर हमला हुआ तो जवाब करारा होगा। दूसरा, एटम बम की धमकियों से भारत डरने वाला नहीं है और तीसरा, आतंकियों और उन्हें समर्थन देने वाली सरकार को अलग नहीं देखा जाएगा। दोनों को एक ही माना जाएगा।श्पीएम मोदी ने कहा कि आतंकियों ने धर्म पूछकर बहनों की मांग का सिंदूर उजाड़ा था। गोलियां पहलगाम में चली थीं, लेकिन उनका असर 140 करोड़ देशवासियों के सीने पर हुआ था। पाकिस्तान भूल गया कि अब मां भारती का सेवक मोदी खड़ा है। मोदी का दिमाग ठंडा है, लेकिन उसका लहू गर्म है और अब उसकी नसों में गर्म सिंदूर बह रहा है।

भारतीय सेनाओं ने चक्रव्यूह रचा

पीएम ने कहा कि हमारी सेनाओं ने ऐसा चक्रव्यूह रचा कि पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर होना पड़ा। दुनिया ने देख लिया कि जब सिंदूर बारूद बन जाए तो उसका परिणाम क्या होता है। पीएम ने यह भी बताया कि यह कोई संयोग नहीं कि जैसे बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद उनकी पहली जनसभा राजस्थान में हुई थी, उसी तरह ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी उनकी पहली सभा वीरभूमि राजस्थान की सीमा पर बीकानेर में हो रही है। उन्होंने कहा कि मैंने पहले ही कहा था, सौगंध मुझे इस मिट्टी की, मैं देश नहीं मिटने दूंगा, मैं देश नहीं झुकने दूंगा। पीएम ने दावा किया कि भारत की सेना ने पाकिस्तान के रहीमयार खान एयरबेस को तहस–नहस कर दिया है, जो अब आईसीयू में पड़ा है। यह भारत का संकल्प है। देशभर में तिरंगा यात्राओं का जो हुजूम निकला है, वह बता रहा है कि जिन्होंने सिंदूर मिटाने की कोशिश की, उन्हें मिट्टी में मिला दिया गया है।

दिल्ली सड़क हादसे में बिहार के गया जिले के तीन मासूम समेत चार की मौत

केटी न्यूज/नई दिल्ली

दिल्ली में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने बिहार के गया जिले के एक छोटे से महादलित टोला चपरी को गहरे शोक में डुबो दिया। हरियाणा के रेवाड़ी में मजदूरी करने जा रहे मजदूरों से भरी एक पिकअप वाहन के पलटने से तीन मासूम बच्चों समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दस से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यह हादसा दिल्ली के द्वारका सेक्टर-23 इलाके में हुआ, जब पिकअप वाहन का टायर फट गया और वह अनियंत्रित होकर पलट गया।

दिल्ली पहुंचते ही उजड़ गया सपना : जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को गया जिले के इमामगंज प्रखंड अंतर्गत झिकटिया पंचायत के चपरी गांव से करीब 30 मजदूर, अपने पूरे परिवार के साथ दिल्ली के लिए निकले थे। वे दिल्ली के निजामुद्दीन स्टेशन पर उतरे और वहां से एक पिकअप वाहन के जरिए हरियाणा के रेवाड़ी स्थित एक निर्माण स्थल की ओर रवाना हुए। लेकिन उनका यह सफर किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा। द्वारका सेक्टर 23 के पास जैसे ही वाहन पहुंचा, टायर फटने के कारण वह पलट गया और कई मजदूर उसके नीचे दब गए। इस हादसे में चपरी गांव के रणजीत कुमार (26) पिता फेकू मांझी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उनके साथ तीन मासूम बच्चे भी इस हादसे का शिकार बन गए। इनमें लक्ष्मीनिया कुमारी पिता रणजीत भारती, शीशम कुमारी (7) पिता राजेश भारती और गौरव कुमार (7) पिता संजय मांझी शामिल हैं। इसके अलावा करीब दस अन्य मजदूर घायल हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

महादलित टोले में पसरा मातम, रोते-बिलखते परिजन : जब हादसे की खबर गांव पहुंची तो चपरी गांव में कोहराम मच गया। पूरे टोले में शोक का माहौल है। जिन परिवारों ने अपनों को खोया, उनके घरों में चुल्हा तक नहीं जला। महिलाओं के विलाप और बच्चों की सिसकियों से गांव का हर कोना गूंज उठा। गांववालों के अनुसार यह पहली बार नहीं है जब इस तरह का कोई हादसा हुआ हो, लेकिन इस बार दर्द और गहराई से महसूस किया जा रहा है क्योंकि मासूम बच्चों की जान गई है।

मंत्री ने जताई संवेदना, व्यवस्था का दिया भरोसा : घटना पर बिहार सरकार के सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री संतोष कुमार सुमन ने गहरी संवेदना जताई है। उन्होंने कहा कि हमें सुबह ही इस हादसे की जानकारी मिल गई थी। घायलों और बचे हुए लोगों को हमारे आवास पर बुलाया गया है। उनके रहने और इलाज की व्यवस्था की जा रही है। जिनकी मौत हुई है, उनके पार्थिव शरीर को वापस भेजने की कोशिश की जा रही है।

पलायन और बंधुआ मजदूरी पर मंत्री का सवाल : मंत्री संतोष सुमन ने इस अवसर पर बिहार से मजदूरों के पलायन और बंधुआ मजदूरी पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कुछ लोग भोले-भाले मजदूरों को बरगला कर बाहर ले जाते हैं और दिन-रात काम करवाते हैं, लेकिन बदले में मजदूरी नाममात्र की दी जाती है। यह बंधुआ मजदूरी का ही रूप है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल मलिक के खिलाफ सीबीआई ने दर्ज की चार्जशीट

एजेंसी/नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के खिलाफ सीबीआई ने भ्रष्टाचार के एक मामले में चार्जशीट दाखिल की है। दो निजी सचिव सहित 6 लोगों को भी आरोपी बनाया गया है।

सीबीआई ने सत्यपाल मलिक पर शिकंजा कसा है। सीबीआई की इस कार्रवाई के बाद अचानक सत्यपाल मलिक की तबीयत बिगड़ गई है। उनके सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर अस्पताल में भर्ती पूर्व गवर्नर की फोटो पोस्ट की गयी है। और यह लिखा गया है कि नमस्कार साथियों। मेरे बहुत से शुभचिंतकों के फोन आ रहे हैं जिन्हें उठाने में मैं असमर्थ हूं। अभी मेरी हालत बहुत खराब है मैं फिलहाल राममनोहर लोहिया अस्पताल दिल्ली में भर्ती हूं ओर किसी से भी बात करने की हालत में नहीं हूं। मिली जानकारी के अनुसार मामला किरू हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट में करप्शन से जुड़ा है।

बोले राहुल... देश के सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं

एजेंसी/नई दिल्ली

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर राहुल गांधी पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने देश के सम्मान से समझौता कर लिया है। अब खोखले भाषण देना बंद कर दीजिए। राहुल गांधी ने लिखा कि पीएम मोदी, खोखले भाषण देना बंद कीजिए। सिर्फ इतना बताइए कि आतंकवाद पर आपने पाकिस्तान की बात पर भरोसा क्यों किया। ट्रंप के सामने झुककर आपने भारत के हितों की कुबार्नी क्यों दी। आपका खून सिर्फ कैमरों के सामने ही क्यों गरम होता है। आपने भारत के सम्मान से समझौता कर लिया है।

पीएम मोदी ने पाकिस्तान को दी सख्त चेतावनी : इससे पहले गुरुवार को पीएम मोदी ने राजस्थान के बीकानेर में कहा था कि हमने 22 मिनट में आतंकियों के नौ सबसे बड़े ठिकाने नष्ट कर दिए। जब सिंदूर बारूद बन जाता है, तो उसका नतीजा क्या होता है, यह पाकिस्तान को बता दिया गया है। पीएम मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने तीन नियम तय किए हैं। अगर, भारत पर आतंकी हमला हुआ तो उसका करारा जवाब दिया जाएगा। इसे देश के विरुद्ध युद्ध माना जाएगा, समय सेना तय करेगी। एटम बम की गीदड़ भभकी से भारत डरने वाला नहीं है। आतंकियों और आतंकपरस्त सरकार को एक ही माना जाएगा। पाकिस्तान का स्टेट और नॉन-स्टेट वाला खेल अब नहीं चलेगा। भारत ने पूरी दुनिया में पाकिस्तान की पोल खोलने के लिए सात अलग-अलग प्रति निधिमंडल भेजे हैं। पाकिस्तान का असली चेहरा पूरी दुनिया को दिखाया जाएगा।

केंद्र सरकार में ओपीएस बहाली को लेकर दोबारा से कर्मचारी संगठन हुए लामबंद

30 लाख एनपीएस कर्मचारी, यूपीएस में नहीं होना चाहते है शामिल

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्र सरकार में ओपीएस बहाली को लेकर दोबारा से कर्मचारी संगठन, लामबंद होने की तैयारी कर रहे हैं। सरकार ने एनपीएस कर्मियों को 30 जून तक यूपीएस में शामिल होने का विकल्प दिया है। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत 20 मई को एकीकृत पेंशन योजना कैलकुलेटर लॉन्च किया है। इसका मकसद, केंद्र सरकार के कर्मचारियों को वह सुविधा मुहैया करानी है, जिसके द्वारा वे एनपीएस और नई स्कीम यूपीएस दोनों के तहत मिलने वाले पेंशन लाभों की तुलना कर सकते हैं। दूसरी तरफ अभी तक केंद्र सरकार के लगभग 30 लाख एनपीएस कर्मचारी, यूपीएस में शामिल होने का मन नहीं बना रहे हैं। उक्त संख्या में से अभी तक महज 30 हजार कर्मचारियों ने भी यूपीएस में शामिल होने का विकल्प नहीं दिया है। मौजूदा परिस्थितियों में केंद्र सरकार और राज्यों के बड़े कर्मचारी संगठन, दोबारा से पुरानी पेंशन बहाली के लिए आंदोलन करने के मूड में हैं। नेशनल मिशन फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम भारत के अध्यक्ष डॉ. मंजीत सिंह पटेल कहते हैं, यूपीएस के मौजूदा प्रावधान, कर्मियों को रास नहीं आ रहे। लगभग दो महीने बीत चुके हैं, लेकिन यूनिफाइड पेंशन स्कीम का चयन करने वालों की संख्या महज दो फीसदी भी नहीं पहुंच सकी है। मतलब यूपीएस फेल हो चुकी है। वजह साफ है कि यूपीएस पूरी तरह से अनिश्चित है, क्योंकि 20-25 साल पहले यह तय कर पाना किसी के लिए संभव नहीं है कि रिटायरमेंट के समय एनपीएस और यूपीएस में से क्या बेहतर होगा। जो लोग रिटायरमेंट के करीब हैं या रिटायर हो चुके हैं, केवल वही यह निर्णय ले सकते हैं कि क्या ठीक रहेगा। बतौर डॉ. पटेल, सबसे बड़ी बात ये है कि अगर कोई कच्ची कैलकुलेशन करके फैसला ले भी लेता है तो रिटायरमेंट के बाद वह कितने साल जिंदा रहेगा, यूनिफाइड पेंशन स्कीम में यह सबसे महत्वपूर्ण फैक्टर है।

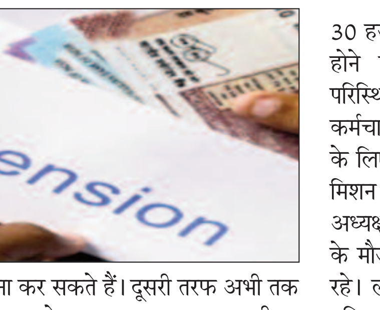

जनता की समस्याओं के प्रति जिला प्रशासन की कवायदे तेज, पूरे दिन चला सुनवाई का दौर

♦ डीएम ने की द्वितीय अपील के मामलों पर सुनवाई, जनता दरबार लगा एडीएम ने सुनी लोगों की समस्याएं

केटी न्यूज/बक्सर

आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए जिला प्रशासन की कवायदे तेज हो गई है। गुरुवार को पूरे दिन आम जनता की समस्याओं को विभिन्न अधिकारियों ने समाधान का प्रयास किया। इस कड़ी में जहां जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने द्वितीय अपील से संबंधित मामलों पर सुनवाई की वहीं, अपर समाहर्ता कुमारी अनुपम सिंह ने जनता दरबार को आयोजन कर फरियादियों की समस्याएं सुनी तथा उनके निदान का प्रयास किया।

जिलाधिकारी ने लोक शिकायत की द्वितीय अपील की सुनवाई समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की।

इस दौरान कुल 19 मामलों में सुनवाई की गई। जिसमें से 15 लोक शिकायत अधिकार निवारण एवं चार सेवा शिकायत अपील की सुनवाई की गई। जिनमें चार मामलें का निष्पादन जिलाधिकारी ने किया।

सुनवाई में स्थापना उप समाहर्ता बक्सर, आपूर्ति विद्युत अवर प्रमंडल बक्सर ग्रामीण, अंचलाधिकारी बक्सर, नावानगर, थानाध्यक्ष कृष्णाब्रह्म एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अनुमंडल पदाधिकारी डुमरांव, अंचल अधिकारी इटाढ़ी, चौसा, डुमरांव एवं थानाध्यक्ष डुमरांव उपस्थित थे।

अपर समाहर्ता ने जनता दरबार आयोजित कर सुनी फरियादियों की समस्याएं : वहीं, निर्धारित जनता दरबार में अपर समाहर्त्ता कुमारी अनुपम सिंह ने कुल 14 परिवादों की सुनवाई की। इस दौरान उन्होंने परिवादियों के परिवाद के समाधान के लिए संबंधित पदाधिकारियों को शीघ्र समाधान करने का निर्देश दिया। कुल 14 परिवाद में से दो परिवाद दाखिल खारिज अपील से संबंधित थे, परिवादी द्वारा बताया गया कि दाखिल-खारिज अपील आवेदन भूमि सुधार उप समाहर्त्ता के कार्यालय द्वारा काफी विलम्ब से लिया जाता है। संबंधित डीसीएलआर को निर्देश दिया गया कि दाखिल खारिज के विरूद्ध आवेदन को तुरंत ले, अपर समाहर्ता ने कहा कि अगर आवेदन विलंब से स्वीकार किया जाएगा तो अपीलार्थी को लाभ नहीं मिल पाता है। दाखिल खारिज के अपील आवेदन प्राप्त होते है तो उन्हें 15-15 दिनों का तिथि निर्धारित करते हुए शीघ्र सुनवाई करें। अगर ऐसा लगता है कि दाखिल खारिज मेरिट के आधार पर अस्वीकृत किया गया है तो उन्हें प्रथम सुनवाई में ही संबंधित अंचल अधिकारी को रिवर्ट बैक करेंगे, ताकि संबंधित परिवादी को लाभ मिल सके।

भूमि विवाद के मामलों में दिया निर्देश: प्राप्त परिवादों में कुछ परिवाद भूमि विवाद से संबंधित थे, जिसमें संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि भूमि विवाद के मामलें की सुनवाई करते समय यदि ऐसा लगता है कि भूमि विवाद के मामलें में विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती है तो संबंधित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के साथ मामलें की जांच करते हुए धारा-163 तहत निषेध्ज्ञा भी लागू करते हुए विधि व्यवस्था तथा आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

इस दौरान एक परिवाद अंचल इटाढ़ी में जाति प्रमाण पत्र बनाने से संबंधित था। इस संबंध में इटाढ़ी अंचल अधिकारी द्वारा बताया गया कि राजस्व कर्मचारी के हड़ताल में रहने के कारण जाति प्रमाण पत्र बनाने में विलम्ब हुआ है। निर्देश दिया गया कि जाति, आय, आवास, ओबीसी बनवाने के लिए राजस्व कर्मचारी के हड़ताल अवधि में वैकल्पिक व्यवस्था के तहत पंचायत सचिव को प्राधिकृत किया गया है। पंचायत सचिव से प्रतिवेदन प्राप्त कर यथाशीघ्र जाति प्रमाण पत्र निर्गत करना सुनिश्चित करेंगे, ताकि छात्रों को इसका ससमय लाभ मिल सके।

अपर समाहर्त्ता के द्वारा बताया गया कि राजस्व संबंधी जनता दरबार का आयोजन सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार एवं बुधवार को शाम तीन बजे से आयोजित किया जाता है।

यूपीएचसी के एनक्यूएएस समीक्षा के लिए पहुंची राज्य स्तरीय टीम

बक्सर। नगर के शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को (एनक्वास) सर्टिफिकेट दिलाने की तैयारी जोरों पर है। इस क्रम में बुधवार को पिरामल स्वास्थ्य की राज्य स्तरीय टीम ने शहरी पीएचसी का दौरा किया। जिसमें उन्होंने यूपीएचसी के द्वारा तैयार चेकलिस्ट की समीक्षा की और उसके आधार पर अस्पताल में उपलब्ध सेवाओं और सुविधाओं का जायजा लिया। अगले माह में नेशनल स्तरीय टीम यूपीएचसी के असेंसमेंट के लिए आएगी। जिनकी स्वीकृति के बाद नेशनल एनक्वास के सर्टिफिकेशन पूर्ण होगा। राज्य स्तरीय एनक्वास प्रमाणीकरण वर्ष 2024 में प्राप्त हुआ है। यूपीएचसी की चेकलिस्ट का मूल्यांकन के साथ निरीक्षण किया। यूपीएचसी में जांच की सुविधा, उपकरणों की उपलब्धता के साथ उसके क्रियाशील होने का जायजा लिया गया। टीम ने ओपीडी, नियमित टीकाकरण कॉर्नर, दवाओं के स्टॉक रूम का भी निरीक्षण के साथ दवाओं के रखरखाव तथा वितरण पंजी का भी निरीक्षण लिया। उन्होंने मरीजों से अस्पताल की सेवाओं को लेकर वार्ता की। साथ ही, उन्होंने अस्पातल में ड्यूटी पर तैयार चिकित्सकों की कार्यशैली की जांच की और उनके द्वारा मरीजों को दी जाने वाली पर्चियों को जांचा। मौके पर एसीएमओ डॉ. विनोद प्रताप सिंह, राज्य से पिरामल राज्य कोर टीम सदस्य सुमित कुमार, पीडी शशि रंजन, अभिषेक कुमार, जिला प्रबंधक रितेश कुमार व अन्य मौजूद रहे।

जिलास्तरीय खरीफ अभियान 2025 का जिलाधिकारी ने किया शुभारंभ, बोले...

टीम भावना के साथ किसानों के हित में कार्य करते हुए प्राप्त करें लक्ष्य

♦ खरीफ मौसम में 101353 हेक्टेयर में धान, मक्का व अरहर की खेती का निर्धारित किया गया है लक्ष्य

♦ 96923 हेक्टेयर में धान, 3849 हेक्टेयर में मक्का एवं 580 हेक्टेयर में अरहर की कराई जाएगी खेती

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने गुरूवार को आत्मा द्वारा आयोजित जिला स्तरीय खरीफ अभियान 2025 का उद्घाटन किया।

इस दौरान आत्मा द्वारा बताया गया कि 26 मई से एक जून 2025 तक प्रखंड स्तर पर प्रखंड स्तरीय खरीफ महाभियान एवं दो जून से 21 जून तक पंचायत स्तर पर किसान चौपाल आयोजित किया जायेगा। इस प्रशिक्षण में सभी प्रसार कर्मी किसानों को नये-नये वैज्ञानिक पद्धति से समसामयिक जानकारी से अवगत करायेंगे, ताकि जलवायु अनुकूल खेती अंतर्गत बाढ़-सुखाड जैसी परिस्थिति में भी उन्नत तरीके से खेती कर सकें।

पंचायत स्तर पर दी जाएगी किसानों को कई जानकारी : आत्मा द्वारा बताया गया कि पंचायत स्तर पर किसान चौपाल कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षणार्थी किसानों को जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम, मोटे अनाज की खेती, खरीफ मक्का की खेती, बेबी कॉर्न व स्वीट कॉर्न, शंकर धान की खेती को बढ़ावा देने के लिए बीज पर अनुदान, प्रचलित सुगंधित धान की प्रभेदों की खेती को बढ़ावा देना, आदर्श पंचायत योजना के तहत प्रत्येक जिला में दो मॉडल पंचायत का सर्वांगीण विकास, युवा किसान कार्यकम, खरीफ दलहन की खेती, खरीफ प्याज की खेती, टमाटर, मिर्च, हल्दी, अदरख आदि की खेती व कलस्टर को बढ़ावा देने की योजना, जीरोटिलेज एवं सीड ड्रिल से धान की खेती (धान की सीधी बुवाई), विभिन्न फसलों की जैविक खेती, खरीफ मौसम में उगायी जाने वाले अन्य फसलों की खेती, उद्यानिक फसलों की खेती, उद्यानिक विशेष फसलों की कलस्टर विकास योजना, कृषि यांत्रीकरण, बीज उत्पादन, कृषि में ड्रोन का प्रयोग, पौध संरक्षण, सूक्ष्म सिंचाई, फलदार वृक्षों का क्षेत्र विस्तार, फसल विविधिकरण इत्यादि पर प्रशिक्षण दिया जायेगा, जो आधुनिक खेती में मील का पत्थर साबित होगा।

कृषि विभाग ने खरीफ सीजन के लिए निर्धारित किया लक्ष्य : जिले में खरीफ मौसम में कुल आच्छादन का लक्ष्य 101353 हेक्टेयर निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य में धान 96923 हेक्टेयर, मक्का 3849 हेक्टेयर एवं अरहर 580 हेक्टेयर इत्यादि शामिल है। उद्घाटन के मौके पर जिलाधिकारी ने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारी, कृषि समन्वयक तथा किसान सलाहकारों को लगन के साथ लक्ष्य हासिल करने का निर्देश दिया।

वहीं, इस दौरान बताया गया कि पीएम किसान निधि योजना के तहत उपकरण खरीदने पर किसानों के लिए आर्थिक मदद किया जाता है। इस योजना में अभी तक कुल 78110 कृषक पंजीकृत है।

पराली प्रबंधन पर दिया गया विशेष जोर: खरीफ महाअभियान के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि फसल अवशेष (पराली) प्रबंधन को व्यापक प्रचार-प्रसार करने की आवश्यकता है। वहीं, बताया गया कि इस वर्ष पराली जलाने वाले 383 किसानों का कृषक पंजीकरण ब्लॉक किया गया है। सभी प्रसार कर्मी किसानों को पराली जलाने से होने वाले नुकसान से अवगत कराएंगे। किसानों को पराली जलाने के पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संबंधी खतरों के बारे में जागरूक करने के लिए शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करें। पराली जलाने को पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने के लिए स्ट्रॉ बेलर और चॉपर जैसी आधुनिक कृषि मशीनरी के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। किसानों को फसलों में विविधता लाने के लिए प्रोत्साहित करें, क्योंकि कुछ फसलें कटाई के बाद कम अवशेष छोड़ती हैं। इससे व्यापक पराली बड़े पैमाने पर कम हो जाती है।

जिलाधिकारी ने जिलास्तरीय खरीफ अभियान में शामिल सभी पदाधिकारी एवं कर्मी को टीम भावना के साथ कार्य करते हुए लक्ष्य प्राप्त करने का निर्देश दिया, साथ ही सभी को किसानों के हित में कार्य करने को कहा।

दिसंबर तक नारायणपुर पंचायत सरकार भवन का निर्माण कार्य पूरा करें: डीएम

♦ डीएम ने नारायणपुर में किया निमार्णाधीन पंचायत सरकार भवन का निरीक्षण

केटी न्यूज/बक्सर

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत गुरूवार को जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने निमार्णाधीन पंचायत सरकार भवन नारायणपुर का निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी के इस निरीक्षण का पूर्व निर्धारित कार्यक्रम होने के बावजूद कार्यपालक अभियंता अनुपस्थित पाये गये। इस संबंध में कार्यपालक अभियंता से स्थिति स्पष्ट करते हुए प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश जिलाधिकारी ने दिया। निरीक्षण के क्रम में कार्य की प्रगति अत्यंत ही धीमी पाई गई एवं श्रमिकों की संख्या भी काफी कम थी। जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। वहीं, सहायक अभियंता से पूछने पर यह जानकारी मिली कि योजना को ससमय पूर्ण करने की कोई कार्य योजना तैयार नहीं है।

जिलाधिकारी ने इस पर गहरी नाराजगी जताई और निर्देश दिया कि योजना के कार्य में प्रगति लाते हुए दिसंबर तक कार्य पूर्ण कराए। साथ ही निर्देश दिया गया कि आगामी वर्षा मौसम को देखते हुए आवश्यक सामग्री इत्यादि का भंडारण सुनिश्चित करेंगे ताकि निर्माण कार्य में कोई समस्या उत्पन्न न हो। निरीक्षण के क्रम में भवन निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवता की जांच कराते हुए प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। पंचायत सरकार भवन के पास उपलब्ध पर्याप्त सरकारी भूमि पर अन्य सरकारी संस्थानों के निर्माण कार्य कराने के लिए जिलाधिकारी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी इटाढ़ी को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त बक्सर, प्रखंड विकास पदाधिकारी इटाढ़ी, अंचलाधिकारी इटाढ़ी एवं सहायक अभियंता स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन बक्सर उपस्थित थे।

गंगा में कूद नाबालिग ने की आत्महत्या की कोशिश, लोगों ने समय रहते बचाई जान

केटी न्यूज/बक्सर

समाज में व्याप्त बाल विवाह जैसी कुप्रथाएं आज भी बेटियों की जिंदगी को अंधकार की ओर धकेल रही हैं। ऐसा ही एक मामला गुरुवार को रामरेखा घाट पर देखने को मिला, जहां एक किशोरी ने मानसिक दबाव के चलते गंगा नदी में कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया। गनीमत रही कि घाट पर मौजूद स्थानीय पुजारी अमरनाथ उर्फ लाला बाबा ने समय रहते हस्तक्षेप किया और एक मासूम की जान को बचा लिया।

किशोरी ने बताया कि वह नया भोजपुर थाना क्षेत्र की निवासी है और उसके माता-पिता उसकी जबरन शादी कराना चाह रहे थे। यह दबाव उसके लिए असहनीय हो गया था। लेकिन, एक पुजारी की संवेदनशीलता व पुलिस की तत्परता ने मिलकर न केवल उसकी जान बचाई, बल्कि यह भी दिखाया कि जब समाज का हर वर्ग सजग हो तो बदलाव संभव है।

नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि किशोरी को परामर्श के लिए थाने लाया गया है और परिवार को सूचित किया गया है। मामले की जांच के साथ-साथ किशोरी की काउंसलिंग की व्यवस्था की जा रही है, ताकि वह दोबारा ऐसा कोई कदम न उठाए।

बनारपुर और चुन्नी में अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई, तीन गिरफ्तार

केटी न्यूज/बक्सर

मुफस्सिल थाने की पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की है। मामले में कुल तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

बनारपुर गांव में पुलिस ने छापेमारी कर 147 टेट्रा पैक देशी शराब बरामद की। जब्त की गई शराब की कुल मात्रा 23.4 लीटर बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान बनारपुर निवासी चिली चौधरी व सिकरौल निवासी राजू चौधरी के रूप में की गई है। वहीं, चुन्नी गांव में हुई छापेमारी में पुलिस ने 45 टेट्रा पैक देशी शराब व 750 एमएल की विदेशी शराब की बोतल के साथ कुल 9.750 लीटर शराब बरामद की। मामले में चुन्नी निवासी संदीप सिंह कुशवाहा को गिरफ्तार किया गया है।

दो शराब तस्कर गिरफ्तार

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने हरिजी के हाता मोहल्ले से गुजर रहे शराब के दो तस्करों को धर दबोचा है। पकड़े गए तस्करों की पहचान सिमरी थाना क्षेत्र के बलिहार गांव निवासी राजाबाबू सिंह और पंकज सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने जब इन दोनों की तलाशी ली तो छिपाकर रखे गए 63 पीस ऐट पीएम अंग्रेजी शराब बरामद किया।

दंगौली में हुए भीषण चोरी में मामले में चार दिन बाद भी पुलिस के हाथ नहीं लगा सुराग

♦ रविवार की रात दंगौली के गोपालजी सिंह के घर से हुई थी 12 लाख के गहनों समेत कीमती सामानों की चोरी

केटी न्यूज/चौगाईं

दंगौली गांव में रविवार की रात हुई चोरी की भीषण घटना में पुलिस के हाथ अबतक खाली है। हालांकि, इस मामले के शीघ्र उद्भेदन का दावा पुलिस ने किया था, लेकिन घटना के चार दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस इस वारदात में शामिल चोरों की शिनाख्त नहीं कर पाई है, जबकि इस चोरी कांड के उद्भेदन के लिए फारेंसिक टीम बुलाई गई थी।

बता दें कि रविवार की रात दंगौली गांव निवासी गोपालजी सिंह के घर में उनकी दो लड़कियां ही मौजूद थी, जबकि गृह स्वामी अपनी पत्नी के साथ इलाज कराने पटना गए थे। इधर रात में चोरों ने उनके घर के आलमीरा को खोल उसमें शादी की नियत से रखे गए 12 लाख रूपए मूल्य के आभूषण, नगदी व कीमती सामानों पर हाथ साफ कर दिया था। चोरी की इस घटना का उद्भेदन नहीं होने से जहां पीड़ित परिवार में मायूशी छाई है, वहीं ग्रामीण भी चोरों के दुस्साहस से डरे सहमे हुए है।

इटाढ़ी के नारायणपुर में मनरेगा से निर्मित खेल मैदान में बास्केटबाल खेल का हुआ शुभारम्भ

खेल से जीवन में प्राप्त होता है अनुशासन

♦ डीएम ने अपने हाथों किया उद्घाटन

♦ कहा- अनुशासन से युवा बनते हैं एक अच्छे नागरिक

केटी न्यूज/बक्सर

इटाढ़ी प्रखंड के नारायणपुर पंचायत के प्राथमिक विद्यालय नारायणपुर में मनरेगा योजना से निर्मित खेल मैदान में बास्केटबाल खेल का शुभारम्भ जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल द्वारा गुरूवार को किया गया।

इस खेल मैदान में बास्केटबाल, बालीबॉल, बैटमिंटन, रनिंग ट्रैक, उची कूद, लंबी कूद सहित स्टोर रूम आदि की सुविधाएं उपलब्ध है।

इस मौके पर अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल मैदान की आवश्यकता को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा राज्य के सभी ग्राम पंचायतों में खेल मैदान विकसित करने का निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि खेल मैदान का निर्माण विद्यालय के परिसर अथवा बिहार सरकार की भूमि पर किया जा सकता है। इससे सेना-पुलिस इत्यादि संस्थाओं में नौकरी के लिए सड़को, राष्ट्रीय राजमार्गो पर अभ्यास अथवा दौड़ लगाते हुए युवाओं को उचित एवं पर्याप्त स्थान प्राप्त होगा। सड़को, राष्ट्रीय राजमार्गों पर अभ्यास के दौरान दुर्घटना की सम्भावना से इन्कार नहीं किया जा सकता। खेल मैदान एक सुरक्षित स्थान भी प्रदान करता है। युवाओं को जीवन में खेल से अनुशासन प्राप्त होता है, जिससे भविष्य में वह एक अच्छा नागरिक बनते है। उन्होंने कहा कि किशोर व युवावस्था में खेलकूद गतिविधियों में सक्रिय रहने वाले जीवनभर अनुशासित रहते है तथा उनमें टीम भावना कूट-कूट कर भरी होती है। वहीं, ग्रामीणों के द्वारा बताया गया कि पिछले वर्ष इटाढ़ी अंतर्गत ग्राम पंचायत के नारायणपुर के रवि कुमार, पिता गोपाल सिंह का चयन सेना में हुआ है।

गांव से निकले युवा बनते हैं देश का गौरव

डीएम ने कहा कि खेल जीवन का अमूल्य हिस्सा है और खेल से ही बालक-बालिकाओं का सर्वांगीण विकास सम्भव है। खेल के माध्यम से ही बच्चों में जीत का जुनून उत्पन्न होता है। खेल मैदान के विकास से बच्चों को उचित वातावरण एवं एक आधारभूत प्लेटफार्म मिलता है। उन्होंने कहा कि प्रतिभाएं गांव से ही निकलकर देश का गौरव बना करती है। उन्होंने कहा कि इस खेल मैदान का उपयोग छात्र-छात्राओं के साथ गांव के युवक-युवती सभी कर सकते हैं। जिलाधिकारी ने सभी युवाओं से खेल में रुचि लेने को कहा।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 | www.cambridgeschooldumraon.com | facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025

SCHOOL TOPPER- STD. XII
SARTHAK RAJ MISHRA 92%
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII

Chemistry	98	Biology	91
English Core	97	Physics	91
Physical Education	96	Business Studies	86
Mathematics	92	Economics	83

TOPPERS- STD. X
1st KHUSHI KUMARI 95.2% | 2nd ANSH RAJ SINGH 94.8% | 2nd PRAGATI KUMARI 94.8% | 2nd SHREYA RAJ 94.8% | 3rd ANMOL RAJ VATS 94% | 3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%

SUBJECTWISE HIGHEST MARKS

Mathematics	100	Sanskrit	100	Social Science	97
Science	100	English	95	Hindi	94

INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING, Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!

REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.

SCHOLARSHIP SCHEME
• CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
• INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

भविष्य में किसी भी विभाग में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी: त्यागी

- बीस सूत्री की बैठक में अनुपस्थित रहे सिमरी प्रखंड के आधा दर्जन से अधिक अधिकारी

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी प्रखंड सभागार में गुरुवार को कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक आहूत की गई, जिसकी अध्यक्षता कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष श्रीभगवान सिंह त्यागी ने किया।

समिति के सदस्य सचिव सह प्रखंड विकास पदाधिकारी लोकेंद्र यादव ने अध्यक्ष उपाध्यक्ष व सदस्यों के स्वागत अभिनंदन के बाद बैठक को संचालित किया।

बैठक में आधा दर्जन से अधिक पदाधिकारी अनुपस्थित रहे, जिसमें मुख्य रुप से अंचल अधिकारी व कृषि पदाधिकारी शामिल है। पूरे बैठक में आरोप और शिकायतों का दौर चलता रहा। अध्यक्षता कर रहे श्री त्यागी ने कहा कि पीछे क्या हुआ अतीत में नहीं जाना है, लेकिन आगे से किसी भी विभाग में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष सचिव कभी भी किसी भी विभाग में औचक निरीक्षण करते रहेंगे और गलतियां पाए जाने पर उचित करवाई की जाएगी।

बैठक में सदस्यों ने कहा कि मनरेगा में जल संरक्षण के लिए पोखरा की खुदाई होती है, लेकिन किसी भी पोखरा में पानी नहीं है। सदस्यों ने इस पर नाराजगी जताई और इसके बदले दो राजस्व ग्राम के बीच का चक रोड के कच्ची सड़क निर्माण का प्रस्ताव आगे बढ़ाया गया।

डुमरांव नगर परिषद का कचरा मझवारी मेला के सामने सड़क किनारे डंप किया जा रहा है। थानाध्यक्ष से इस पर त्वरित रोक लगाने को कहा गया। बैठक में जल जमाव, सिमरी, नियाजीपुर बाजार में सड़क से अतिक्रमण हटाने और अनुसूचित जाति बस्तियों में सामुदायिक शौचालय निर्माण, हर खेत में बिजली, गांव में जर्जर विद्युत तार को बदलने पर चर्चा किया गया। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण द्वारा प्रखंड परिसर में यथाशीघ्र पेयजल की समुचित व्यवस्था करने। केशोपुर वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से 214 वार्ड को सप्लाई गया है, लेकिन किसी भी वार्ड में अब तक शत प्रतिशत कार्य पूर्ण नहीं हुआ है, इस पर विभाग की विशेष खिंचाई हुई। त्यागी ने कहा कि सबसे अधिक शिकायतें अंचल के कार्यों को लेकर थी, परंतु अंचल अधिकारी अनुपस्थित रहे। शायद उन्हें पहले से ऐसा आभास था जिसके कारण वे बैठक में उपस्थित नहीं हुए। बैठक में अनुपस्थित सदस्यों पर भी चर्चा की गई तथा मांग किया गया कि अगली बैठक में सभी अधिकारी उपस्थित हो।

प्रधानमंत्री आवास योजना में शिकायत पर आवास सहायकों को फटकार लगाई गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि इस आवेदन प्रक्रिया के बाद एक बार पुनः फिजिकल भौतिक सत्यापन के बाद ही लिस्ट जारी होगा, ऐसा ऊपर से आदेश भी आ चुका है। बैठक में अध्यक्ष ,उपाध्यक्ष ए अलावा सभी सदस्य उपस्थित रहे।

आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए प्रखंड के 14 पंचायतों में तीन दिनों तक चलेगा अभियान

केटी न्यूज/डुमरांव

सरकार की महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान भारत के तहत डुमरांव प्रखंड के सभी 14 पंचायतों में 26 से 28 मई तक तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे।

बीडीओ संदीप कुमार ने बताया कि शिविर में 70 वर्ष से कम उम्र के उन्हीं लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा, जिनका नाम पहले से आयुष्मान सूची में दर्ज है। इसके विपरीत, 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के बुजुर्गों का कार्ड केवल आधार कार्ड के आधार पर बनाया जाएगा, चाहे वे किसी भी वर्ग से हों यहां तक कि यदि वे सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त भी क्यों न हों।

बीडीओ संदीप कुमार पांडे ने बताया कि प्रखंड के सभी 14 पंचायतों में यह शिविर लगाया जाएगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने सभी पंचायत सचिवों और वार्ड सदस्यों को निर्देश दिया है कि वे लोगों को शिविर की जानकारी देकर उन्हें आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने के लिए प्रेरित करें। बीडीओ ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

हादसे के बाद टूटी आरडब्ल्यूडी की तंद्रा, अकालुपुर की जर्जर पुलिया तोड़ने की कवायद शुरू

नए पुल को बनने में लगेगा एक माह का समय, तब तक के लिए बनेगा डायवर्सन

- मौजूद रहे विधायक व ग्रामीण कार्य विभाग तथा सिंचाई विभाग के इंजिनियर
- सोमवार को जर्जर पुलिया से नीचे गिरी थी स्कार्पियो, डीके मेमोरियल कॉलेज के प्राचार्य की हुई थी मौत

केटी न्यूज/डुमरांव

अकालुपुर गांव के पास डुमरांव राजवाहा मार्ग पर बनी जर्जर पुलिया से गिर सोमवार को डीके मेमोरियल कॉलेज डुमरी के प्राचार्य की मौत हो गई थी, वहीं, इस हादसे में एमवी कॉलेज के प्राचार्य समेत तीन अन्य प्राचार्य जख्मी हुए थे।

इस हादसे के बाद व डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह की अनुशंसा पर आखिरकार ग्रामीण कार्यविभाग की तंद्रा टूटी तथा विभाग ने गुरूवार को इस जर्जर पुलिया को तोड़ने की कवायद शुरू कर दी। इसके तहत वैकल्पिक मार्ग बनाने के लिए पहले डायवर्सन निर्माण का काम शुरू किया गया। इस दौरान स्थानीय विधायक के अलावे ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता, नहर विभाग के कनीय अभियंता समेत ग्रामीण कार्य विभाग के कई अन्य कर्मी व संवेदक मौजूद थे। विभाग का का मानना है कि यहां नया पुल बनने में करीब एक से डेढ़ माह का समय लगेगा, ऐसे में विधायक डॉ अजित कुमार सिंह ने ग्रामीण कार्य विभाग को निर्देश दिया कि तब तक के लिए पुल को तोड़कर डायवर्सन बनाएं।

कोरानसराय से ढकाईच तक 13.5 किमी लंबी सड़क की मिली है स्वीकृति

इस संबंध में आरडब्ल्यूडी के कार्यपालक अभियंता संजय कुमार व नहर विभाग के जेई श्याम कुमार मधुकर ने बताया कि डुमरांव राजवाहा के किनारे बने मार्ग के मरम्मत की स्वीकृति व वर्क ऑर्डर मिल चुका है। कोरानसराय से ढकाईच तक करीब 13.5 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण की योजना स्वीकृत हो गई है। उन्होंने बताया कि प्राक्कलन में राजवाहा मार्ग के साथ ही जर्जर पुलियों के मरम्मत का प्रस्ताव भी है। यह काम शीघ्र शुरू होने वाला है। इसी बीच अकालुपुर के पास अंग्रेजों के जमाने की बनी पुलिया काफी जर्जर हो गई है तथा इसके दोनों किनारे की रेलिंग टूट गई है, जिस कारण यहां लगातार दुर्घटनाएं हो रही है।

विधायक की अनुशंसा पर तत्काल यहां डायवर्सन बनाया जा रहा है तथा डायवर्सन बनने के बाद जर्जर पुलिया को तोड़ा जाएगा। कार्यपालक अभियंता ने बताया कि लगभग डेढ़-दो महीना में पुलिया का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। तबतक इसी डायवर्सन से लोगों की आवाजाही होगी।

बोले विधायक- लगातार सदन में उठा रहा हूं सवाल, उदासीन बनी है सरकार: मौके पर मौजूद स्थानीय विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने कहा कि वे लगातार क्षेत्र की जर्जर सड़के व पुल पुलियां के निर्माण की आवाजे उठाते रहे है, लेकिन सरकार ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। जिसका नतीजा है कि अकालुपुर पुलिया के समीप हाल के दिनों में आधा दर्जन से अधिक दुर्घटनाएं हो चुकी है तथा हादसे में एक प्राचार्य की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 के बाद इसका जीर्णोद्धार नहीं हुआ था, जो सरकार व प्रशासन की उदासीनता का प्रमाण है। इस दौरान इस पुलिया पर कई दुर्घटनाएं हुई, लेकिन विभाग, प्रशासन व सरकार मौन साधे रही।

डुमरांव विधायक डॉ. अजीत ने कहा कि लगातार विधानसभा में प्रश्न उठाते रहने के बाद आखिरकार उनकी बातों को सुना गया और अनुमंडल के 247 किलोमीटर की लंबाई वाली कुल 114 सड़कों के निर्माण की स्वीकृति मिली। इन जर्जर सड़कों पर 189 करोड़ रुपए खर्च होने है, जिसमें अकालुपुर की जर्जर पुलिया का निर्माण भी शामिल है। विधायक ने कहा कि हमने अपने प्रश्नों में अकालुपुर की जर्जर पुलिया के निर्माण की मांग को प्राथमिकता में रखा। सरकार पहले ही इसे स्वीकृति दे देती तो अबतक ये नौबत ही नहीं आती।

अपने काम का हिसाब जनता को दे डुमरांव विधायक: रवि उज्ज्वल

केटी न्यूज/डुमरांव

जदयू नेता व डुमरांव विधानसभा के पूर्व प्रभारी रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने डुमरांव विधायक अजीत कुशवाहा से सवाल पूछा है कि अकालुपुर की पुलिया जो मौत का पुल बन चुकी है, इस पर विधायक इतने दिन तक चुप क्यों थे।

उन्होंने कहा कि यदि विधायक चाहते तो यह पुलिया बहुत पहले बन जाता। रवि ने कहा कि विधायक मौत पर राजनीति करते है। उन्होंने कहा कि मैं डुमरांव विधायक से पूछना चाहता हू कि चार वर्षो में आपने क्या किया है। इस पुल पर आप हादसे व मौत का इंतजार कर रहे थे। इसके पहले रवि ने अपने साथियों के साथ पुल का जायजा लिया और कहा कि राज्य सरकार के प्रयास से ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा इसका मरम्मत कराया जा रहा है, इसकी स्वीकृति भी मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक आ रहा है तब विधायक को विकास नहीं हुआ है ये पता चला, उन्होंने कहा कि ये पब्लिक है सब जानती है आपको पहचानती है। उन्होंने कहा कि 2025 में अजीत कुशवाहा का विदाई तय है। उन्होंने कहा कि विधायक को सरकार के विकास कार्यों का श्रेय लेने के बदले आम जनता को अपने कामों का हिसाब देना चाहिए कि अबतक उन्होंने क्या किया है। मौके पर जदयू महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष प्रिती पटेल, डुमरांव प्रखंड के पूर्व अध्यक्ष विरेन्द्र कुशवाहा, सतेन्दर कुमार यादव, जगजीवन राम, तेज नारायण यादव और ग्रामवासी उपस्थित थे।

पार्दशिता के साथ वितरित करें पर्चा: एसडीएम

डुमरांव। गुरुवार को एसडीएम राकेश कुमार ने ब्रह्मपुर एवं केसठ अंचल क्षेत्र में बंदोबस्त पर्चा वितरण से पहले चिन्हित स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अंचल अधिकारियों के साथ मिलकर भूमि विवादों की स्थिति, दस्तावेजों की उपलब्धता और मौके की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। ब्रह्मपुर अंचल क्षेत्र में एसडीएम ने चार स्थलों का निरीक्षण किया, जहां बंदोबस्त प्रक्रिया के तहत भूमि पर्चा वितरण की तैयारी चल रही है। वहीं, केसठ अंचल क्षेत्र में तीन स्थलों का भौतिक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान ब्रह्मपुर की अंचलाधिकारी खुशबू खातून तथा केसठ सीओ अभिषेक गर्ग भी उपस्थित रहे। एसडीएम राकेश कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पर्चा वितरण की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और सटीकता के साथ की जाए। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण के समय प्राप्त आपत्तियों, ग्रामीणों की मांगों और वास्तविक कब्जे की स्थिति को प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए, ताकि भविष्य में कोई विवाद उत्पन्न न हो।

आगामी महीनों में लाभुकों को एक साथ मिलेगा दो-दो माह का राशन: एसडीएम

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल क्षेत्र में जन वितरण प्रणाली केंद्रों से लाभुकों को आगामी महीनों में दो-दो माह का राशन एक साथ दिया जाएगा। इस व्यवस्था को लेकर एसडीएम राकेश कुमार ने संबंधित एमओ को आवश्यक निर्देश जारी किया है। इसका उद्देश्य मानसून के दौरान होने वाली संभावित समस्याओं से लोगों को राहत देना है।

एसडीएम ने बताया कि सभी पीडीएस को 20 मई 2025 तक मई माह का राशन वितरण हर हाल में पूरा कर लेना है। इसके बाद 21 मई से 31 मई तक जून माह का राशन लाभुकों को दिया जाएगा। यही प्रक्रिया जून माह में भी अपनाई जाएगी। एक से 15 जून तक जुलाई माह का राशन और 16 से 30 जून तक अगस्त माह का राशन वितरण किया जाएगा।

मानसून में किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने और लाभुकों को राशन के लिए कठिनाई न हो, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा यह विशेष पहल की गई है। साथ ही, यह सुनिश्चित करने के लिए कि राशन वितरण को लेकर लाभुकों में किसी प्रकार का भ्रम उत्पन्न न हो,इसको लेकर प्रचार-प्रसार का भी निर्देश दिया गया है। सभी डीलरों और पदाधिकारियों को सतत निगरानी का निर्देश दिया है ताकि किसी भी लाभुक को गुमराह न किया जा सके और वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने कहा कि पॉस मशीन में अब दो माह का राशन उठाव का विकल्प भी उपलब्ध करा दिया गया है, जिससे तकनीकी अड़चनें न आएं।

भारतीय सेना दिया अदम्य साहस का परिचय: श्रीभगवान

- सिमरी में भारतीय सेना के सम्मान में निकाली गई तिरंगा यात्रा

केटी न्यूज/सिमरी

भाजपा सिमरी मंडल के कार्यकताओं ने गुरूवार को सिमरी बाजार में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सेना के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाला। यह तिरंगा यात्रा सिमरी भाजपा के मंडल अध्यक्ष श्रीभगवान सिंह त्यागी के नेतृत्व में निकाला गया था।

जिसकी शुरूआत महावीर मंदिर से हुई तथा पूरा बाजार भ्रमण करते हुए तहसील कचहरी परिसर में सभा में परिवर्तित किया गया। इस दौरान अपने संबोधन में मंडल अध्यक्ष ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए पाकिस्तान को धूल चटा दिया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ पाकिस्तान के हर हमले को हमारे जवान रोकने में सफल रहे तो दूसरी तरफ उनके आंतकी ठिकानों, लॉचिंग पैड तथा अन्य सामरिक ठिकानों को ध्वस्त कर अपने पराक्रम का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया भारतीय जवानों के पराक्रम का लोहा मान रही है। तिरंगा यात्रा के दौरान ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को बधाई दी गई। सभा को राजाराम पांडेय, अनु तिवारी, जितेंद्र दुबे, भूटेली तिवारी, अनिल पांडेय, गणेश सिंह आदि ने संबोधित किया। मौके पर राम किश्वर सिंह, राहुल राय, विजय बिंद, बड़क जायसवाल, आशुतोष तिवारी, भोला राय, बुआ तिवारी, अनिल राय, शिव कैलाश पांडेय समेत कई अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रैली एवं मार्च पास्ट निकाल किया गया मशाल खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का उद्घाटन

ओलंपिक खेलों के लिए बच्चों को किया जाएगा तैयार

- प्रधानाध्यापक की अध्यक्षता में आयोजित हुआ कार्यक्रम

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय राज प्लस टू हाई स्कूल के ऐतिहासिक मैदान में गुरूवार को मशाल प्रतिभा खोज खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन रैली निकाल व मार्च पास्ट से किया गया। यह मार्च पास्ट सीआरसी राज प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनुराग मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित हुआ था। वहीं, अंडर 14 एवं अंडर 16 मशाल खेल प्रतियोगिताओं का भव्य उद्घाटन किया गया।

इस मशाल खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन ग्रामीण स्तर के छात्रों की प्रतिभा को तराश उन्हें ओलंपिक खेलों के लिए तैयार करना है। इसके लिए शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालय स्तर पर विभिन्न खेल विधाओं जैसे साइकिल रेस, कबड्डी, दौड, थ्रो बॉल, वॉलीबॉल, हाई जंप, लॉन्ग जंप इत्यादि का पहले ही बच्चों का सिलेक्शन कर पोर्टल पर एनरोलमेंट किया जा चुका है एवं गुरूवार से 24 मई तक चलने वाली इस खेल प्रतियोगिता में सीआरसी राज प्लस टू उच्च विद्यालय के अंतर्गत उर्दू मध्य विद्यालय डुमरांव, सीपीएस हाई स्कूल डुमरांव, मध्य विद्यालय खिरौली, राज प्लस टू उच्च विद्यालय, मध्य विद्यालय महावीर चबूतरा इत्यादि विद्यालय शामिल है। उद्घाटन के मौके पर इन विद्यालयों के सैकड़ों की संख्या में छात्र उपस्थित हुए।

बता दें कि बिहार मशाल खेल प्रतिभा खोज के अंतर्गत विद्यालय, संकुल, प्रखंड, जिला एवं राज्य स्तर पर इन प्रतिभाओं की खोज के लिए खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

इस संबंध में प्रधानाध्यापक अनुराग मिश्र ने बताया कि मशाल प्रतिभा खोज खेल प्रतियोगिता एक प्रकार की प्रतियोगिता है, जिसमें प्रतिभागियों को विभिन्न खेलों और गतिविधियों में अपनी प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन करते है। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा को दिखाने और विकसित करने का अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के आयोजन से बच्चों में ऊर्जा एवं उत्साह की एक नई लहर दौड़ रही है।

डुमरांव प्रखंड में पहला चेक डैम का निर्माण मनरेगा योजना से शुरू

डैम से कुशलपुर के आसपास के 200 एकड़ जमीन को मिलेगा पानी

♦ सिंचाई के साथ साथ एक दूसरे गांव के संपर्क पथ को जोड़ने का चल रहा है काम

केटी न्यूज/डुमरांव

बारिश के दिनों का पानी संग्रहण के लिए कई सरकारी योजनाओं से बांध तालाब के साथ अन्य संसाधन बनाने का काम किया जा रहा है। बावजूद हर खेत को पानी मिल पाने का उत्तम साधन उपलब्ध अब तक नहीं हो सका है। जबकि किसानों के सामने सबसे बड़ी समस्या खेती में सिचाई की उत्पन्न हो रही है। सिंचाई के अभाव में जिला का 30 प्रतिशत से अधिक भू-भाग बंजर हो गया है।

वहीं, गांव के आसपास रप स्थित छोटी-छोटी नदी जोर का पानी निरंतर बहता रहता बर्बाद हो जाता है। जिसका सिंचाई कार्य में उपयोग नहीं हो पाता। बेकार बह जाने वाले इस जल के संग्रहण करने के लिए मनरेगा ने ऐसी जगहों पर पक्का चेक डैम बनाने की शुरूआत की है।

योजना के तहत डुमरांव प्रखंड में पहला चेक डैम का निर्माण मनरेगा योजना से कुशलपुर पंचायत में शुरू कर दिया गया है। इस चैक डैम से करीब दो सौ एकड़ जमीन का सिंचाई आसानी से होगा और जल भी संग्रहित रहेगा। इसमें सिंचाई के साथ-साथ एक दूसरे गांव के संपर्क पथ को जोड़ने का भी काम चल रहा है। जिससे किसान आसानी से अपने खेतों तक आ जा सकते है और खेतों की जोताई भी हो जाएगी । अधिकारी के साथ किसानों का भी मानना है कि नेनुआ नहर में बहने वाले पानी को रोक दिया जाए तो सिचाई के उत्तम प्रबंध हो सकते हैं। निर्माण का कार्य पंचायत समिति के माध्यम से किया जा रहा है।

नेनुआ नहर लाइन पर चैकडेम बनने से मठिला के किसानों को मिलेगा जल जमाव से राहतः नेनुआ नहर लाइन पर चेक डैम का निर्माण होने से सबसे ज्यादा लाभ मठिला के किसानों का होने वाला है। मठिला में प्रत्येक वर्ष दो सौ एकड़ खेती योग्य भूमि जल जमाव से डूब जाती है। जिसका लाभ किसानों को नहीं मिलता है। हालांकि इसपर बीडीओ संदीप कुमार पांडेय एवं मनरेगा पीओ सुनील कुमार ने पहल किया। पीओ ने बताया कि सबसे पहले नेनुआ नहर लाइन आहार को प्रथम चरण में साफ कराया। उसके बाद कुशलपुर में चैक डेम का निर्माण कराया जा रहा है। जिससे मठिला में जमा हुआ पानी को कसियां नहर में लाया जाएगा। उसके बाद इसे नेनुआ नहर लाइन में गिराया जाएगा। जिससे पानी मुंगाव अटाव एवं कसियां होते हुए नेनुआ गांव होते हुए भैसहा नदी में गिर जाएगी। इसी नेनुआ नहर पर चैकडेम बनाकर पानी को संग्रहित किया जाएगा। वहीं ओवर पानी को डैम के माध्यम से निकाल दिया जाएगा।

कायमनगर भाया बिरमपुर माणिकपुर मुख्य सड़क पर होगा बड़े नाले का निर्माणः विधायक

केटी न्यूज/आरा

लगभग तेरह करोड़ रुपये की लागत से बन रहे बड़हरा विधानसभा के कायमनगर भाया बिरमपुर माणिकपुर मुख्य सड़क का निर्माण से बिरमपुर और पुरलीगंज में जल जमाव और नाले की समस्या के कारण सड़क निर्माण में व्यवधान आ रहा था। बड़हरा विधायक सह पूर्व मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह गुरूवार को उक्त समस्या की समाधान के लिए संबंधित विभाग पदाधिकारियों एवं संवेदक के साथ दोनों गांवों के ग्रामीण जनता से मिलकर समस्याओं से रु-ब-रू हुए।

पदाधिकारियों की उपस्थिति मे विधायक ने लोगों से समस्या का समाधान निकालने का परामर्श लिया और तय हुआ कि नाले का निर्माण कर जलजमाव को रोका जाएगा। विधायक ने पदाधिकारियों और संवेदक को नाला निर्माण के साथ सड़क बनाने का निर्देश दिया। जहां उपस्थित सैकडों लोगों ने उक्त सड़क में आ रहे व्यवधान की समस्या दूर होने से पूर्व मंत्री सह बड़हरा विधायक का आभार व्यक्त किया। उक्त अवसर पर बड़हरा विधायक ने कहा कि कायमनगर भाया बिरमपुर मानिकपुर सड़क कई पंचायतों को जोड़ने वाला मुख्य सड़क है। उक्त सड़क पर जलजमाव का समस्या थी, जिससे क्षेत्र के लोग रास्ते बदल कर जाते थे। बहुत पहले ही उक्त सड़क पर लगने वाले जलजमाव का समाधान का प्रयास किया गया था, लेकिन आम रजामंदी के अभाव मे समाधान नही हो रहा था, जिससे सड़क निर्माण में भी व्यवधान आ रहा था।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 73 बच्चियों को दिया गया टीका

कराकाट। सर्वाइकल कैंसर को लेकर काराकाट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गुरुवार को आवासीय कस्तूरबा गांधी विद्यालय जयश्री में काराकाट गोड़ारी सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राजीव कुमार, स्वास्थ्य प्रबंधक कौशलेंद्र शर्मा सहित अन्य अधिकारियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया। जिसमें सर्वाइकल कैंसर से बचाव को लेकर 9 वर्ष से 14 वर्ष के कुल 73 बच्चियों को वैक्सीन दिया गया। साथ ही, सभी बच्चियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव का सर्टिफिकेट भी दिया गया। इसकी जानकारी प्रभारी डॉ कुमार ने दी। मौके पर आवासीय कस्तूरबा गांधी विद्यालय जयश्री काराकाट के वार्डेन गुड़िया पांडेय, कीशु कुमार, डाटा ऑपरेटर नागेश्वर तिवारी, एएनएम सुनीता सिंह, पिंकी कुमारी, शोभा कुमारी अन्य लोग मौजूद थे।

26 मई को वट सावित्री व्रत पर कृतिका नक्षत्र में सोमवती अमावस्या का शुभ संयोग

केटी न्यूज/सासाराम

काराकाट में इस बार वट सावित्री व्रत 26 मई को मनाया जाएगा । ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि को यह व्रत रखा जाता है । वट सावित्री के दिन इस बार सोमवती अमावस्या का शुभ संयोग भी बन रहा है । इसलिए इस दिन व्रत रखना और भी फलदायी रहेगा। हिन्दू धर्म में वट सावित्री व्रत का विशेष महत्व होता है। इस दिन विवाहित स्त्रियां अपने अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए व्रत रखती हैं।

मान्यताओं के अनुसार इस दिन सावित्री यमराज से अपने पति के प्राण वापस लाई थी। ऐसी मान्यता है कि विवाहित स्त्रियां इस दिन वट वृक्ष की पूजा करती हैं, वट वृक्ष की लंबी उम्र होने के कारण इस वृक्ष की पूजा की जाती है,जिससे उनके पति की उम्र भी लंबी रहे। जानकारों के अनुसार कृतिका नक्षत्र में सोमवती अमावस्या का यह शुभ संयोग इस बार वट सावित्री व्रत के दिन बन रहा है,जिसमें स्नान और दान का बहुत फल मिलता है।

यह अमावस्या स्नान-दान और श्राद्ध की अमावस्या कही जाती है। इसलिए यह तिथि न सिर्फ महिलाओं के लिए बल्कि पुरुषों के लिए भी खास है। इस व्रत में पूजा-पाठ,स्नान व दान आदि का अक्षय फल मिलता है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करके पितरों के नाम से तर्पण करना चाहिए। यह व्रत करने से न सिर्फ पति की लंबी आयु होती है,बल्कि अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन की तैयारियों को लेकर भाजपा ने की बैठक

केटी न्यूज/सासाराम

बिक्रमगंज शहर के द डिवाइन पब्लिक स्कूल, धावां में 30 मई को यशस्वी प्रधानमंत्री कार्यक्रम को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सह क्षेत्रीय प्रभारी सिद्धार्थ शंभू ने भाजपा सभी कार्यकताओं को कार्यक्रम प्रारूप तैयारी को लेकर उन्हें विशेष दायित्वों दी।

कार्यक्रम अध्यक्षता जिलाध्यक्ष संतोष पटेल व संचालन जिला महामंत्री प्यारेलाल ओझा ने की। इस कार्यक्रम तैयारी के संदर्भ में दायित्वों की सूची के तहत प्रशासनिक समन्वय व्यवस्था करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गई। इस दौरान विजय सिंह, स्थल व्यवस्था देवेन्द्र नाथ पांडे, मीडिया व्यवस्था प्रभारी रवि प्रकाश, रवि कान्त मिश्र, कुश पाण्डेय, प्रो. प्रमोद सिंह, प्यारेलाल ओझा, महेन्द्र पासवान, प्रोटोकॉल व्यवस्था मनीष रंजन, नगर सज्जा व्यवस्था मदन वैश्य, अरविंद पाण्डेय,भोला कुमार, इन्द्र जीत सिंह, कन्हैया कुमार, पार्किंग व्यवस्था रितेश राज, प्रचार वाहन व्यवस्था आनन्द कुमार पाण्डेय, आवास व्यवस्था सत्येंद्र दुबे, नागेश्वर कुशवाहा व अन्य मौजूद रहे।

किसानों को आधुनिक तकनीक की खेती और योजनाओं की दी गई जानकारी

किसानों के निबंधन में लाएं तेजीः डीएम

केटी न्यूज/आरा

खरीफ कर्मशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आरा के नागरी प्रचारिणी सभागार में गुरुवार को किया गया। इस दौरान किसानों को आधुनिक तकनीक की खेती और सरकार की ओर से उनके हित में चलाई जा रहीं विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके बाद अब प्रखंडों में इसका आयोजन किया जाएगा। साथ ही पंचायतों में चौपाल लगाया जाएगा।

कार्यक्रम का उद्घाटन डीएम तनय सुल्तानिया की ओर से दीप जलाकर किया गया। इस दौरान डीएम ने कृषि अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम के दौरान किसानों की समस्याओं को सुनें और समाधान करें। जिला स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों एवं प्रसार कर्मियों को निर्देश दिया गया कि प्रखंड स्तरीय कर्मशाला सह प्रशिक्षण एवं पंचायत स्तरीय किसान चौपाल में उपस्थिति किसानों से कृषि से संबंधित समस्याओं की चर्चा करें एवं सभी समस्याओं को संकलित कर जिला में उपलब्ध कराएं, ताकि किसानों की समस्याओं का समाधान किया जा सके। फार्मर रजिस्ट्री कार्य में तेजी लाने एवं अधिक से अधिक ईकेवाईसी करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रखंड स्तरीय एवं पंचायत स्तरीय महिला संवाद एवं डॉ. आंबेडकर समग्र सेवा अभियान में जाकर योजनाओं की जानकारी दें। बीज के लिए अधिकाधिक ऑनलाइन आवेदन करें इस दौरान पावर पॉइंट ऑफ प्रजेंटेशन के माध्यम से योजनाओं की जानकारी दी गई। इस मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी शत्रुघ्न साहु की ओर से खरीफ महाभियान 2025 अंतर्गत विभिन्न फसलों की उत्पादकता एवं उत्पादन को बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम का क्रियान्वयन करने का निर्देश दिया गया।

साथ ही, खरीफ मौसम में संचालित योजनाओं को विस्तार से बताया गया। बीज के लिए किसानों से आह्वान किया गया कि अधिक से अधिक ऑनलाइन आवेदन करें। 26 मई से एक जून तक प्रखंडों में खरीफ कर्मशाला बताया गया कि 26 मई से एक जून तक सभी प्रखंड मुख्यालयों के प्रखंड कृषि कार्यालय में खरीफ कर्मशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान अधिक से अधिक किसान भाग लेकर योजनाओं के साथ- साथ तकनीकी जानकारी प्राप्त करें।

नीतीश सरकार ने एक साथ 61 डीएसपी का किया ट्रांसफर

केटी न्यूज/पटना

नीतीश सरकार ने बिहार पुलिस सेवा के 61 अधिकारियों का तबादला कर दिया है। गृह विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। परीक्ष्यमान डीएसपी और कई अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों को नई जगहों पर पदस्थापित किया गया है। इस संबंध में गृह विभाग की तरफ से अधिसूचना जारी कर दी गई है। परीक्ष्यमान डीएसपी भी विभिन्न जगहों पर पोस्टिंग की गई है। कई अनुमंडल के एसडीपीओ को भी बदला गया है। ट्रांसफर में 28 ट्रेनी डीएसपी भी शामिल है।

जिन 61 डीएसपी रैंक के अधिकारियों का तबादला किया गया है, उनमें 28 ट्रेनी डीएसपी भी शामिल हैं। खास बात है कि इस तबादले में आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू), निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, साइबर क्राइम, विशेष शाखा, यातायात आदि में बड़ी संख्या में पुलिस पदाधिकारियों का पदस्थापन किया गया है। प्रशांत कुमार को पटना के रेल डीएसपी की जगह पटना का यातायात डीएसपी बनाया गया है। पदस्थापन की प्रतीक्षा में रहे कमलाकांत प्रसाद को एससीआरबी एवं आधुनिकीकरण जबकि प्रेम सागर को वैशाली का नया यातायात अपर पुलिस अधीक्षक बनाया गया है।

पुलिस मुख्यालय ने एक साथ जारी किया आदेश : पुलिस मुख्यालय में आयोजित क्षेत्रीय स्थानांतरण समिति की बैठक में एक साथ दारोगा से लेकर हवलदार रैंक के पुलिसकर्मियों के अंतर जिला स्थानांतरण का आदेश जारी किया है। एडीजी मुख्यालय कुंदन कृष्णन की ओर से जारी आदेश के अनुसार, दारोगा एवं समकक्ष रैंक के पुलिस पदाधिकारियों को नए जिले में योगदान के लिए 15 दिनों के अंदर विरमित करने का आदेश दिया गया है। सेवानिवृत्ति की निकटता, चिकित्सीय एवं पति-पत्नी सरकारी सेवा में रहने के आधार पर स्थानांरित किए गए पदाधिकारियों पर यह आदेश प्रभावी नहीं होगा। वहीं हवलदार और एएसआइ को स्थानांतरित जिले में योगदान करने के लिए एक जून से विरमित करने का आदेश दिया गया है।

पांच दर्जन डीएसपी को नई जिम्मेदारी : पांच दर्जन डीएसपी को नई जिम्मेदारी मिली है। सुधीर कुमार को डीएसपी (रक्षित) अररिया, अभय कुमार रंजन को बीसैप-6 मुजफ्फरपुर, अमित कुमा, पंकज कुमार, अबू सैफी मुर्तजा और विनोद कुमार को को एसटीएफ, अमित कुमार को एडीपीओ बेनीपट्टी, चंदन कुमार को एसडीपीओ औरंगाबाद सदर, संजय कुमार वर्मा को विशेष निगरानी इकाई, निशिकांत भारती को बीसैप-छह, संतोष कुमार को एसडीपीओ चकिया, ओमप्रकाश सिंह को ईओयू मद्यनिषेध बनाया गया है।

मुजफ्फरपुर में गंडक नदी में नहाने के दौरान पांच लड़कियां डूबी, तीन को लोगों ने बचाया; दो की मौत

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर में बूढ़ी गंडक नदी में नहाने के दौरान पांच लड़कियां डूब गईं। तीन को तो लोगों ने बचा लिया लेकिन दो लड़कियों की डूबने से मौत हो गई। घटना के करीब 24 घंटे के बाद रेस्क्यू टीम ने दोनों बच्चियों के शव को नदी से बरामद कर लिया। घटना अहियापुर थाना क्षेत्र की है। मृतक लड़कियों की पहचान कोल्हुआ की रहने वाली 11 साल की सोनम और 14 वर्षीय कृष्णा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बुधवार की दोपहर पांचों लड़कियां बूढ़ी गंडक नदी में नहाने के लिए गई थीं। नहाने के क्रम में वह नदी में आगे बढ़ गई। इसी दौरान पांचों लड़कियां डूबने लगी। जिसके बाद वहां मौजूद शख्स ने तीन लड़कियों को बचा लिया लेकिन दो नदी के गहरे पानी में चली गईं। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने एनडीआरएफ को मौके पर बुलाया और नदी में लापता दोनों लड़कियों की तलाश शुरू हुई। गुरुवार को शाम चार बजे एनडीआरएफ की टीम ने नदी से दोनों लड़कियों का शव बरामद कर लिया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं इस घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल।

गोपालगंज के थावे जंक्शन और भागलपुर के पीरपैंती स्टेशन का हुआ उद्घाटन

पीएम ने दिया तोहफा... बिहार को मिले दो अमृत भारत रेलवे स्टेशन

केटी न्यूज/पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में दो अमृत भारत रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया। ये स्टेशन गोपालगंज का थावे जंक्शन और भागलपुर का पीरपैंती स्टेशन हैं। उन्होंने राजस्थान के बीकानेर में एक कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से 103 रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया। पीरपैंती स्टेशन पर भाजपा विधायक ललन कुमार मुख्य अतिथि थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बिहार के दो रेलवे स्टेशनों गोपालगंज जिले का थावे जंक्शन और भागलपुर जिले का पीरपैंती स्टेशन का उद्घाटन किया। यह लोकार्पण बीकानेर, राजस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हुआ, जहां पीएम मोदी ने देशभर के 103 अमृत भारत रेलवे स्टेशनों का एक साथ उद्घाटन किया।

पीरपैंती स्टेशन का हुआ नवनिर्माण: पीरपैंती रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा विधायक ललन कुमार मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम में कहलगांव के विधायक पवन यादव और मालदा डिवीजन के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता ने भी शिरकत की। ललन कुमार ने बताया कि नया स्टेशन यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इसमें ऊंचे-चौड़े प्रवेश द्वार, बेहतर सुविधाएं और आरामदायक

माहौल तैयार किया गया है।पीरपैंती स्टेशन का नया भवन करीब 19 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। इस स्टेशन पर आधुनिक पैसेंजर लाउंज, सुंदर पोर्टिको, विस्तृत सरकुलेटिंग एरिया, गार्डन और उन्नत लाइटिंग व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त, 12 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज भी बनाया जा रहा है, जो जल्द ही चालू हो जाएगा। स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए लिफ्ट की भी व्यवस्था की जा रही है।

थावे जंक्शन की भी नई पहचान : थावे जंक्शन पर भी लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें कई जनप्रतिनिधि और रेलवे अधिकारी शामिल हुए। यह स्टेशन उत्तर बिहार के यात्रियों के लिए एक अहम कड़ी है। यहां की आधुनिक सुविधाएं लोगों की यात्रा को सहज बनाएंगी। पीरपैंती स्टेशन न केवल एक यात्री केंद्र है, बल्कि यह भागलपुर क्षेत्र के लिए एक प्रमुख व्यापारिक हब भी है। झारखंड से सटे इलाकों के लोग भी इसी स्टेशन से यात्रा करते हैं, जिससे इसकी महत्ता और बढ़ जाती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना का उद्देश्य : रेलवे स्टेशनों के इस व्यापक विकास कार्य को केंद्र सरकार की अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत अंजाम दिया जा रहा है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य देशभर के रेलवे स्टेशनों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करना है। स्टेशनों पर वाई-फाई, बेहतर प्रतीक्षालय, स्वच्छता और डिजिटल सेवाओं जैसी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं।

सीवान के पूर्व ईओ 4.5 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार मामले में नपे

सीवान। सीवान नगर परिषद के तत्कालीन कार्यपालक पदाधिकारी राज किशोर लाल के खिलाफ विभागीय कार्यवाही चलेगी। नगर विकास एवं आवास विभाग ने आरोप पत्र गठित कर सामान्य प्रशासन विभाग को उपलब्ध कराया था। अब जाकर सामान्य प्रशासन विभाग ने बिहार प्रशासनिक सेवा के अधिकारी राजकिशोर लाल के खिलाफ विभागीय कार्यवाही चलाने को लेकर संकल्प जारी किया है। राजकिशोर लाल के खिलाफ शुरू की गई।

अब गंगा नदी पर चलेगी वाटर मेट्रो

केटी न्यूज/पटना

सूबे की सरकार लगातार पर्यटन और परिवहन सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठा रही है। जहां एक ओर अगस्त में पटना मेट्रो की शुरुआत होने जा रही है, वहीं दूसरी ओर राज्य की राजधानी को जल मार्ग से जोड़ने की भी तैयारी जोरों पर है। जल्द ही पटना में वाटर मेट्रो सेवा की शुरूआत होने वाली है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में से एक है। इस परियोजना का उद्देश्य उत्तर बिहार को पटना मेट्रो के एनआईटी स्टेशन से जोड़ना है, जिससे राजधानी की ट्रैफिक समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकेगा।

साथ ही, यह प्रोजेक्ट राज्य के पर्यटन को भी नया आयाम देगा। उल्लेखनीय है कि कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड की तीन अधिकारियों की टीम हाल ही में पटना पहुंची थी। चार दिनों तक इस प्रोजेक्ट पर काम करते हुए गंगा से जुड़े विभिन्न जल क्षेत्रों – जैसे गंडक, सोनपुर, हाजीपुर, दीघा, गायघाट, पहलेजा घाट आदि – का विस्तृत सर्वे किया गया। यह

वाटर मेट्रो आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगी। इसका डिजाइन पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ होगा। हर मेट्रो बोट में लगभग 100 लोग सफर कर सकेंगे, जिनमें से 50 यात्रियों के लिए बैठने की व्यवस्था होगी, जबकि बाकी खड़े होकर यात्रा कर सकेंगे। बता दे कि जहां दिल्ली मेट्रो का अधिकतम किराया 60 रुपये है, वहीं पटना की वाटर मेट्रो में यह सिर्फ 20 से 40 रुपये तक रहने की संभावना है, जिससे यह एक किफायती और सुविधाजनक विकल्प बनकर उभरेगा। सिर्फ बिहार ही नहीं, इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गोवा, असम, अंडमान-निकोबार और लक्षद्वीप जैसे राज्यों के प्रमुख शहरों को भी जल मार्ग से जोड़ने की योजना है। प्रयागराज, वाराणसी, अयोध्या, श्रीनगर, गुवाहाटी, मुंबई, वसई और अन्य शहर इस योजना के पहले चरण में शामिल हैं। पटना में वाटर मेट्रो की शुरूआत न केवल लोगों की यात्रा को आसान बनाएगी, बल्कि राज्य को पर्यटन के वैश्विक नक्शे पर भी मजबूती से स्थापित करेगी। जिससे पटना में ट्रैफिक की समस्या में कमी आएगी। इस परियोजना के तहत, केरल की कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड के तीन अधिकारी पटना आए थे और चार दिनों तक वाटर मेट्रो के प्रोजेक्ट पर काम किया। इस दौरान गंडक, सोनपुर, हाजीपुर, कोनहरा, दानापुर, दीघा, बिदुपुर, गायघाट शामिल है।

ऑन ड्यूटी व्हीकल इंस्पेक्टर पर वाहन जांच के दौरान हमला

समस्तीपुर। समस्तीपुर में ऑन ड्यूटी व्हीकल इंस्पेक्टर पर वाहन जांच के दौरान जानलेवा हमला हुआ है। एक हरियाणा नंबर के ट्रक ने रुकने का इशारा करने पर मोटरयान निरीक्षक राकेश कुमार और उनके चालक लालबाबू को टक्कर मार दी। घटना गुरुवार की है।मामला मुसरीघरारी बस स्टैंड के पास की है। एमवीआई राकेश कुमार अपने सरकारी वाहन से ड्राइवर लालबाबू के साथ मुसरीघरारी से गंगापुर जा रहे थे। रास्ते में उन्होंने हरियाणा नंबर के एक ट्रक को रोकने का इशारा किया। ट्रक चालक ने इशारा नजरअंदाज कर दिया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल एमवीआई और चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया। ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सीसीटीवी कैमरों की मदद से ट्रक और चालक की पहचान कर रही है। एमवीआई राकेश कुमार ने बताया कि वे अपनी ड्यूटी कर रहे थे। चालक ने जानबूझकर उन पर वाहन चढ़ा दिया।

शुक्रवार को केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव जमालपुर रेलवे स्टेशन का करेंगे दौरा

रेलमंत्री के आने से पहले तैयारियों में जुटा रेल प्रशासन, डीआरएम ने निरीक्षण के दौरान दिये निर्देश

केटी न्यूज/पटना

मालदा रेलमंडल के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता गुरुवार की शाम जमालपुर रेलवे स्टेशन पहुंचे। केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रस्तावित दौरे को लेकर उन्होंने स्टेशन का बारीकी से निरीक्षण किया। अमृत भारत योजना के तहत स्टेशन के सौंदर्यीकरण और विस्तार कार्य की जानकारी ली। स्थानीय अधिकारियों से बातचीत कर कई जरूरी निर्देश भी दिए। डीआरएम ने स्टेशन पर यात्री सुविधाओं की भी जांच की।

एस्केलेटर, पेयजल आपूर्ति और साफ-सफाई की व्यवस्था को खुद से जांच पड़ताल करते हुए उसे परखा। इस दौरान स्टेशन परिसर को पूरी तरह

दुरुस्त किया गया था। अंदर से बाहर तक हर जगह आज सफाई की गई थी। डीआरएम ने दिए निर्देश डीआरएम ने रेलमंत्री के स्टेशन से कारखाना तक जाने वाले मार्ग का भी जायजा लिया। इस दौरान डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता ने कहा कि रेलमंत्री शुक्रवार सुबह 11 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच स्टेशन पहुंचेंगे। बिना अनुमति किसी को उनके पास नहीं जाने दिया जाएगा। सुरक्षा कर्मियों को सतर्क रहने का भी निर्देश दिया। डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता ने जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगाने, आरपीएफ और अन्य सुरक्षा बलों की तैनाती करने के निर्देश दिए। अधिकारियों के साथ बैठक कर रेलमंत्री के मिनट टू मिनट कार्यक्रम को समय पर पूरा करने और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने पर विशेष रूप से बातचीत की।

डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता ने बताया कि रेलमंत्री पटना से रेलमार्ग के जरिये जमालपुर आएंगे। रास्ते में पड़ने वाले प्रमुख स्टेशनों की स्थिति का जायजा लेंगे। जमालपुर रेल इंजन कारखाना पहुंचकर मशीनों, उत्पादन इकाइयों और कार्यशाला की स्थिति की समीक्षा करेंगे। रेलमंत्री अधिकारियों से उत्पादन क्षमता, संसाधनों के उपयोग और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करेंगे। कई रेल प्रोजेक्ट्स प्रगति पर हैं। इनमें नई लाइन बिछाने, स्टेशनों के आधुनिकीकरण और यात्री सुविधाओं में सुधार शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

सरायकेला में भर्ती कैम्प आज, होगी 210 पदों पर बहाली

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर। सरायकेला खरसावां जिले के सरायकेला नियोजनालय में शुक्रवार को भर्ती कैम्प का आयोजन किया जाएगा। शिविर में कुल 210 पदों पर नियुक्ति ली जाएगी। शिविर में दो कंपनियों की ओर से शिविर लगाए जाएंगे। इनमें से प्यूजन फाइनेंस लि. में रिलेशनशिप ऑफिसर के 50 पद हैं। इसके लिए 12वीं पास होना चाहिए। 35 वर्ष तक उम्रसीमा रखी गई है जबकि वेतन 12500 से 15000 रुपए दिए जाएंगे। इसके अलावा पेट्रोल, पीएफ, इएसआई और रहने की सुविधा भी मिलेगी। किसी अनुभव की जरूरत नहीं है। जॉब लोकेशन जमशेदपुर व चक्रधरपुर होगा। दूसरी ओर, युवा शक्ति फाउंडेशन 160 पदों पर बहाली करेगा। इनमें एमआईजी वेल्डर, मशीन ऑपरेटर, क्वालिटी पीडीआई व एमपीआई, प्रोडक्शन असिस्टेंट और डाटा इंट्री ऑपरेटर के क्रमशः 40, 40, 50, 20 और 10 पद हैं। वेल्डर के लिए दो वर्ष का अनुभव, बाकी फ्रेशर को भी मौका दिया जाएगा। सभी के लिए उम्र सीमा 18 से 30 साल अपेक्षित है। जहां तक वेतन की बात है, वेल्डर को 13,312 से 17,550 रुपए जबकि बाकी को 12,500 रुपए मिलेंगे। वेल्डर को पीएफ, इएसआईसी, बोनस, छुट्टी, यूनिफार्म आदि की सुविधा मिलेगी जबकि बाकी को कैंटीन और आने-जाने की सुविधा दी जाएगी। जॉब लोकेशन जमशेदपुर या सरायकेला खरसावां होगा।

एकजुट होकर आतंकवाद खत्म करना हैः संतोष

धनबाद, एजेंसी। कांग्रेसियों ने बुधवार को पुण्यतिथि पर पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को याद किया। हाउसिंग कॉलोनी के जिला कांग्रेस कार्यालय भवन में श्रद्धांजलि सभा हुई। धनबाद जिला कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि को आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में मनाया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह की। उन्होंने कहा कि एकजुट होकर देश से आतंकवाद खत्म करना है। कांग्रेसियों ने सर्वप्रथम राजीव गांधी की तस्वीर पर माल्यार्पण किया और श्रद्धांजलि दी। उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया। इसके बाद आतंकवाद विरोधी दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। मौके पर संतोष कुमार सिंह ने कहा कि 1991 में आज ही के दिन पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी। आतंकवाद विरोधी दिवस मनाने के पीछे का उद्देश्य लोगों को आतंकवाद और हिंसा से दूर रखना है। यह दिन आतंकवाद को खत्म करने और शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डालता है। आतंकवाद सिर्फ एक शब्द नहीं यह मानवता और विश्व शांति के लिए बड़ा खतरा है। आतंकवाद के खिलाफ देश को एकजुट रहना है। विचार गोष्ठी में योगेंद्र सिंह योगी, नवीन कुमार सिंह, इरफान खान चौधरी, संतोष राय, गुलजार अहमद, अनूप कुमार पांडे, मनोज हाड़ी, डीएन यादव, प्रमोद कुमार यादव, मनोहर दास, अरविंद कुमार सैनी, ऋषिकांत यादव, लाली महतो, मोहम्मद कलीम, रंजीत महतो, मधुसूदन सिंह चौधरी, राजेश्वर सिंह यादव, दिनेश सिंह, नवनीत नीरज, राखल दास आदि उपस्थित थे।

उत्तम का इस्तीफा, विनय बने डीसीए के महासचिव

धनबाद, एजेंसी। जेएससीए के पूर्व कार्यकारिणी सदस्य विनय कुमार सिंह को धनबाद क्रिकेट संघ का नया महासचिव चुना लिया गया। डीसीए की प्रबंध समिति की मीटिंग में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। डीसीए के पूर्व महासचिव उत्तम कुमार विश्वास ने जेएससीए के चुनाव में जिला प्रतिनिधि के रूप में निर्वाचित होने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया। जेएससीए के नियम के अनुसार निर्वाचित सदस्य जिले में कोई पद पर नहीं रह सकता है। उनकी जगह पर विनय सिंह को नया महासचिव चुना गया। धनबाद क्रिकेट संघ की मैनेजिंग कमेटी की बैठक में उत्तम कुमार विश्वास को कार्यकाल में अच्छे कार्य करने के लिए धन्यवाद और बधाई दी गई। उत्तम विश्वास ने डीसीए को हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि शाहबाज नदीम और वे धनबाद के लिए ज्यादा से ज्यादा सुविधा उपलब्ध कराने में प्रयास करेंगे। उन्होंने सहयोग के लिए सभी का धन्यवाद किया। महासचिव विनय कुमार सिंह को क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मनोज कुमार, साधवेंद्र सिंह, जावेद इकबाल खान, गुरमीत सिंह डांग, रविजीत सिंह डांग, ललित जगनानी, डॉ राजशेखर सिंह, दिवेन तिवारी, बीएच खान, सुनील कुमार, संजीव राणा, द्वारका तिवारी, संजय कुमार, राजन सिन्हा, धर्मेंद्र कुमार और अभिजीत घोष ने बधाई दी।

प्रदेश में 7 जून तक मानसून की एंट्री, रांची में 27 मई तक हर दिन बारिश

रांची, एजेंसी। झारखंड में हो रहे बेमौसम बारिश से लोगों का राहत तो मिल रही है, लेकिन जानमाल का भी नुकसान हो रहा है। बुधवार को हुए बारिश और इस दौरान गिरे आकाशीय बिजली ने दो लोगों की जान ले ली। मौसम विभाग ने राज्य के 8 जिले में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वहीं राजधानी रांची में दोपहर बाद मौसम बदलने की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने आज देवघर, गिरिडीह, जामताड़ा, धनबाद, हजारीबाग, कोडरमा और रांची के कुछ हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार आज कई इलाकों में आंधी के साथ वज्रपात और बारिश होने की संभावना है।

7 जून तक मानसून की एंट्री संभव : वज्रपात की घटनाओं के बीच मौसम विभाग ने मानसून के प्रवेश को लेकर बड़ी घोषणा की है। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि इस बार झारखंड में मानसून अच्छा रहेगा। केरल में 25 से 27 मई के बीच मानसून प्रवेश करेगा। झारखंड में 7 जून को आने की संभावना है। एक सप्ताह के अंदर पूरे राज्य में मानसून छा जाएगा। वहीं प्रदेश में बारिश की संभावनाओं को लेकर बताया कि आज तो बारिश होने के आसार है ही। 23 मई को 40 से 50 किमी की रफ्तार से तेज हवा चलने और वज्रपात की संभावना है। 25 मई को मध्यम दर्जे की बारिश के साथ वज्रपात हो सकती है।

26-27 मई को राज्य के कुछ स्थानों पर बारिश की संभावना है। रांची में 27 मई तक हर दिन बारिश हो सकती है। पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे अधिक तापमान 40.3 डिग्री डालटनगंज का दर्ज किया गया।

05 दिनों में वज्रपात से गई 21 की जान : इधर, लगातार हो रही बारिश और इस दौरान हुए वज्रपात की वजह से पिछले पांच दिनों में रांची सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में वज्रपात से लगभग 21 लोगों की जान चली गई। वहीं लगभग 31 लोग जख्मी हो गए। मरने वालों की संख्या इससे भी अधिक है। क्योंकि, सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के कई मामले सामने नहीं आते। इससे बचने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। मौसम विभाग की चेतावनी को नजरअंदाज न करें। बारिश के समय खुले स्थान पर जाने से बचें। ऊंचे या नुकीले स्थानों से दूर रहें, बारिश से बचने के लिए पेड़ के नीचे खड़ा न हों। बारिश और वज्रपात के समय बिजली के खंभे, पानी, बिजली तार या किसी धातु से बनी वस्तुओं से दूर रहें। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद की मानें तो राज्य में एक साल में 350 से अधिक लोगों की वज्रपात से मौत हो जाती है।

वज्रपात से मौत पर मुआवजा के लिए आधे लोग भी नहीं पहुंचते : आसमानी बिजली को प्राकृतिक आपदा की श्रेणी में रखा है। इससे होने वाली मौत पर मृतक के परिजनों को चार लाख रुपए मुआवजा दिए जाते हैं। घायल को भी इलाज के लिए पैसे दिए जाते हैं। इसके अलावा घर या मवेशी का नुकसान होता है तो उसके लिए भी मुआवजा तय है। लेकिन झारखंड में वज्रपात की घटना में जान-माल गंवाने वाले सभी परिवार मुआवजा के लिए आवेदन तक नहीं कर पाते। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को इसकी जानकारी भी नहीं है।

धनबाद में बनेगा शिबू-साहेब नेचुरल पार्क, 4.60 एकड़ वन भूमि चिह्नित

बाघमारा, एजेंसी। झारखंड सरकार ने धनबाद के तिलाटांड में शिबू-साहेब नेचुरल पार्क बनाने का निर्णय लिया है। यह पार्क सीएम हेमंत सोरेन के पिता दिशोम गुरु शिबू सोरेन और आंदोलन के दिनों में उनके सहयोगी रहे तिलाटांड़ गांव निवासी स्वर्गीय साहेब राम मांझी के नाम पर बनाया जायेगा।

इस पार्क का निर्माण लगभग 21 एकड़ जमीन पर तिलाटांड़ मौजा में किया जायेगा। सरकार ने इसकी कवायद शुरू कर दी है। यह पार्क फूलों की महक, औषधीय पौधों की शुद्धता और आधुनिक सुविधाओं से सजा होगा। जो न केवल पर्यावरण का संदेश देगा, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और विकास का नया रास्ता भी खोलेगा। इस पार्क में झारखंड के संघर्ष, संस्कृति और सम्मान की झलक दिखायी देगी।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन और आंदोलनकारी साहेबराम मांझी का गहरा नाता रहा है। इस संबंध में झामुमो नेता रतिलाल टुडू ने कहा कि आंदोलन के दिनों में गुरुजी तिलाटांड़ के स्व साहेबराम मांझी के घर रहते थे। उनके साथ मिलकर सामाजिक कार्यों व आंदोलनों की रणनीति बनाते थे। स्व साहेब राम मांझी सोनोत संताल समाज के नेता थे। झामुमो नेता बताया कि पार्क के निर्माण में स्व साहेबराम मांझी की भी जमीन जायेगी, जिस पर उनके पुत्रों ने एनओसी दे दिया है।

पाकुड़ में रेलवे केबल चोरी का भंडाफोड़, कबाड़ दुकान से बरामद हुए चोरी के तार, मालिक हिरासत में

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में तिलभीटा रेलवे स्टेशन के पास एक कबाड़ दुकान में आरपीएफ और सीआईबी टीम ने संयुक्त छापेमारी की। टीम ने चोरी किए गए रेलवे केबल तार बरामद किए। दुकान के मालिक मकबूल शेख को हिरासत में लिया गया है। छापेमारी दल में आरपीएफ से सब इंस्पेक्टर प्रभाकर कुमार चौधरी और सीआईबी से एएसआई पी नारायण शामिल थे। गुप्त सूचना मिली थी कि इस कबाड़ खाने में रेलवे का केबल तार अवैध रूप से खपाया जा रहा है।

छापेमारी टीम को देखते ही वह युवक मौके से फरार हो गया : टीम ने दुकान में छापेमारी के दौरान बोरियों में भरे हुए रेलवे केबल तार बरामद किए। दुकान के सामने सड़क किनारे एक खाली जगह पर केबल तार जलाते हुए एक युवक को देखा गया। छापेमारी टीम को देखते ही वह युवक मौके से फरार हो गया। यह युवक कबाड़ दुकानदार का कर्मचारी बताया जा रहा है। वहीं, टीम तार बेचने वाले मुख्य सरगना की तलाश में जुटी हुई है अधिकारियों ने मकबूल से लंबी पूछताछ की।

उसके जवाबों से संतुष्ट न होने पर कागजी कार्रवाई के बाद उसे हिरासत में ले लिया गया। आरपीएफ सब इंस्पेक्टर प्रभाकर कुमार चौधरी ने बताया कि पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। सीआईबी अधिकारी पी नारायण ने पुष्टि की कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। क्षेत्र में हाल के दिनों में कबाड़ की दुकानों की संख्या में काफी वृद्धि देखी गई है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद पाकिस्तान पर जमकर बरसे चंपई सोरेन

राजनगर, एजेंसी। राजनगर में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी की ओर से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता व भारतीय सेना के शौर्य के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा की अगुवाई पूर्व मुख्यमंत्री व स्थानीय विधायक चंपई सोरेन ने किया।

तिरंगा यात्रा सहदेव चौके से रामदू चौक तक निकाली गई। इस दौरान वीर शहीद सिदो कान्हू की प्रतिमा पर चंपई सोरेन ने माल्यार्पण किया। यात्रा में हजारों की संख्या में तिरंगा झंडा थामे महिला पुरुष शामिल हुए। इस दौरान भारतीय सेना जिंदाबाद, पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए।

चंपई ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तान पोषित आतंकवादियों ने जिस तरह से कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों का धर्म पूछ कर निर्मम हत्या की थी। उससे देश की 140 करोड़ जनता में भारी आक्रोश था।

पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुशल नेतृत्व एवं भारतीय सेना के अचूक रणनीति से ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा। भारतीय सेना ने आतंकवादियों के ठिकाने व पाकिस्तान की एयरबेस को तहस-नहस कर दिया, जिससे पाकिस्तान घुटनों पर आ गया और युद्ध विराम के लिए गिड़गिड़ाया।

ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को ऐसा जख्म दिया कि उनकी तीन पीढ़ी तक भारत की इस कार्रवाई को याद रखेंगी। चंपई सोरेन ने इसके लिए पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व व भारतीय सेना के शौर्य को सैल्यूट किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पहलगाम में अपने सिंदूर को खोने वाली महिलाओं को गर्व करने का क्षण दिया। यह सब भारत के ओजस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के कुशल नेतृत्व में ही संभव हो पाया।

तिरंगा यात्रा के दौरान हाता चाईबासा मुख्य मार्ग व सरायकेला राजनगर मार्ग पर काफी देर तक जाम की स्थिति देखी गई। कार्यक्रम को लेकर पुलिस की तैयारी नाकाफी देखी गई।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के बाद भी पर्याप्त संख्या में पुलिस बल नहीं थी। जिससे लोगों को काफी देर तक जाम में फंसते देखा गया। तिरंगा यात्रा में सिमल सोरेन, बबलू सोरेन, जिप सदस्य मालती देवगम, छायाकांत गोराई सहित हजारों की संख्या में महिला पुरुष शामिल थे।

आईआईएम रांची को लेकर सामने आई नई जानकारी, जल्द ही बदल जाएगा बहुत कुछ, छात्रों के लिए लिया गया अहम फैसला

शोधार्थी समेत प्रबंधन क्षेत्र के एक्सपर्ट अपने शोध कार्य को बढ़ावा दे सकेंगे। इस पूरी प्रक्रिया में सीपीडब्ल्यूडी सहयोग करेगी

रांची, एजेंसी। जल्द ही आईआईएम रांची का परिसर नए स्वरूप और नए कलेवर के साथ नजर आएगा। विभिन्न कार्ययोजनाओं को ले आईआईएम रांची और सेंट्रल पब्लिक वर्क डिपार्टमेंट के बीच एमओयू हुआ है।

एमओयू के तहत सीपीडब्ल्यूडी आईआईएम रांची के मौजूदा परिसर के रखरखाव के साथ द्वितीय चरण के निर्माण कार्य को पूरा किया जाएगा।

संस्थान के मौजूदा परिसर की आधारभूत संरचना को विकसित किया जाएगा। द्वितीय चरण के निर्माण कार्य के तहत जल्द ही विद्यार्थियों के अनुपात में नया हास्टल बनाया जाएगा ताकि संस्थान में पढ़ने वाले 1200 विद्यार्थी बेहतर शैक्षणिक परिवेश के साथ आरामदायक आश्रय का अनुभव ले सकेंगे।

द्वितीय चरण के निर्माण कार्य के दौरान ही कैंपस में स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स का भी निर्माण होगा। इसमें विद्यार्थियों के लिए स्विमिंग पूल, बास्केटबाल, वालीबाल, लांग टेनिस, बैडमिंटन कोर्ट, स्क्वैश और क्रिकेट व फुटबाल स्टेडियम को आकार दिया जाएगा। बता दें कि आईआईएम रांची प्रबंधन संस्थान के अंतरराष्ट्रीयकरण पर जोर दे रहा है।

इस संबंध में आईआईएम रांची के निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आईआईएम रांची में पठन पाठन के साथ साथ बेहतर अनुभव देने को गति दी जा रही है।

यही नहीं इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल इंपार्टेंस होने के नाते आईआईएम रांची प्रबंधन क्षेत्र में लगातार शैक्षणिक विकास और शोध कार्य को बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए अब संस्थान में मैनेजमेंट डेवलपमेंट सेंटर का भी निर्माण होना है।

जहां संस्थान के प्राध्यापक, शोधार्थी समेत प्रबंधन क्षेत्र के एक्सपर्ट अपने शोध कार्य को बढ़ावा दे सकेंगे। इस पूरी प्रक्रिया में सीपीडब्ल्यूडी सहयोग करेगी।वहीं सीपीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर एमपी सिंह ने कहा कि सीपीडब्ल्यूडी देशभर के कई शैक्षणिक संस्थानों को विकसित कर चुकी है। आईआईएम रांची के साथ भी संस्था का पुराना संबंध रहा है।नई जिम्मेवारियों का लक्ष्य तय कर लिया गया है। द्वितीय चरण की आधारभूत संरचना को तय समय पर पूरा करने का काम किया जाएगा। जिससे आईआईएम रांची को इस क्षेत्र के श्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थान के रूप में पहचान मिलेगी।

सरकार का नया नियम, अब क्यूआर कोड के बिना नहीं बिकेंगी ये दवाए

रांची, एजेंसी। झारखंड में नकली दवा के कारोबार पर लगाम लगाने के लिए स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि राज्य में दर्द निवारक, विटामिन सप्लीमेंट्स, डायबिटीज कंट्रोल की दवाएं, गर्भनिरोधक गोलियां और एंटीप्लेटलेट, थायरॉयड, एंटी एलर्जी व अन्य दवाएं बिना क्यूआर कोड के नहीं बेची जाएंगी। क्यूआर कोड स्कैन करने पर दवा से संबंधित मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस, बैच नंबर जैसी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की जा सकती है। क्यूआर कोड ही नकली और असली दवा के बीच की दीवार बनेगा।

दवा दुकानदारों को अंतिम चेतावनी देते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कोई भी दुकान यदि बिना रजिस्ट्रेशन के संचालित मिली तो सील करते हुए लाइसेंस रद्द किया जाएगा। बता दें कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने एक अगस्त 2023 से 300 प्रकार की दवाओं पर बारकोड या क्यूआर कोड अनिवार्य कर दिया है। कोड को स्मार्ट फोन से स्कैन कर दवा की पूरी जानकारी ले सकते हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि जो अधिकारी एक ही जगह पर वर्षों से जमे हैं, वह व्यवस्था को सड़ा रहे हैं। अब उनका तबादला होगा। जो भी अधिकारी एक ही जगह पर तीन साल या उससे अधिक समय से एक जगह पर जमे हैं, वह मिलीभगत कर भ्रष्टाचार बढ़ा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग में अब भ्रष्टाचार की कोई जगह नहीं है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि दवाओं की गुणवत्ता की जांच के लिए दुमका, जमशेदपुर और पलामू में ड्रग टेस्टिंग लैब की स्थापना की जाएगी। साथ ही खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच करने के लिए उक्त जिलों में खाद्य जांच प्रयोगशाला भी बनाई जाएगी।

विधायक श्वेता सिंह केस-चीफ इलेक्शन ऑफिसर से मिले बीजेपी नेता

रांची, एजेंसी। बोकारो विधायक श्वेता सिंह पर लगाए गए आरोपों को लेकर राज्य का सियासी पारा चढ़ा हुआ है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का एक प्रतिनिधिमंडल राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) से मिला और बोकारो की कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह के खिलाफ एक ज्ञापन सौंपा। भाजपा ने आरोप लगाया कि श्वेता सिंह ने 2019 विधानसभा चुनाव में नामांकन दाखिल करते समय शपथ पत्र में कई अहम जानकारियां छुपाई थीं, जो जनप्रतिनिधित्व अधिनियम का उल्लंघन है।

ज्ञापन में भाजपा ने आरोप लगाया है कि श्वेता सिंह ने नामांकन पत्र भरते समय बीएसएल द्वारा आवंटित आवास का नो ड्यूज सर्टिफिकेट नहीं संलग्न किया। इसके बावजूद उन्होंने शपथ पत्र में गलत जानकारी देते हुए सरकारी बकाया वाले कॉलम में 'एनए' यानी नॉट एप्लिकेबल लिखा। जबकि हकीकत यह है कि उनके ऊपर वर्ष 2022 से ही बीएसएल आवास का बकाया बकाया है।

चार वोटर आईडी कार्ड और दो पैन की कही बात : इसके अलावा भाजपा का आरोप है कि श्वेता सिंह के पास चार वोटर आईडी कार्ड और दो पैन कार्ड हैं। प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग को इन सभी दस्तावेजों की जानकारी भी उपलब्ध कराई है। प्रतिनिधिमंडल में शामिल भाजपा नेताओं ने मांग की कि इन सभी मामलों की उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए ताकि सत्य सामने आ सके। उन्होंने कहा कि यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो चुनाव आयोग को श्वेता सिंह की सदस्यता रद्द करनी चाहिए।

प्रतिनिधिमंडल में राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण, सरोज सिंह, सुधीर श्रीवास्तव और अशोक बड़ाईक शामिल थे। उन्होंने बताया कि इस मामले को पहले ही राजभवन को सूचित किया जा चुका है और वहां से इसे मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को भेजा गया है।

श्वेता सिंह का पलटवार - मैं बिल्कुल सही हूं, ये लोग व्याकुल हैं : भाजपा के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए बोकारो की विधायक श्वेता सिंह ने कहा कि भाजपा नेता अज्ञानता के कारण व्याकुल होकर इधर-उधर दौड़ लगा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे पूरी तरह से सही हैं और चुनाव आयोग को सभी जरूरी और सही जानकारी पहले ही दे चुकी हैं। श्वेता सिंह ने कहा मैं वही पैन कार्ड उपयोग करती हूं जो आधार से लिंक है। जहां तक वोटर आईडी का सवाल है, स्थान बदलने के बाद नया वोटर कार्ड बनता है। पुराने को निरस्त करने के लिए मैंने आवेदन पहले ही दे रखा है। अगर वह रद्द नहीं हुआ है तो यह संबंधित चुनाव पदाधिकारी (आरओ) का मामला है, इसमें मेरी कोई गलती नहीं है।

छोटे भाई को पेट्रोल छिड़ककर जला डाला था, गिरीडीह में कोर्ट ने सुनाई सख्त सजा

रांची, एजेंसी। सगे भाई की हत्या के दोषी को आजीवन कारावास एवं दस हजार रुपये अर्थ दंड से दंडित किया गया है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ हरिओम कुमार की अदालत ने बुधवार को सरिया थाना क्षेत्र के कोयरीडीह निवासी अजय राम को यह दंड दिया है। अदालत ने अजय को अपने सगे छोटे भाई विजय राम को पेट्रोल छिड़कर जलाकर हत्या करने का दोषी पाये जाने पर दंडित किया है। इसके पूर्व अदालत में सजा के बिंदुओं पर सुनवाई शुरू हुई। बचाव पक्ष के अधिवक्ता अजय कुमार सिन्हा ने न्यूनतम सजा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि अजय राम पर पहले से कोई आपराधिक मुक़दमा नहीं है। वहीं पीपी अशोक कुमार ने कहा कि यह एक जघन्य हत्या है। सगे भाई ने छोटी बात को लेकर घटना को अंजाम दिया था। न्यायालय ने दोनों पक्षों के दलीलें सुनने के बाद दोषी को दंडित किया। यह घटना सरिया थाना क्षेत्र के कोयरीडीह गांव की है। 20 सितंबर 2023 को यह घटना घटी थी।

इस मामले की प्राथमिकी मृतक विजय राम की पत्नी की शिकायत पर सरिया थाना में दर्ज की गई थी। दर्ज प्राथमिकी में कहा गया था कि उसके पति विजय राम और अभियुक्त अजय राम सगे भाई थे। दोनों ने मिलकर व्यवसाय शुरू किया था। दोनों की शादी हो जाने के बाद घर और व्यवसाय में बंटवारा हुआ। दोनों की दुकान अगल-बगल है। घटना के दिन 20 सितंबर 2023 को ग्राहक पेट्रोल लेने उसकी दुकान पर आया था।

इस दौरान अजय दुकान पर आने से ग्राहक को रोकने का बहाना बनाकर विजय राम से झगड़ा करने लगा और अपनी पत्नी ज्योति देवी के साथ मिलकर उसके पति विजय राम पर बोतल से पेट्रोल डालकर आग लगा दिया जिससे वह पूरी तरह झुलस गया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस मामले में ज्योति देवी लंबे समय से तक फरार रही। हालांकि 18 मई 2025 को सरिया पुलिस ने पचंबा थाना क्षेत्र में छापामारी कर ज्योति को उसके मायके से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

सुभाषितम्

थोड़े दिन रहने वाली विपत्ति अच्छी है क्यों कि उसी से मित्र और शत्रु की पहचान होती है। - रहीम

केंद्र की फंडिंग रोकने पर तमिलनाडु सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची

तमिलनाडु सरकार ने केंद्र सरकार द्वारा फंडिंग रोकने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। तमिलनाडु सरकार का सुप्रीम कोर्ट जाना, भारत के संघीय ढांचे के अस्तित्व पर एक अहम सवाल खड़ा करता है। यह विवाद केवल आर्थिक संसाधनों के वितरण का नहीं है। इससे कहीं अधिक संवैधानिक अधिकारों, राज्यों की स्वायत्तता और केंद्र-राज्य संबंधों को लेकर एक बड़ा विवाद है। तमिलनाडु सरकार का आरोप है, समग्र शिक्षा योजना के अंतर्गत तमिलनाडु को 291.30 करोड़ की राशि मिलनी थी। जिसे केंद्र सरकार ने रोक लिया है। तमिलनाडु राज्य ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (नेप-2020) और पीएम श्री योजना को लागू नहीं किया है। तमिलनाडु सरकार ने केंद्र सरकार के इस निर्णय के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में यह मामला अनुच्छेद 131 के तहत दाखिल किया है, जो दशार्ता है, यह केवल वित्तीय अड़चन नहीं, बल्कि केंद्र एवं राज्य के बीच एक संवैधानिक संकट बन चुका है। यह पहली बार नहीं है, जब किसी राज्य को केंद्र सरकार द्वारा फंडिंग में कटौती या देरी का सामना करना पड़ा हो। पहले भी पश्चिम बंगाल, पंजाब, दिल्ली और हिमाचल जैसे राज्यों ने इसी प्रकार की शिकायतें की हैं। सवाल यह है, क्या केंद्र सरकार अपने नीतिगत कार्यक्रमों को लागू कराने के लिए राज्यों पर वित्तीय दबाव डाल सकती है? क्या यह भारत के संघीय ताने-बाने को राजनीतिक हितों की पूर्ति करने के लिए केंद्र सरकार राज्यों के साथ इस तरह की कार्रवाई कर रही है। संविधान में स्पष्ट है, शिक्षा केंद्र एवं राज्य सरकार की समवर्ती सूची का विषय है, जिसमें केंद्र और राज्य दोनों की भूमिका अहम है। यदि कोई राज्य किसी नीति से असहमति रखता है। ऐसी स्थिति में उसे फंडिंग से वंचित करना संविधान के मूलभूत ढांचे के खिलाफ है। सहयोगात्मक संघवाद की परिकल्पना केवल भाषणों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उसे व्यवहार में भी उतारना केंद्र एवं राज्य सरकार दोनों के लिए ही आवश्यक है। तमिलनाडु सरकार का सुप्रीम कोर्ट जाना केवल एक राज्य के संघर्ष का मामला नहीं है। उन सभी राज्यों के लिए एक संदेश है जो अभी तक केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों के हितों के खिलाफ जो निर्णय किए जा रहे हैं, उसके विरोध में न्याय की गुहार लगाने कोर्ट नहीं पहुंचे थे। केंद्र सरकार के लिए यह एक चेतावनी है। केंद्र सरकार अपनी नीतियों और प्राथमिकताओं के अनुसार राज्यों पर शासन करना चाहती है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच दूरियां पैदा करने वाला होगा। तमिलनाडु की याचिका पर न्यायालय का फैसला केंद्र-राज्य संबंधों को पारदर्शी और संतुलित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम भी हो सकता है या अन्य नए विवाद भी खड़ा कर सकता है। तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा राज्यपाल और राष्ट्रपति की समय सीमा निर्धारित करने के बाद जिस तरह से यह विवाद तूल पकड़ता जा रहा है इसी तरह के कई अन्य विवाद भी केंद्र एवं राज्यों के बीच खड़े हो सकते हैं। भारतीय लोकतंत्र की ताकत संघीय शासन की विविधता और विकेंद्रीकरण में निहित है। आवश्यक है, केंद्र सरकार शक्ति के केंद्रीकरण की बजाय राज्यों को विश्वास में लेकर भागीदार बनाए। राज्य सरकारें केंद्र के अधीनस्थ नही हैं। केंद्र एवं राज्य दोनों ही निर्वाचित सरकारें हैं। तभी भारत एक मजबूत और न्यायसंगत राष्ट्र है। पिछले एक दशक में केंद्र एवं राज्यों के बीच जिस तरह के विवाद देखने को मिल रहे हैं, केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त राज्यपाल निर्वाचित राज्य सरकार के ऊपर जिस तरह का अंकुश लगा रहे हैं, उसे लेकर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सुप्रीम कोर्ट तक लड़ाई लड़ चुके हैं। उनके पक्ष में फैसला आया था, लेकिन दिल्ली केंद्र शासित राज्य की तरह था केंद्र सरकार ने अध्यादेश जारी कर उपराज्यपाल के अधिकारों को ज्यादा प्रभावी बना दिया था। लेकिन अब जिन राज्यों के साथ विवाद खुलकर सामने आ रहे हैं यह पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त किए हुए हैं। संविधान में इन्हें विशेष अधिकार प्राप्त हैं। केंद्र सरकार यदि इन्हें अपने अधीनस्थ मानकर व्यवहार करेगी तो ऐसी स्थिति में भारत का संघवाद जो राष्ट्रीय एकता और अखंडता का प्रतीक बना हुआ है, इसे ज्यादा दिन तक एकजुट नहीं रखा जा सकेगा। भारत एक ऐसा देश है जहां कई धर्म, कई भाषाओं, विभिन्न खान-पान, विभिन्न संस्कृति के साथ एकजुट होकर पिछले 75 वर्षों से संविधान के अनुसार काम करता रहा है।

चिंतन-मनन

संकल्प और साहस

खेल की कक्षा शुरू हुई तो एक दुबली-पतली अपंग लड़की किसी तरह अपनी जगह से उठी। वह खेलों के प्रति जिज्ञासा प्रकट करते हुए शिक्षक से ओलिंपिक रेकॉर्ड्र्स के बारे में सवाल पूछने लगी। इस पर सभी छात्र हंस पड़े। शिक्षक ने भी व्यंग्य किया- तुम खेलों के बारे में जानकर क्या करोगी। अपने ऊपर कभी नजर डाली है? तुम तो ठीक से खड़ी भी नहीं हो सकती, फिर ओलिंपिक से तुम्हें क्या मतलब है? तुम्हें कौन सा खेलना है जो यह सब जानोगी। चुपचाप बैठकर सुनो। रुआंसी लड़की कुछ कह न सकी। सारी क्लास उस पर हंसती रही। अगले दिन जब खेल पीरियड में उसे बाकी बच्चों से अलग बिठाया गया तो उसने कुछ सोचकर बैसाखियां संभालीं और दृढ़ निश्चय के साथ बोली- सर याद रखिएगा। अगर लगन सच्ची हो और इरादे बुलंद हों तो सब कुछ संभव है। आप देखना एक दिन यही लड़की हवा से बातें करके दिखाएगी। उसकी इस बात से भी ठहाका गूंज उठा। सबने इसे मजाक के रूप में लिया। लेकिन वह लड़की तेज चलने के अभ्यास में जुट गई। वह अच्छी और पौष्टिक खुराक लेने लगी, फिर वह कुछ दिनों में दौड़ने भी लगी। कुछ दिनों के बाद उसने छोटी-मोटी दौड़ में भाग लेना भी शुरू कर दिया। उसे दौड़ते देख लोग दांतों तले उंगली दबा लेते थे। फिर कई लोग उसकी मदद को आगे आए। सबने उसका उत्साह बढ़ाया। उसके हौसले बुलंद होने लगे। फिर उसने 1960 के ओलिंपिक में हिस्सा लिया और तीन स्वर्ण पदक जीतकर सबको हतप्रभ कर दिया।

दैनिक पंचांग

23 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति	
सूर्य	वृष में
चंद्र	मीन में
मंगल	कर्क में
बुध	मेष में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मीन में
शनि	मीन में
राहु	मीन में
केतु	कन्या में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मिथुन	06.49 बजे से
कर्क	09.02 बजे से
सिंह	11.18 बजे से
कन्या	13.30 बजे से
तुला	15.41 बजे से
वृश्चिक	17.55 ब.से
धनु	20.11 बजे से
मकर	22.17 बजे से
कुंभ	00.03 बजे से
मीन	01.36 बजे से
मेष	03.06 बजे से
वृष	04.47 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 143 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 22.30 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 16.02 बजे को समाप्त। **योग** प्रीति 18.36 बजे को समाप्त। **करण** बव 11.55 बजे तदनन्तर बालव 22.30 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 20° 35' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872353 **जूलियन दिन** 2460818.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्काद **तारीख** 24 **विशेष** अपरा एकादशी।

दिन का चौघड़िया				
चर	05.55	से	07.23	बजे तक
लाभ	07.23	से	08.51	बजे तक
अमृत	08.51	से	10.19	बजे तक
काल	10.19	से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47	से	01.15	बजे तक
रोग	01.15	से	02.43	बजे तक
उद्वेग	02.43	से	04.10	बजे तक
चर	04.10	से	05.38	बजे तक

रात का चौघड़िया				
रोग	05.38	से	07.1	बजे तक
काल	07.11	से	08.43	बजे तक
लाभ	08.43	से	10.15	बजे तक
उद्वेग	10.15	से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47	से	01.19	बजे तक
अमृत	01.19	से	02.51	बजे तक
चर	02.51	से	04.23	बजे तक
रोग	04.23	से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

जासूसी होती रही, सिस्टम सोता रहा: सुरक्षा की चादर में छेद

- प्रियंका सौरभ

हरियाणा के कई जिलों में संदिग्ध व्यक्तियों ने पाकिस्तान जाकर महीनों बिताए, सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कीं, फिर भी भारतीय खुफिया एजेंसियों को भनक तक नहीं लगी। ज्योति और तारिफ जैसे लोग फर्जी पहचान से पासपोर्ट बनवाकर सीमा पार पहुंचे, पाकिस्तानी अधिकारियों से मिले, और बेधड़क लौट आए। यह मामला न सिर्फ इंटेलिजेंस विफलता को उजागर करता है, बल्कि हमारे साइबर निगरानी तंत्र और पासपोर्ट वेरिफिकेशन की कमजोरी को भी सामने लाता है। जब सोशल मीडिया पर जासूसी खुलेआम हो रही हो, तब खामोश एजेंसियाँ देश की सुरक्षा को संकट में डाल रही हैं।

आज जब भारत चंद्रयान-3 की सफलताओं, डिजिटल इंडिया की उड़ानों और वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास के साथ खड़ा है, तब एक छोटी सी खबर राष्ट्रीय सुरक्षा की नींव हिला देने वाली बन जाती है। अमर उजाला की रिपोर्ट के अनुसार, हरियाणा के अलग-अलग जिलों में संदिग्ध जासूसी गतिविधियाँ होती रहीं, संदिग्ध व्यक्ति पाकिस्तान भी गए, महीनों तक वहां रहे, सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कीं—पर खुफिया एजेंसियों को भनक तक नहीं लगी। अगर यह खतरनाक लापरवाही नहीं तो और क्या है? चंडीगढ़, अंबाला, हिसार, यमुनानगर और पंचकूला जैसे संवेदनशील जिलों में संदिग्ध लोगों की गतिविधियाँ चलती रहीं। ज्योति और तारिफ जैसे व्यक्तियों के पास तीन-तीन नाम थे, वे पाकिस्तान गए, सोशल मीडिया पर तस्वीरें डालते रहे, वहां के अधिकारियों से मिले, लेकिन भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की नींद नहीं टूटी। यह सिर्फ एक केस नहीं, यह उस सिस्टम पर सवाल है जो कागजों में तो मजबूत दिखता है लेकिन जमीनी हकीकत में खामोश रहता है।

क्या यह माना जाए कि आज सोशल मीडिया के दौर में भी हमारी एजेंसियाँ उन गतिविधियों को पकड़ नहीं पातीं जो खुल्लम खुल्ला हो रही हैं? क्या सिर्फ पासपोर्ट वीजा की जांच पर्याप्त है? और अगर ये लोग सीमा पार गए, पाकिस्तान में पार्टी की, अधिकारियों से मिले और फिर बेधड़क लौट आए, तो यह घटना इंटेलिजेंस की असफलता नहीं तो क्या है?

आज ज्योति जैसी महिला पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद से लेकर मुर्री हिल स्टेशन तक की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रही। उसके पोस्ट पर पाकिस्तानी हैंडल से तारीफें आती रहीं। क्या किसी खुफिया एजेंसी ने एक बार भी उसका साइबर प्रोफाइल देखा? क्या अब सोशल मीडिया खुफिया जानकारी का स्रोत नहीं रहा?

जिस युग में हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा की बात करते हैं, उसी युग में एक संदिग्ध महीनों तक पाकिस्तान में रहकर तस्वीरें डालती है और एजेंसियों को पता नहीं चलता, तो यह उस साइबर सुरक्षा के दावों की पोल खोल देता है।

जासूसी कोई नई चीज नहीं है। यह तो हमेशा से राष्ट्रों के बीच छाया युद्ध का हिस्सा रही है। लेकिन आज जब टेक्नोलॉजी इतनी उन्नत हो चुकी है कि एक मोबाइल लोकेशन से भी सारा इतिहास खोजा जा सकता है, तब किसी संदिग्ध का पाकिस्तान जाना, वहां रुकना, अधिकारियों से मिलना और फिर भारत लौट आना—यह दशार्ता है कि हमारी आंतरिक निगरानी प्रणाली में गंभीर खामियाँ हैं।

पाकिस्तान जैसे देश के संदर्भ में, जहाँ से आतंकवाद और खुफिया नेटवर्क चलाए जाते हैं, वहाँ किसी भी भारतीय नागरिक की उपस्थिति तत्काल संदेह का विषय होनी चाहिए। यदि ज्योति, तारिफ और उनके जैसे लोग बिना निगरानी के वहां रहे और लौटे, तो यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरे की घंटी है। रिपोर्ट कहती है कि इंटेलिजेंस फेल्योर नहीं, सबका आने-जाने की आजादी है। लेकिन यह तर्क उस समय खोखला लगता है जब वही आजादी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन जाए। हां, भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जहां नागरिकों को व्यक्तिगत स्वतंत्रता है, लेकिन जब यह स्वतंत्रता देशद्रोही ताकतों के हाथों में हथियार बन जाए, तब सिस्टम को आंखें मूंदकर सोना नहीं चाहिए।

ये वही सिस्टम है जो आम नागरिक को छोटी सी गलती पर देशद्रोह के तहत जेल में डाल देता है, लेकिन वहीं कोई महीनों तक पाकिस्तान जाकर लौट आए तो उसे पकड़ना मुश्किल है जैसे बयान दिए जाते हैं। क्या यह दोहरा मापदंड नहीं?

हरियाणा जैसे राज्य में, जहां सेना में भर्ती के लिए लाखों युवा लाइन में खड़े रहते हैं, वहीं अगर वहीं की जमीन पर जासूसी के लिए संदिग्ध घूमते रहें, तो स्थानीय पुलिस और खुफिया तंत्र की क्या भूमिका रही? क्या थानों को सूचनाएं नहीं मिलीं? क्या पासपोर्ट की वेरिफिकेशन प्रक्रिया में कोई लापरवाही नहीं हुई?

गौरतलब है कि ये संदिग्ध दिल्ली, काशी, असम और हरियाणा के विभिन्न हिस्सों में ठहरे। रिपोर्ट में उल्लेख है कि ज्योति ने वाराणसी में 12 काशी बनाए थे यानी फर्जी पहचान पत्रों और दस्तावेजों की पूरी श्रृंखला। यह दिखाता है कि ये कोई सामान्य पर्यटक नहीं, बल्कि एक संगठित नेटवर्क के हिस्से थे। जब भी किसी एक्टर या क्रिकेटर की निजी ज़िंदगी पर कोई खबर आती है, तो मीडिया दिन-रात उसी पर बहस करता है। लेकिन जब मामला देश की सुरक्षा से जुड़ा हो, तब वही मीडिया प्रेस रिलीज के भरोसे रहता है। न कोई डिबेट, न कोई रिपोर्टिंग, न कोई संसदीय प्रश्न।

राजनीतिक दलों की बात करें तो सत्ता और विपक्ष दोनों इस पर खामोश हैं। ना गृहमंत्री कोई बयान देते हैं, ना संसद में कोई चर्चा होती है। क्या यह चुप्पी इस बात का संकेत नहीं कि या तो उन्हें खुद समझ नहीं, या वे अपनी एजेंसियों की नाकामी छिपा रहे हैं?

1. साइबर इंटेलिजेंस को मजबूत करें झ सोशल मीडिया पर साझा की गई गतिविधियों पर निगरानी के लिए समर्पित टीमें बनाई जाएं।
2. आंतरिक निगरानी तंत्र का विकेंद्रीकरण हर जिले में स्थानीय इंटेलिजेंस टीम हो जो संदिग्धों की पहचान और ट्रैकिंग करे।
3. फर्जी पहचान की जांच के लिए राष्ट्रीय रजिस्ट्री जैसे दस्तावेजों की एकीकृत जांच प्रणाली विकसित की जाए।
4. राजनीतिक जवाबदेही तय हो झ अगर सुरक्षा चूक होती है, तो जवाबदेह अफसरों पर कार्यवाही हो।
5. राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर मीडिया को निष्पक्ष, सक्रिय और खोजी रुख अपनाना चाहिए।

भीतर के दुश्मनों के खिलाफ सख्ती-चौकसी बढ़ानी होगी

- ललित गर्ग

पाकिस्तान भारत के अनेक लालची, शानोशौकत के आकांक्षी, देशद्रोही एवं देश के दुश्मन लोगों का इस्तेमाल भारत के खिलाफ प्रचार और जासूसी गतिविधियों के लिए कर रहा था। ऐसे ही कुछ देश विरोधी तत्वों का पदार्फाश होना चौंकाता भी है एवं चिन्ता में भी डालता है। ऐसे ही तत्वों में एक नाम है ज्योति मल्होत्रा, उस पर आरोप है कि वह न केवल सोशल मीडिया पर पाकिस्तान की सकारात्मक छवि पेश कर रही थी, बल्कि उसने पाक खुफिया एजेंसी के एजेंटों से भारत से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां भी साझा कर रही थीं, जिनमें ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी गोपनीय जानकारियां भी थीं। वह एक खुफिया एजेंट के रूप में सीमा पार से चलाए जा रहे नेटवर्क का हिस्सा थी। देश की सुरक्षा एजेंसियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भारत की मिट्टी पर छिपे गद्दार कितनी भी चालाकी से छिप जाएं, वे कानून की नजरों से नहीं बच सकते। उम्मीद है कि पूछताछ में ऐसे सबूत मिल सकते हैं जो भारत के खिलाफ बड़ी साजिशों का खुलासा कर सके। ह्यऑपरेशन ह्यसिंदूरह्न ने न सिर्फ सरहद पार बैठे दुश्मनों की नींद हराम कर दी है, बल्कि देश के भीतर बैठे गुप्त गद्दारों की भी कमर तोड़ दी है। हाल ही में लगातार ऐसे अनेक राष्ट्र-विरोधी जासूसों की गिरफ्तारी ने जता दिया कि भारत हर मोर्चे पर देश की सुरक्षा एवं संरक्षा के लिये प्रतिबद्ध है। ये गिरफ्तारियां अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण एवं यह भी पाक की एक करारी हार ही है।

पाक के लिए जासूसी करने के आरोप में हरियाणा के हिसार की यूट्यूबर और ट्रैवल ब्लॉगर ज्योति मल्होत्रा समेत छह लोगों की खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के आधार पर की गयी गिरफ्तारी भारत की सतर्कता एवं सावधानी को तो दशार्ती ही है, इससे यह भी स्पष्ट होता है कि इस चुनौती भरे समय में भीतर के दुश्मनों की शिनाख्त एवं उनकी धडपकड़ कितनी जरूरी है। ह्यट्रैवल विद जोह्ल नाम से यू-ट्यूब चैनल चलाने वाली ज्योति पर आरोप है कि वह पाक के कई उच्च अधिकारियों के संपर्क में थी और भारत से जुड़ी गुप्त सूचनाएं पाक तक पहुंचाती थी। पता यह भी चला है कि पाक यात्रा के दौरान उसकी मुलाकात पाक उच्चायोग के एक कर्मचारी दानिश से हुई, जिसके माध्यम से उसकी पहचान आइएसआइ के एजेंटों से हुई। ज्योति इन एजेंटों के साथ व्हाट्सएप, टेलीग्राम और स्नैपचौट के जरिये संपर्क में थी। कहते हैं कि उसने एक पाक खुफिया अधिकारी के साथ गहरे संबंध बनाये और उसके साथ बाली भी गयी थी। ज्योति एवं उसके सहयोगी बेखौफ भारत की अति-संवेदनशील एवं गोपनीय सूचनाओं को पाक से साझा करते हुए देश को नुकसान पहुंचा रहे थे। ये सभी आम नागरिकों की तरह जिंदगी जी रहे थे, लेकिन इनके इरादे राष्ट्रविरोधी थे। देश की कीमत पर सारे राष्ट्र-मूल्यों एवं निष्ठाओं को ताक पर रखकर धनार्जन की लालसा और मौज-मस्ती का लक्ष्य घिनौना एवं अक्षम्य अपराध है। राष्ट्र को इन विस्फोटक विसंगतियों से बचाना होगा।

भारत विरोधी शक्तियों के हाथ में खेलकर देश को मुश्किल में डालने का यह कृत्य परेशान एवं चिन्ता में डालने वाला है। बहुत संभव है कि जासूसी कांड में लिप्त ये भारतीय बड़े आर्थिक प्रलोभनों के लालच में पाक एजेंटों के जाल में फंसे हों। लेकिन बड़ा प्रश्न है कि कैसे कुछ लोग पैसे व शानोशौकत के लालच में देश की सुरक्षा व लोगों का जीवन भी दांव पर लगा सकते हैं? देश के भीतर के ये दुश्मन बाहरी दुश्मनों से ज्यादा घातक एवं नुकसानदेय हैं। पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी आईएसआई से ताल्लुक रखने पर पिछले दिनों हरियाणा, पंजाब व यूपी के इन लोगों की गिरफ्तारी ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। लेकिन इनकी गहन जांच से और भी गंभीर खुलासे होने की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। ये एक गंभीर चुनौती है और हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों और खुफिया संस्थाओं को अब इस चुनौती को गंभीरता से लेना होगा। इन लोगों के तार भीतर कहां-कहां जुड़े है, इसका पदार्फाश होना ज्यादा जरूरी है। ये तत्व देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ ही सांप्रदायिक सद्भाव एवं आम-जनजीवन को भी खतरे में डाल सकते हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि हरियाणा की ज्योति कथित तौर पर हाल के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के एक कर्मचारी के संपर्क में थी, जिसे हाल ही में भारत विरोधी गतिविधियों के लिये देश से निकाला गया। इस मामले में चल रही जांच से पता चला है कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले से पहले ज्योति कश्मीर गई और उससे पहले पाकिस्तान गई थी। एक से अधिक बार पाकिस्तान जा चुकी ज्योति पर खुफिया अधिकारियों की नजर तो थी ही, ज्योति के कई वीडियोज ने भी खुफिया एजेंसियों का ध्यान खींचा, चाहे वह नयी दिल्ली स्थित पाक दूतावास में इफ्तार की दावत का वीडियो हो, पिछले साल हुए विश्व कप में भारत-पाक मैच में दर्शकों की प्रतिक्रिया वाला वीडियो हो या कश्मीर घूमने आये लोगों पर बनाये गये वीडियो हों। विडंबना है कि पाकिस्तान भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गलत फायदा उठा रहा है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, ज्योति को दुबई के एक कथित हैंडलर के माध्यम से भुगतान किया जाता था।

यह खुलासा केवल ज्योति तक सीमित मामला नहीं है, बल्कि इसके जरिये एक बड़े नेटवर्क का पदार्फाश हुआ है उस पर पाक के खुफिया अधिकारियों को संवेदनशील जानकारी देने के आरोप हैं। यूपी के रहने वाले शहजाद और नौमान इलाही पर भी इसी तरह के आरोप हैं। पंजाब में मालेरकोटला के दो लोगों को भी जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। जांच एजेंसियों को पता लगाना होगा कि क्या इन आरोपियों की सैन्य या रक्षा अभियानों से संबंधित जानकारी तक सीधी पहुंच थी या वे इसे उच्च पदस्थ स्रोतों से प्राप्त कर रहे थे? इन बातों का खुलासा होना सुरक्षा एवं सैन्य गोपनीयता की दृष्टि से ज्यादा जरूरी है। गिरफ्तार सभी अपराधियों को गंभीर पूछताछ के बाद कठोर सजा मिलनी चाहिए। दुश्मन चाहे देश के अंदर हो या बाहर उनके प्रति मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति निरंतर सख्ती के साथ कार्यरत रहनी ही चाहिए।

आज की राजनीति का मतलब.... कुर्सी, रूवाब, पैसा....?

- ओमप्रकाश मेहता

आज की राजनीति से एक महत्वपूर्ण तत्व गायब हो गया है, जिसे कभी सेवा कहा जाता था, आज राजनीति युवाओं के सबसे बड़ा आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। अब आज के युवाओं की प्राथमिकताओं में से रोजगार, सामाजिक दायित्व आदि सभी का लोप हो चुका है, इनकी जगह कुर्सी, रूतबा और पैसे ने ले ली है, इसीलिए अब न किसी सरकारी-गैरसरकारी दफ्तर में युवाओं की कतार नजर आती है और न ही रोजगार कार्यालयों में? हाँ, एक जगह कतार अवश्य नजर आती है और वह स्थान है राजनीति दलों के कार्यालय खासकर सत्तारूढ़ दल के कार्यालय में अब युवकों ने जान लिया है कि बिना किसी विशेष मेहनत के बेहतर तरीकें से उनकी मनोकामना पूरी हो सकती है तो ये नौकरियां रोजगार के झंझट में क्यों पड़ें? युवा वर्ग को राजनीति के स्तर या उसके भविष्य से कोई लेना-देना नहीं वे तो रूतबें-रूबाब वाली जगह चाहते है और वह राजनीति से बेहतर हो ही नही सकती, इसलिए आजकल राजनीति मुख्य आकर्षण का केन्द्र बनती जा रही है। आज के युवा वर्ग के रूझान और उनके आकर्षण को देखकर उनके भविष्य के प्रति चिंता होना स्वाभाविक है, आखिर वे राजनीति के पथ पर चल कर किसका भला करना चाहते है? और यदि आज की राजनीति की बात की जाए तो उसके डरावने दर्शन तो विधानसभा या संसद के साथ ही किसी भी राजनीतिक दल के कार्यालय में हो सकते है। हम दूर कहां जाए हाल ही में मैं अपने प्रदेश विधानसभा की ही एक रिपोर्ट पढ़ रहा था, जिसमें स्पष्ट लिखा था कि पिछले एक दशक में मध्यप्रदेश विधानसभा में लोकायुक्त का प्रतिवेदन प्रस्तुत ही नहीं किया गया, इसलिए यह भी पता नही चल पाया कि भ्रष्टाचार की शिकायतों पर सरकार ने क्या कार्यवाही की? प्रतिपक्षी दलों ने भी इस मामलें में सरकार को घेरकर जवाब मांगना चाहा, पर वे भी इस मामलें में असफल रहे, जबकि पता चला है कि मध्यप्रदेश के लोकायुक्त के पास भ्रष्टाचार के 284 प्रकरण दर्ज है, जिन पर शासन की अधिस्वीकृति प्राप्त करने के प्रयासों में लोकायुक्त भी हार चुके है, उन्हें शासन की ओर से मंजूरी ही नहीं मिल पा रही है, इसलिए बरसों से लम्बित है और फाईलों की शोभा बढ़ा रहे है।

जब किसी प्रदेश में सरकारी मुख्यालय के ये हाल हो तो वहां की कार्य प्रणाली की सहज ही कल्पना की जा सकती है, इसीलिए आज सरकारी कार्यालय मौज-मस्ती केन्द्र के रूप में विकसित हो रहे है और सरकारी कामकाज व कर्तव्य के प्रति निष्ठा का स्तर दिन-ब-दिन गिरता नजर आ रहा है, आज की इस विकराल समस्या के बारे में सोचने तक की किसी को भी फुर्सत नही है।

यह तो सिर्फ सरकारी परिदृष्य मैंने प्रस्तुत किया, वैसे इससे भी बदतर हालत हमारे समाज में सभी क्षेत्रों की है और इन हालातों पर किसी का ध्यान भी नही है, ऐसे में आज की राजनीति, समाज और देश का भविष्य क्या होगा? आज यही मुख्य चिंता का विषय है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

विशेष

ब्रह्मा विष्णु और महेश में बड़ा कौन?

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल और राष्ट्रपति को लेकर 8 अप्रैल को एक फैसला सुनाया था। इस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने 3 माह के अंदर विधेयक पर फैसला लेने का आदेश राज्यपाल और राष्ट्रपति को दिया था। तमिलनाडु,केरल और पंजाब के कई विधेयक कई महीनो और कई सालों से लंबित थे। सुप्रीम कोर्ट इसके पहले भी सुनवाई के दौरान राज्यपालों को जल्द निर्णय लेने के लिए निर्देश दे चुका था। राज्यपालों ने सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों को नहीं माना। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल और राष्ट्रपति के लिए विधेयक पर फैसला लेने की समय सीमा तय कर दी। भारत के संविधान में संघीय व्यवस्था है। जो अधिकार केंद्र सरकार के हैं, वही राज्य सरकारों के भी हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद केंद्र सरकार के तोते उड़ गए। पिछले 11 वर्षों में विपक्षी दलों की राज्य सरकारों को अस्थिर करने के लिए राज्यपाल ही एकमात्र सहारा थे। यदि यही सहारा केंद्र सरकार से छिन जाएगा, तो भारत में किस तरह से राज कर पाएंगे। दिल्ली के उपराज्यपाल ने अरविंद केजरीवाल को सत्ता से बाहर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट के विवाद में अब राष्ट्रपति को सामने लाया गया है। सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति को आदेश दे सकती है,या नहीं। इसको लेकर राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट को पत्र लिखा है। राष्ट्रपति को सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संविधान की शपथ दिलाते हैं। मुख्य न्यायाधीश को राष्ट्रपति संविधान की शपथ दिलाते हैं। उस हिसाब से भारत में संविधान सर्वोच्च है। न्यायपालिका,विधायिका और कार्यपालिका को संविधान से अधिकार मिलते हैं। पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना सरकार को अपने निर्णय में यह बता चुके हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1498 वास्कोडिगामा ने कालीकट के जमोरिन से मुलाकात की. 1545 शेर शाह का निधन. 1722 प्रसिद्ध समाज सुधारक राम मोहन राय का जन्म हुआ. 1822 अमरीका और कोरिया ने शांति संधि की. 1833 चिली के संविधान ने राष्ट्रपति को व्यापक अधिकार देने के साथ रोमन कैथोलिजम को राजधर्म बनाया. 1859 अंग्रेजी भाषा के लेखक सर आर्थर कानन डायलका जन्म हुआ. 1914 ब्रिटेन ने फारस की खाड़ी में एंग्लो तेल कंपनी की संपत्ति पर कब्जा कर लिया. 1936 लार्ड ब्रेवोर्न ने मुबंई के ब्रेनाई स्टेडियम की आधारशिला रखी. 1939 जर्मनी के एडोल्फ हिटलर और इटली के बेनिटो मुसोलिनी ने दस वर्षीय राजनीतिक और सैन्य समझौता किया. 1965 भारत के पहले ग्लाइडर रोहिणी ने आकाश में उड़ान भरी.

आज का राशिफल

मेष आज बेहतर होगा कि आप अपने काम में ज्यादा ध्यान दें, इससे आपका करियर सही दिशा में जा सकता है।

वृषभ आज दिन भर काफी बिजी शेड्यूल रहेगा। शाम तक अच्छी खबरें मिलेंगी और आप फायदे में भी रहेंगे।

मिथुन दिन उत्साह से भरा दिन रहेगा। आज आपको करियर से जुड़ी ऐसी खबर मिल सकती है।

कर्क आज दिन स्पेशल साबित हो सकता है। किसी एक ही तरकीब पर काम करना काफी रहेगा।

सिंह आज दिन बहुत अच्छा बीतेगा। दिल में कोई बात या नया आइडिया हो, तो फौरन आगे बढ़ें।

कन्या दिन काफी बिजी कर देने वाला होगा। कार्यस्थल पर दिमाग से किए गए काम का फायदा होगा।

तुला आज आपको दिन के पहले हिस्से मे फोन कॉल्स के जरिए आज कोई खुशखबरी मिलेगी।

वृश्चिक मेहनत कुछ ज्यादा ही करनी होगी। शाम तक बिजनेस में मुनाफे के कई मौके आएंगे।

धनु आपका समय अच्छा है इसका पूरा फायदा उठाएं। ऑफिस में साथियों से बहस में न उलझें।

मकर किसी से अनबन न हो, इस बात का ध्यान रखें। कामकाज में आपकी स्थितियां बेहतर होंगी।

कुंभ ऑफिस में अपने साथियों के साथ मिलकर काम करने से अच्छे रिजल्ट मिलेंगे।

मीन आज का दिन काफी धीमा हो सकता है। धीरे-धीरे आगे बढ़ने से ही फायदा हो सकता है।

सेहतमंद रहने के लिए बेहद जरूरी है यह मिनरल, मिलते हैं ये 3 फायदे

सोडियम और कैल्शियम जैसे मिनरल्स के बारे में तो आप सभी जानते होंगे लेकिन क्या आपको मालूम है कि मैग्निशियम हमारे शरीर के लिए क्यों जरूरी है।

सेहतमंद रहने के लिए हमें कई तरह की विटामिन और मिनरल्स की जरूरत पड़ती है, अधिकतर हम कैल्शियम, सोडियम आयरन को ही तरजीह देते हैं, लेकिन आपको बता दें कि मैग्नीशियम भी हमारी सेहत के लिए उतना ही जरूरी है इसकी कमी के कारण कई तरह की समस्याएं हो सकती है। मैग्नीशियमसे हमें क्या क्या-फायदे हो सकत हैं, इस बारे में आइए जानते हैं।

मैग्निशियम हमारे लिए क्यों जरूरी है

सोडियम कैल्शियम और पोटेशियम के बाद मैग्नीशियमफोर्थ मोस्ट कॉमन मिनरल है, इससे न सिर्फ मसल्स को फायदा होता है बल्कि इससे नर्व फंक्शन और बोन फॉरमेशन करने में भी मदद मिलती है। यह बोन स्ट्रक्चर और उम्र बढ़ाने के साथ बोन डेंसिटी को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके साथ ही यह एंग्जाइटी, इनसोम्निया, माइग्रेन मैं भी मदद कर सकता है। यह नर्वस सिस्टम को शांत करता है और ब्रेन को आराम देने में मदद करता है, जिससे कोर्टिसोललेवल कम होता है। रोजाना हमें 200 ग्राम से 300 ग्राम तक मैग्नीशियम की जरूरत होती है। एक्सपर्ट बताते है कि अगर आपके शरीर में विटामिन डी की कमी है, आप एंटाएसिड पर रहते हैं, आपको क्रॉनिक डायरिया है अल्कोहल का सेवन करते हैं और स्मोकिंग करते हैं तो इससे मैग्नीशियम का अब्जॉर्प्शन नहीं हो पाता है।

मैग्नीशियम के सोर्स

नट्स जैसे बादाम, अखरोट, काजू, कद्दू के बीज, एवोकाडो, पालक या हरी पत्तेदार सब्जियों में मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा होती है।

क्या आप भी वजन घटाना चाहती हैं? तो पिस्ता को अपनी डाइट में शामिल कर सकती हैं। आइए, यहां जानते हैं कि एक दिन में कितने पिस्ता खाने से वजन घटाने में मदद मिल सकती है।

एक दिन में इतने पिस्ता खाने से घट सकता है वजन, एक्सपर्ट से जानें

ड्राई फ्रूट्स को हेल्थ के लिए हमेशा फायदेमंद माना जाता है। हेल्दी ड्राइफ्रूट्स में बादाम, अखरोट और काजू की सबसे ज्यादा बात की जाती है। लेकिन बहुत कम लोग ही जानते हैं कि पिस्ता गुणों की खादान है। पिस्ता सिर्फ हेल्थ के लिए फायदेमंद ही नहीं, बल्कि वजन मैनेज में भी मदद करता है। पिस्ता में ऐसे फाइबर कंटेंट होते हैं जो फूड क्रेविंग्स और भूख को कंट्रोल करते हैं, जिससे वजन को मेंटेन करने में मदद मिलती है।

ऐसे तो सोशल मीडिया पर वजन मैंटेन करने के लिए कई सारे टिप्स मौजूद हैं, जिसमें तरह-तरह के नट्स और ड्राईफ्रूट्स खाने की सलाह दी जाती है। लेकिन पिस्ता में दूसरे ड्राईफ्रूट्स के मुकाबले कम कैलोरीज होती हैं, जो वजन को मैनेज करने में मदद करती है। अब सवाल उठता है कि वजन मैनेज करने के लिए एक दिन में कितना पिस्ता खाना चाहिए, इसके लिए हमने एक्सपर्ट से बात की है। एक्सपर्ट के मुताबिक, पिस्ता एक बेहतरीन हेल्दी स्नेक है। पिस्ता खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो अपना वजन मैनेज करना चाहते हैं।

पिस्ता खाने से कंपलीट हाई क्वालिटी प्लांट प्रोटीन मिलता है, जो एक जरूरी मैक्रोन्यूट्रियंट है। वजन कंट्रोल करने में पिस्ता मददगार साबित हो सकता है।

एक्सपर्ट के मुताबिक, पिस्ता में प्रोटीन, फाइबर और हेल्दी फैट्स मौजूद होते हैं, जो आपको फुल महसूस कराते हैं। इससे आप अपने खाने की मात्रा को कंट्रोल कर सकते हैं और ओवर इटिंग से भी बच सकते हैं।

पिस्ता को लेकर कई तरह की रिसर्च सामने आ चुकी हैं, जिनमें पिस्ता को बेहतरीन स्नेक बताया गया है। क्योंकि इसमें मौजूद तत्वों से डाइजेशन स्लो होता है और भूख भी कम लगती है। नाश्ते और लंच के बीच लगने वाली भूख के लिए पिस्ता एक बेहतरीन स्नेक की तरह हो सकता है।

एक दिन में कितना पिस्ता खाएं?

एक्सपर्ट के मुताबिक, 28 ग्राम कैलिफोर्निया पिस्ता में 6 ग्राम प्रोटीन और 3 ग्राम फाइबर मिलता है। एक दिन में लगभग 28 ग्राम पिस्ता खाना आपको वजन मैंटेन करने में मदद कर सकता है। पिस्ता में 30 तरह के जरूरी न्यूट्रियंट्स होते हैं और 90 पर्सेंट अनसेचुरेटेड हार्ट-हेल्दी फैट मौजूद होते हैं।

पिस्ता खाने के फायदे

- पिस्ता बॉडी मास इंडेक्स कंट्रोल करने में भी मदद करता है। पिस्ता को लिमिट और कंट्रोल तरह से खाने से वजन के साथ-साथ लटकता पेट भी कम हो सकता है।
- पिस्ता वजन घटाने के साथ-साथ दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। इससे ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रोल लेवल कंट्रोल में रहते हैं, जिससे दिल की तंदरुस्ती बनी रहती है.
- पिस्ता को आंखों के लिए भी अच्छा माना जाता है। पिस्ता में एक ऐसा तत्व मौजूद होता है, जो आंखों की रोशनी तेज करने में मदद कर सकता है।
- पिस्ता में मौजूद तत्व, डायबिटीज और हाई ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में भी मदद करते हैं।
- पिस्ता में मेमलाटोनिन नाम का एक तत्व होता है जो नींद की समस्या को दूर करता है. साथ ही पिस्ता में कई ऐसे तत्व होते हैं जो मौसमी बीमारियों से भी शरीर को बचाते हैं।

क्यों दूसरे ड्राईफ्रूट्स के बीच पिस्ता चुनें?

जब भी ड्राईफ्रूट्स या नट्स की बात आती है, तो ज्यादातर लोगों की पसंद बादाम और अखरोट रहते हैं. लेकिन पिस्ता में सबसे कम कैलोरी होती होती है। कम कैलोरी होने की वजह से आप इसे खाना फायदेमंद हो सकता है. एक पिस्ता में सिर्फ 3 कैलोरी होती है, वहीं एक बादाम में 10 कैलोरी मौजूद होती है। पिस्ता में मिनरल्स के साथ-साथ विटामिन बी भी मौजूद होता है। बादाम के बाद हरे नट्स में सबसे ज्यादा प्रोटीन पाया जाता है।

क्या पिस्ता बढ़ा सकता है वजन?

पिस्ता खाने के अनेकों फायदे हैं, लेकिन किसी भी चीज को लिमिट से ज्यादा खाना नुकसान पहुंचा सकता है। पिस्ता भी अगर लिमिट में खाया जाए तो वह शरीर का वजन नहीं बढ़ाता है और हेल्थ के लिए भी फायदेमंद रहता है। पिस्ता को लिमिट में खाने के लिए ऐसी सलाह दी जाती है कि इसे शेल वाला पिस्ता यानी बिना छिले हुए पिस्ता लेने चाहिए।

डिप्रेशन का शिकार होने से पहले नजर आते हैं ये 6 लक्षण

डिप्रेशन एक गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्या है ,जिसका समय पर इलाज जरूरी होता है। आजकल के दौर में युवा नौजवान डिप्रेशन के चपेट में तेजी से आ रहे हैं। हालांकि ज्यादातर लोगों को यह मालूम ही नहीं चलता है कि वो डिप्रेशन के शिकार हैं,कई बार मामला हाथ से निकल जाता है। ऐसे में हम आपको वो 6 लक्षण बता रहे हैं जो डिप्रेशन का शिकार होने से पहले किसी भी व्यक्ति में नजर आता है।

अगर आप बहुत ज्यादा खा रहे हैं या बहुत कम खा रहे हैं तो ये डिप्रेशन के शुरुआती लक्षण की तरफ इशारा करता है। तनाव के कारण आपको ज्यादा भूख लगती है। तनाव को कम करने के लिए लोग अच्छा खाना खाना चाहते हैं इससे उन्हें सुकून मिलता है, वहीं तनाव के कारण भोजन को लोग बोझ समझने लगते हैं। दोनों ही स्थिति डिप्रेशन की तरफ इशारा करती है।

दुख और निराशा की भावना डिप्रेशन के सबसे आम लक्षणों में से एक है। अगर आप किसी भी काम को करने से पहले निराश हो जाते हैं या छोटी छोटी बातों पर दुखी हो जाते हैं तो आपको इसे डिप्रेशन का लक्षण समझना चाहिए

आपको बार बार मीठा खाने की क्रेविंग होती है यह भी डिप्रेशन के शुरुआती लक्षण की तरफ इशारा करता है। दरअसल तनाव होने पर शरीर को अधिक कैलोरी की जरूरत पड़ती है और इससे मीठा खाने की इच्छा बढ़ जाती है।

पहले जिस काम को आप खूब आनंद लेकर करते थे और अब आपको उस काम में बिल्कुल भी रुचि नहीं है तो यह भी डिप्रेशन की शुरुआती लक्षणों की तरफ इशारा करता है।

डिप्रेशन से प्रभावित लोग खाने के लिए मन नहीं करता और वे भोजन को एक बोझ मान सकते हैं।

अगर आप बिल्कुल भी सो नहीं पाते हैं या बहुत अधिक देर सोते हैं तो ये डिप्रेशन के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। चिंता के कारण आपको नींद नहीं आती है ,वहीं ऊर्जा की कमी के कारण आप अधिक सोने लगते हैं।

अगर आप आसानी से किसी भी बात पर भड़क जाते हैं, कोई कुछ कह देता है तो आप चिड़चिड़े होकर गुस्सा करने लगते हैं तो यह भी डिप्रेशन की तरफ इशारा करता है। चिंता के कारण व्यक्ति पर निरंतर भावनात्मक दबाव बना रहता है जिससे वे छोटी-छोटी बातों पर भी भड़क सकते हैं।

सेहत के लिए बेहद लाभकारी है यह लाल फल

नाशपाती तो आप सभी ने खाई होगी। यह मानसून में खूब मिलता है। खट्टा मीठा स्वाद इसका खूब पसंद आता है। अमूमन लोग हरे या पीले कलर की नाशपाती खाते हैं लेकिन क्या आपको मालूम है कि लाल रंग की भी नाशपाती होती है,जो की सेहत को काफी ज्यादा फायदा पहुंचती है।

लाल नाशपाती खाने के फायदे

लाल नाशपाती खाने से दिल के सेहत को बनाए रखने में मदद मिलती है इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट हानिकारक मुक्त कणों को भी असर करने में मदद करते हैं ऑक्सीडेटिव छाती और सूजन को रोकते हैं जो हृदय रोग में योगदान कर सकते हैं।

लाल नाशपाती खाने से पाचन तंत्र को भी स्वस्थ बनाए रखने में मदद मिलती है इसमें उच्च मात्रा में फाइबर होता है जो आंतो की गतिशीलता को सुधरता है गैस कब्ज जैसी समस्याओं से छुटकारा दिलाता है।

इसे खाने से त्वचा को भी फायदा मिलता है विटामिन सी और फ्लेवोनॉयड से भरपूर लाल नाशपाती त्वचा को मुक्त कणों से बचते हैं उम्र बढ़ने के संकेतों को कम करने में सहायक होते हैं।

लाल नाशपाती में कैलोरी की बहुत कम मात्रा होती है और इसकी उच्च फाइबर सामग्री वजन नियंत्रित करने में सहायक हो सकती है जब आप फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ कहते हैं तो आपको भूख बार-बार नहीं लगती है और कम खाने से आपका वजन कम हो सकता है। इससे आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है यह शरीर को संक्रमण और बीमारियों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है इसमें विटामिन के होता है जो हड्डियों के लिए काफी जरूरी है पोटेशियम होता है जो शरीर में फ्लूड संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

बहुत से लोगों को केला खाने की जगह उसका शेक पीना काफी अच्छा लगता है। हालांकि, केले के शेक को पीने से आपको कई तरह के नुकसान उठाने पड़ सकते हैं।

केले का शेक पीने के हैं शौकीन तो पहले जान लीजिए इसके नुकसान

बच्चों से लेकर बड़ों तक, हर किसी को केले का शेक बनाकर पीना काफी अच्छा लगता है। कभी सुबह नाश्ते के समय तो कभी इवनिंग स्नैक टाइम पर जब हल्की भूख लगती है तो ऐसे में केले का शेक आपको फुलर अहसास करवाता है। केले का शेक बनाने में बहुत अधिक समय भी नहीं लगता है और यह बहुत अधिक टेस्टी भी होता है, इसलिए हर कोई इसे पीना काफी पसंद करता है।

लेकिन क्या आपको पता है कि केले के शेक को सेहत के लिहाज से बहुत अच्छा नहीं माना जाता है। केला और दूध एक अच्छा कॉम्बिनेशन नहीं है। हालांकि, दोनों ही अपने आप में बेहद पौष्टिक हैं, लेकिन इन्हें एक अच्छा फूड कॉम्बिनेशन नहीं माना जाता है। जब केले को दूध में ब्लेंड करके उसका शेक बनाया जाता है तो इससे आपकी सेहत को कुछ नुकसान भी उठाने पड़ सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में सेंट्रल गवर्नमेंट हॉस्पिटल के ईएसआईसी अस्पताल की डाइटीशियन रितु पुरी आपको बता रही हैं कि केले का शेक बनाकर पीना एक अच्छा आइडिया क्यों नहीं है-

बढ़ सकता है वजन

अगर आप वेट लॉस जर्नी पर हैं तो ऐसे में केले का शेक पीना बिल्कुल भी अच्छा विचार नहीं है। केले के शेक में कैलोरी की मात्रा अधिक होती है, खासकर अगर इसे फुल-फैट दूध, चीनी या आइसक्रीम के साथ बनाया जाए। इन्हें बार-बार पीने से आपका वजन बढ़ सकता है।

ब्लड शुगर हो सकता है स्पाइक

अगर आपको डायबिटीज या इंसुलिन रेसिस्टेंस की शिकायत है तो ऐसे में आपको केले का शेक बनाकर पीने से परहेज करना चाहिए। केले में नेचुरल शुगर होती है और जब इसे शेक के रूप में दूध के साथ ब्लेंड करके पिया जाता है, तो यह शुगर ब्लडस्ट्रीम में तेजी से अब्जॉर्ब हो जाती है। कई बार इसमें हम स्वीटनर या अन्य हाई शुगर फ्रूट को भी शामिल कर लेते हैं, जिससे आपकी स्थिति और भी खराब हो सकती है।

डाइजेशन से जुड़ी समस्याएं

अगर आप केले का शेक अधिक मात्रा में लेते हैं तो इससे आपको डाइजेशन से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि केले में फाइबर की मात्रा अधिक होती है। जब लोग जरूरत से ज्यादा केले का शेक पीते हैं तो उन्हें ब्लोटिंग, गैस या कब्ज की शिकायत हो सकती है। इतना ही नहीं, अगर आप लैक्टोज इनटॉलरेंट हैं तो ऐसे में केले को दूध के साथ मिलाकर पीने से आपको काफी परेशानी हो सकती है।

कैविटी का बढ़ जाता है रिस्क

केले में नेचुरल शुगर होती है, और जब शेक के रूप में इसे लिक्विड फॉर्म में पिया जाता है तो इससे वे दांतों पर चिपक सकते हैं। जिससे कैविटी का रिस्क कई गुना बढ़ जाता है। खासतौर से, अगर आप ओरल हाइजीन का सही तरह से ख्याल नहीं रखते हैं तो ऐसे में समय के साथ आपको दांतों से जुड़ी अन्य समस्याएं जैसे प्लाक बनने और दांतों की सड़न की शिकायत भी हो सकती है।

भारत पर भरोसा! चीन को मिर्ची लगना तय

ट्रंप को अनसुना कर iPhone बनाने वाली कंपनी का बड़ा फैसला,

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आईफोन बनाने वाली कंपनी ऐपल को भारत में स्मार्टफोन का निर्माण बंद करने को कहा था। वह चाहते हैं कि कंपनी अमेरिका में ज्यादा निवेश करे। ऐपल के सीईओ टिम कुक का कहना है कि अमेरिका में बिकने वाले ज्यादातर फोन चीन के बजाय भारत में बनेंगे। ट्रंप की धमकी के बावजूद कंपनी भारत में अपनी योजनाओं को आगे बढ़ा रही है। कर्नाटक के देवनहल्ली में फॉक्सकॉन के प्लांट में काम सामान्य रूप से चल रहा है। 300 एकड़ में फैले कंपनी के प्लांट में कर्मचारियों के रहने के लिए डॉर्मिटरी बनाने का काम भी तेजी से चल रहा है। ताइवान की यह कंपनी ऐपल के लिए आईफोन बनाती है।

दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन देवनहल्ली प्लांट में 2.56 बिलियन डॉलर का निवेश कर रही है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह प्लांट देवनहल्ली तालुक के दोड्डागोल्लाहल्ली और चप्पराडाहल्ली गांवों में फैला हुआ है। यह बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 34 किलोमीटर दूर है। फॉक्सकॉन ने पहले चरण (2023-24) में लगभग 3,000 करोड़ रुपये का निवेश किया था। दूसरे चरण (2026-27) में भी लगभग इतनी ही राशि का निवेश होने की उम्मीद है। कंपनी का लक्ष्य इस साल दिसंबर तक लगभग 100,000 आईफोन बनाने का है।

कर्मचारियों के लिए डॉर्मिटरी

सूत्रों के अनुसार डॉर्मिटरी में लगभग 30,000 कर्मचारी रह सकते हैं। यह भारत में इस तरह की सबसे बड़ी फैसिलिटी होगी। उम्मीद है कि इसका निर्माण इस साल के अंत तक पूरा हो जाएगा। पिछले हफ्ते, फॉक्सकॉन जून तक कर्नाटक प्लांट से शिपमेंट शुरू कर सकती है। यह चीन के बाद फॉक्सकॉन की सबसे बड़ी फैसिलिटी होगी। चीन की तरह, कंपनी ने तमिलनाडु के श्रीपेरंबुदूर यूनिट में भी कर्मचारियों के रहने के लिए डॉर्मिटरी बनाई हैं। इन डॉर्मिटरी में लगभग 18,000 कर्मचारी रह सकते हैं। यह डॉर्मिटरी कर्मचारियों के लिए बनाई जा रही है और इसमें अधिकारी नहीं रह सकते हैं।

कंपनी का प्लान

कर्मचारियों ने बताया कि कुछ आईफोन वेरिएंट की असेंबली मई में शुरू हो गई थी जबकि अन्य की अगस्त में शुरू होगी। सितंबर में आईफोन 17 के लॉन्च से पहले काम तेजी से चल रहा है। कंपनी यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है कि उसकी डॉर्मिटरी फैसिलिटी समय पर तैयार हो जाए। फॉक्सकॉन 2025 में अपने भारतीय प्लांट्स में 25-30 मिलियन आईफोन बनाने की योजना बना रही है। यह पिछले साल देश में बनाए गए आईफोन की संख्या से दोगुना है.

ब्रिटेन को उम्मीद- दोनों देशों के बीच व्यापार में आएगा 25 अरब पाउंड का उछाल; मिलेगा बड़ा बाजार

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिटेन और भारत के बीच हाल ही में हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) मध्यम व्यवसायों (एसएमईएस) के लिए भारतीय बाजार में प्रवेश को आसान बनाएगा। इस समझौते को लेकर बुधवार को ब्रिटेन सरकार ने बयान जारी कर बताया कि इस समझौते से व्यापार अब तेज, सस्ता और आसान हो जाएगा। मामले में ब्रिटेन के व्यापार मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने इस समझौते को भारत की तरफ से अब तक किया गया सबसे बेहतरीन सौदा बताया। उन्होंने कहा कि इससे यूके की स्टील, ऑटोमोबाइल, व्हिस्की, जिन, कॉस्मेटिक्स, मेडिकल डिवाइसेज, मशीनरी और मीट जैसी चीजो का भारत में निर्यात बढ़ेगा।

दोनों देशों के बीच अरबों पाउंड की होगी बढ़ोतरी

बता दें कि एफटीए से दोनों देशों के बीच व्यापार में हर साल करीब 25.5 अरब पाउंड की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। ब्रिटेन की फूड एंड ड्रिंक फेडरेशन की प्रमुख करेन बेट्स ने कहा कि ब्रिटेन ने 2024 में भारत को करीब 300 मिलियन पाउंड का खाद्य और पेय पदार्थ निर्यात किया और यह समझौता इस क्षेत्र के लिए बड़ा अवसर लेकर आया है।

बोर्ड ऑफ ट्रेड की पहली बैठक– एफटीए डिजिटल कस्टम सिस्टम और बेहतर प्रक्रियाएं व्यापार को और आसान बनाएंगी, खासकर छोटे व्यवसायों के लिए जो पहले भारतीय बाजार में नहीं आ पा रहे थे। इस मौके पर 'बोर्ड ऑफ ट्रेड' की पहली बैठक भी हुई, जिसमें ब्रिटेन के बड़े बिजनेस लीडर्स शामिल हुए। यह बोर्ड छोटे व्यवसायों को वैश्विक बाजारों में पहुंच दिलाने और भारत एवं अमेरिका जैसे देशों के साथ हुए समझौतों से लाभ उठाने में मदद करेगा।

यह एक ऐतिहासिक मौका है

वहीं इस समझौते को लेकर स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के सीईओ बिल विंटर्स ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक मौका है जो भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार और नवाचार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। एफटीए के अलावा ब्रिटेन और अमेरिका के बीच भी नया व्यापार समझौता हुआ है, जिससे ऑटोमोबाइल, स्टील, एलुमिनियम, फार्मा और एयरोस्पेस जैसे क्षेत्रों में 3 लाख से ज्यादा नौकरियों को फायदा मिलेगा। देखा जाए तो यह नया दौर ब्रिटेन की नई व्यापार रणनीति और छोटे व्यवसायों की नीति के तहत पूरे देश में आर्थिक विकास और जीवन स्तर सुधारने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

नौकरी ढूंढ रहे दो-तिहाई लोग नई भूमिका के लिए तैयार, कहां जाना चाह रहे 74 प्रतिशत लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। लगभग 67 प्रतिशत पेशेवर नए अवसरों की तलाश करना चाहते हैं। हालांकि, इनमें से ज्यादातर यह नहीं जानते हैं कि उन्हें किस पद या उद्योग में अपने के लिए अवसरों की तलाश करनी है। बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया है। पेशेवर नेटवर्क मंच लिंक्डइन के शोध के

अनुसार, 65 प्रतिशत पेशेवरों ने कहा कि वे अपने करियर के लक्ष्यों को एक दोस्त को समझा सकते हैं, लेकिन यह नहीं जानते कि उस भूमिका की खोज कैसे करें। वहीं 64 प्रतिशत को नौकरी फिल्टर भ्रमित करने वाले लगते हैं। रिपोर्ट में कहा गया, भारत में दो–तिहाई (67 प्रतिशत) पेशेवरों का कहना है कि वे नए अवसरों के लिए तैयार हैं। हालांकि, वे नहीं जानते कि उन्हें किस पद या उद्योग में नौकरी की तलाश करनी चाहिए। इसमें कहा गया है कि 74 प्रतिशत लोगों की इच्छा है कि वे ऐसी प्रासंगिक भूमिकाएं खोज पाएं, जिनके बारे में उन्होंने सोचा भी नहीं था।

अवसर खोजने के आसान तरीकों की मांग बढ़ रही– अध्ययन में कहा गया है कि जैसे–जैसे नौकरी के पद विकसित होते हैं और कौशल नियुक्ति संबंधी फैसलों का प्रमुख कारक होता जाता है, वैसे–वैसे नौकरी चाहने वालों के बीच पूर्वनिर्धारित पद या कीवर्ड के बजाय अपने कौशल और लक्ष्यों के आधार पर अवसर खोजने के आसान तरीकों की मांग बढ़ रही है। लिंक्डइन की यह रिपोर्ट इस साल 25 अप्रैल से छह मई के बीच 18–78 वर्ष की आयु के 2,001 से अधिक कार्यरत और बेरोजगार उत्तरदाताओं से प्राप्त जवाब पर आधारित है।

ईपीएफओ ने मार्च में 14.58 लाख सदस्य जोड़े– सेवानिवृत्ति कोष का प्रबंधन करने वाले निकाय ईपीएफओ ने मार्च में कुल 14.58 लाख सदस्य जोड़े। यह आंकड़ा पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 1.15 प्रतिशत अधिक है। श्रम मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने मार्च 2025 में करीब 7.54 लाख नए सदस्य जोड़े। फरवरी 2025 की तुलना में यह आंकड़ा 2.03 प्रतिशत और मार्च 2024 की तुलना में 0.98 प्रतिशत अधिक है।

एनर्जी कंपनी के शेयर पर टूटे निवेशक, 12 प्रतिशत चढ़ा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। एनटीपीसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के शेयर लगातार चर्चा में हैं। कंपनी के शेयर आज 12 प्रतिशत तक चढ़ गए और 117.80 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। शेयरों में इस तेजी के पीछे मार्च तिमाही के नतीजे हैं। बीते दिन बुधवार को कंपनी ने अपने

मार्च तिमाही के लिए अपने नतीजे जारी कर दिए। मार्च तिमाही में कंपनी का मुनाफा 3 गुना बढ़ गया और यह 233.21 करोड़ पर रहा। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में दर्ज 80.95 करोड़ से 255 प्रतिशत अधिक है।

रेवेन्यू में भी इजाफा– कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 22.4 प्रतिशत बढ़ा है। यह मार्च 2024 तिमाही में 508.14 करोड़ से बढ़कर मार्च 2025 तिमाही में 622.27 करोड़ हो गया। क्रमिक रूप से, दिसंबर तिमाही में 505.08 करोड़ से रेवेन्यू 23 प्रतिशत से अधिक था।

एआई से बदल रही बैंकिंग की दुनिया, फिर भी चार में से सिर्फ एक बैंक उठा रहा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अन्य उद्योगों के साथ बैंकिंग क्षेत्र में भी व्यापक स्तर पर बदलाव लाने में सक्षम है। एआई एक गेम-चेंजर बन गया है, जो दक्षता, पहुंच और आर्थिक विकास की नई सीमाओं को खोल रहा है। इसके बावजूद वैश्विक स्तर पर हर चार में से सिर्फ एक बैंक ही अपने प्रतिद्वंद्वियों से प्रतिस्पर्धात्मक लाभ हासिल करने के लिए एआई का इस्तेमाल कर रहा है। कंसल्टेंसी फर्म बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) ने एक रिपोर्ट में कहा, बैंकिंग उद्योग 2025 में एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एआई और जेनरेटिव एआई बैंकिंग उद्योग को मौलिक रूप से बदल रहे हैं। रिपोर्ट में उन बैंकों के बीच बढ़ते अंतर को भी उजागर किया गया है, जो एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं और जो इस मामले में पीछे हैं। एआई का इस्तेमाल नहीं करने वाले बैंकों के न सिर्फ कारोबार और सेवाओं पर असर पड़ रहा है, बल्कि लागत एवं मुनाफा भी प्रभावित हो रहा है। वहीं, एआई को अपनाने वाले बैंक तेजी से आगे बढ़ रहे हैं रिपोर्ट के मुताबिक, जेनरेटिव और एजेंटिक एआई जैसे टूल ग्राहकों को अपनी सहूलियत एवं फायदे के हिसाब से

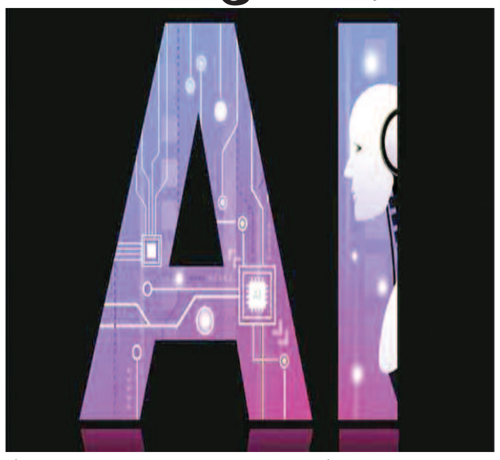

बैंकों के चयन में मदद कर रहे हैं। इसलिए, एआई संचालित अंडरराइटिंग, रियल-टाइम क्रेडिट जोखिम और इससे जुड़े वित्तीय तंत्र बैंकों के शुल्क आधारित आय को खत्म कर रहे हैं। बैंकों की भूमिका को फिर से परिभाषित कर रहे हैं।

अधिकांश बैंकों में बुनियादी ढांचे की कमी– बीसीजी ने रिपोर्ट में कहा, दुनिया के अधिकांश बैंक एआई के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिहाज से बुनियादी ढांचे की कमी से जूझ रहे हैं।

काम के परंपरागत तरीके, डाटा संकलन का अभाव व क्षमता की कमी वास्तविक समय में एआई के इस्तेमाल में बाधा बन रही है। इन कमियों को दुरुस्त कर एआई को तेजी से अपनाने के लिए भारी निवेश और प्रबंधन स्तर पर प्रतिबद्धता की जरूरत है।

एआई पेशेवरों की भर्ती में भी संघर्ष कर रहे बैंक– रिपोर्ट के मुताबिक, विनियामकीय चुनौतियां एआई को अपनाने की रफ्तार को धीमा कर रही हैं। दुनिया के दो-तिहाई बैंक एआई कौशल वाले पेशेवरों की नियुक्ति के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वहीं, कई बैंकों के शीर्ष अधिकारियों को एआई के इस्तेमाल, उससे होने वाले लाभ और चुनौतियों के बारे में बताने की जरूरत है।

रिपोर्ट में दावाः जेन एआई 70 फीसदी कंपनियों के लिए खतरा

करीब 70 फीसदी भारतीय कंपनियों का मानना है कि तेजी से बदलती जनरेटिव एआई टेक्नोलॉजी उनके लिए सबसे बड़ी सुरक्षा चिंता बन गई है। 66 फीसदी कंपनियां डाटा की सच्चाई को लेकर और 55 फीसदी उस पर भरोसे को लेकर परेशान हैं। थेल्स की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनियां अब एआई और जनरेटिव एआई के असर को लेकर गंभीर हो चली हैं। जनरेटिव एआई को अच्छे और सेंसिटिव डाटा की जरूरत होती है, जिससे वह ट्रेनिंग ले सके और जानकारी निकालकर नया कंटेंट बना सके। यह रिपोर्ट एसएंडपी ग्लोबल की 451 रिसर्च टीम ने बनाई है। इसके लिए 20 देशों के 15 क्षेत्रों में काम करने वाले 3,100 से ज्यादा आईटी–सुरक्षा पेशेवरों से बातचीत की गई। थेल्स ने कहा, जनरेटिव एआई इतनी तेजी से बदल रही है कि कंपनियों को जल्द फैसले लेने पड़ रहे हैं।

20 साल बाद इंडसइंड बैंक को तगड़ा झटका, चौथी तिमाही में 2,329 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली, एजेंसी। डेरिवेटिव ट्रेड में गलत अकाउंटिंग और माइक्रोफाइनेंस पोर्टफोलियो में धोखाधड़ी का बड़ा असर इंडसइंड बैंक के मुनाफे पर देखने को मिला है।बैंक को वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 2,329 करोड़ का शुद्ध घाटा हुआ है।इसकी प्रमुख वजह धोखाधड़ी के लिए अधिक प्रावधान है। इंडसइंड बैंक को करीब 20 साल बाद पहली बार किसी तिमाही में घाटा हुआ है।इससे पहले 2006-07 की चौथी तिमाही में बैंक को घाटा हुआ था। 2023-24 की चौथी तिमाही में उसे 2,349 करोड़ का मुनाफा हुआ था। बैंक ने चौथी तिमाही के दौरान 2,522 करोड़ का प्रावधान किया है, जो एक साल पहले के 950 करोड़ रुपये के प्रावधान से अधिक है। बैंक की ब्याज आय में 13 फीसदी की गिरावट रही।पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान बैंक का शुद्ध लाभ 71 फीसदी घटकर 2,576 करोड़ रह गया।

IndusInd Bank

बोर्ड को धोखाधड़ी में कुछ कर्मियों पर संदेह– इंडसइंड बैंक के बोर्ड ने धोखाधड़ी में लेखांकन एवं वित्तीय रिपोर्टिंग के कुछ कर्मचारियों के शामिल होने का संदेह जताया है।साथ ही, प्रबंधन को मामले की जानकारी जांच एजेंसियों और नियामक प्राधिकरणों को देने का निर्देश दिया है।

कंपनी ने किया बड़ा सौदा, एपल के मशहूर डिजाइनर की कंपनी को 6.5 अरब डॉलर में खरीदा

नई दिल्ली, एजेंसी। करीब दो साल पहले खबर आई थी कि ओपनएआई के सीइओ सैम ऑल्टमैन गुपचुप तरीके से एपल के प्रसिद्ध डिजाइनर जॉनी आइव के साथ मिलकर एक एआई हार्डवेयर प्रोडक्ट पर काम कर रहे हैं। अब यह रहस्य सामने आ चुका है। ओपनएआई ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि उसने जॉनी आइव की सह-स्थापित स्टार्टअप कंपनी आइओ प्रोडेक्ट को 6.5 अरब डॉलर में अधिग्रहित कर लिया है। इस कदम से यह स्पष्ट है कि चैट जीपीटी बनाने वाली कंपनी अब एआई को भौतिक दुनिया में लाने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है।

आइव होंगे ओपनएआई के एआई हार्डवेयर मिशन के प्रमुख चेहरा– जॉनी आइव, जिन्होंने आईफोन, आईमैक और मैकबुक जैसे क्रांतिकारी प्रोडक्ट्स डिजाइन किए, अब ओपनएआई के हार्डवेयर भविष्य को आकार देंगे, हालांकि कंपनी ने यह नहीं बताया कि वे कौन-सी डिवाइस बना रहे हैं, लेकिन उन्होंने इसे एआई से युक्त नई पीढ़ी के प्रोडक्ट्स का परिवार बताया है, जो स्क्रीन से परे हमारे दैनिक जीवन में एआई को शामिल करेगा। आइव की डिजाइन फर्म लवफ्राम, जिसे उन्होंने 2019 में एपल छोड़ने के बाद शुरू किया था। ओपनएआई ने कहा है कि आइव और उनकी टीम को गहराई से डिजाइन और क्रिएटिव जिम्मेदारियां दी जाएंगी, जो आइओ और ओपनएआई दोनों पर लागू होंगी।

सैम ऑल्टमैन का बड़ा दावा- अब तक का सबसे बड़ा काम– रिपोर्ट के अनुसार डील की घोषणा के बाद ऑल्टमैन ने अपने कर्मचारियों से कहा कि ओपनएआई के पास अब इतिहास का सबसे बड़ा काम करने का मौका है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि जॉनी आइव और आइओ को जोड़ने से ओपनएआई की वैल्यू 1 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ सकती है। डील में ओपनएआई ने 5 अरब डॉलर का इक्विटी भुगतान किया है। ओपनएआई पहले ही आइओ में 23 प्रतिशत हिस्सेदारी रखती थी, जो कि 2023 से शुरू हुई साझेदारी का हिस्सा था। दस्तावेजों के अनुसार, आइओ को 2023 में डेलावेयर में रजिस्टर किया गया था और अप्रैल 2024 में कैलिफोर्निया में पंजीकरण हुआ।

139.5 मिलियन डॉलर सैलरी... वैभव तनेजा जो सुंदर पिचाई और सत्या नडेला से भी निकल गए हैं आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के भारतीय मूल के सीएफओ वैभव तनेजा आजकल सुर्खियों में हैं। वह दुनिया में सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले सीएफओ बन गए हैं। साल 2024 में उन्हें सैलरी के रूप में 139.5 मिलियन डॉलर यानी करीब 11,95,20,06,911 रुपये मिले। उनकी सैलरी दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई से भी ज्यादा है। गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट ने 2024 में पिचाई को 10.73 मिलियन का भुगतान किया जबकि नडेला को माइक्रोसॉफ्ट से 79.1 मिलियन मिले। वैभव तनेजा को यह पैसा स्टॉक ऑप्शंस और इक्विटी अवॉर्ड्स के रूप में मिला

है। उनकी बेसिक सैलरी 400,000 डॉलर है, लेकिन स्टॉक और इक्विटी से उन्हें बहुत ज्यादा फायदा हुआ है। इस वजह से तनेजा कॉरपोरेट इतिहास में सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले फाइनेंस एग्जीक्यूटिव बन गए हैं।

दिल्ली से पढ़ाई– 47 साल के वैभव तनेजा ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की है। उन्होंने 1999 में कॉमर्स में बैचलर डिग्री हासिल की। इसके बाद साल 2000 में उन्होंने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया से चार्टर्ड अकाउंटेंट की डिग्री ली। तनेजा ने 2006 में अमेरिका में सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट की डिग्री भी हासिल की। तनेजा ने करीब 17 साल तक प्राइसवाटरहाउसकूपर्स में भारत और अमेरिका दोनों जगह काम किया। धीरे-धीरे वह सीनियर मैनेजर के पद तक पहुंच गए। तनेजा ने 2016 में सोलरसिटी नामक एक सोलर एनर्जी कंपनी जॉइन की। बाद में मस्क की ईवी कंपनी टेस्ला ने सोलरसिटी को खरीद लिया। यहीं से टेस्ला के साथ तनेजा का सफर शुरू हुआ। 2017 में सोलरसिटी के टेस्ला में विलय के बाद वैभव तनेजा टेस्ला में असिस्टेंट कॉरपोरेट कंट्रोलर बने। कंपनी में उनकी तरक्की बहुत तेजी से हुई। 2018 में वह कॉरपोरेट कंट्रोलर बने। 2019 में उन्हें चीफ अकाउंटिंग ऑफिसर बनाया गया।

शेयर में तेजी का फायदा

वैभव तनेजा को 139.5 मिलियन डॉलर का वेतन स्टॉक के रूप में मिला है। ये स्टॉक उन्हें चार साल में मिलेंगे। जब उन्हें यह अवॉर्ड मिला था, तब टेस्ला के शेयर की कीमत लगभग 250 डॉलर थी। मई 2025 तक शेयर की कीमत बढ़कर 342 डॉलर हो गई। इससे उनके वेतन की वैल्यू बहुत बढ़ गई। तनेजा से पहले भी भारतीय मूल के कई लोग टेस्ला में काम कर चुके हैं। दीपक आहूजा 2017 से 2019 तक कंपनी के सीएफओ रहे थे। अभी वह अमेरिका की ड्रोन डिलीवरी फर्म 'द्बश्चद्यद्बठ्ठद्ग के सीएफओ हैं।

आईपीएल 2025:

जैकब बेथेल के जाने के बाद आरसीबी ने इस विस्फोटक बल्लेबाज को टीम में किया शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने एक महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है। न्यूजीलैंड के धमाकेदार विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सेफर्ट को युवा इंग्लिश खिलाड़ी जैकब बेथेल के अस्थायी प्रतिस्थापन के रूप में टीम में शामिल किया गया है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गुरुवार को न्यूजीलैंड के विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सेफर्ट को इंग्लैंड के युवा खिलाड़ी जैकब बेथेल के स्थान पर अस्थायी रूप से टीम में शामिल करने की घोषणा की। बेथेल को इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम के लिए अपनी सेवाएं देनी हैं, जिसके चलते वह सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मुकाबले के बाद स्वदेश लौटेंगे। आरसीबी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, न्यूजीलैंड के विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सेफर्ट को जैकब बेथेल के स्थान पर आरसीबी में अस्थायी रूप से शामिल किया गया है। बेथेल सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हमारे मैच के बाद इंग्लैंड के लिए राष्ट्रीय ड्यूटी पर लौटेंगे।

टिम सेफर्ट का अनुभव और प्रदर्शन

30 वर्षीय टिम सेफर्ट एक अनुभवी टी20 खिलाड़ी हैं, जिन्होंने न्यूजीलैंड के लिए 66 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और इस दौरान 1540 रन बनाए हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग कौशल उन्हें एक मूल्यवान खिलाड़ी बनाता है। सेफर्ट इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए 2021 में और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के लिए 2022 में खेल चुके हैं। वह 2 करोड़ रुपये की कीमत पर आरसीबी में शामिल होंगे और 24 मई से टीम के साथ जुड़ेंगे।

आईपीएल के उभरते सितारे सूर्यवंशी और म्हात्रे इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की अंडर-19 टीम में शामिल

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल 2025 के उभरते स्टार खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे को इंग्लैंड के आगामी दौरे के लिए भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। इन दोनों ने टूर्नामेंट के मौजूदा संस्करण में अपने-अपने पक्ष के लिए शानदार प्रदर्शन किया है।

म्हात्रे इस दौरे पर टीम की अगुवाई करेंगे, जिसमें 24 जून से 23 जुलाई तक 50 ओवर का अभ्यास मैच, उसके बाद पांच मैचों की यूथ वनडे सीरीज और इंग्लैंड अंडर-19 के खिलाफ दो मल्टी-डे मैच शामिल हैं। मुंबई के अभिज्ञान कुंडू को म्हात्रे का डिप्टी नियुक्त किया गया है। सूर्यवंशी ने महज 14 साल की उम्र में आईपीएल में सबसे कम उम्र के शतक बनाने के बाद सुर्खियां बटोरीं। पिछले साल की नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 1.1 करोड़ रुपये में खरीदा था। सात मैचों में, इस किशोर ने एक शतक और एक अर्धशतक सहित 252 रन बनाए हैं। दूसरी ओर, म्हात्रा को चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की चोट के कारण मध्य सत्र में टीम में शामिल किया गया था। 17 वर्षीय मुंबई के बल्लेबाज ने पीली जर्सी में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है और चेन्नई की कमजोर बल्लेबाजी इकाई में तुरंत प्रभाव डाला है। सलामी बल्लेबाज ने छह मैचों में 206 रन बनाए हैं, जिसमें एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 94 रनों की सर्वश्रेष्ठ पारी भी शामिल है। यह जोड़ी पिछले साल यूएई में अंडर-19 एशिया कप में भारत की उपविजेता टीम का भी हिस्सा थी। अन्य उल्लेखनीय चयन में पंजाब के बल्लेबाज विहान मल्होत्रा और केरल के लेग स्पिनर मोहम्मद एनान शामिल हैं, दोनों ने चेन्नई और पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2024 युवा श्रृंखला के दौरान प्रभावित किया।

भारत अंडर19 टीम:

आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, मौल्यराजसिंह चावड़ा, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडू (उप-कप्तान और विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, हेनिल पटेल, युधाजीत गुहा, प्रणव राघवेंद्र, मोहम्मद एनान, आदित्य राणा, अनमोलजीत सिंह।

स्टैंडबाय खिलाड़ी: नमन पुष्पक, डी दीपेश, वेदांत त्रिवेदी, विकल्प तिवारी, अलंकृत रापोल (विकेटकीपर)।

आईपीएल 2025

धमाकेदार शुरुआत करने के बाद पटरी से उतर गई दिल्ली कैपिटल्स की गाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में दिल्ली कैपिटल्स टीम का प्लेऑफ में जाने का सपना टूट गया है। डीसी को आईपीएल 2025 के 63वें मैच में मुंबई इंडियंस ने 59 रनों से हरा दिया। इसके साथ ही पांच बार की चैंपियन एमआई की टीम एक बार फिर प्लेऑफ में पहुंच चुकी है। एमआई के लिए आईपीएल 2025 की शुरुआत जिस तरह से हुई थी, उसके अनुसार उनका प्लेऑफ तक पहुंचना सराहनीय है। वहीं, डीसी की गाड़ी अच्छी शुरुआत के बाद भी पटरी से उतर गई। आईपीएल 2025 में एक के बाद एक लगातार चार मैच जीतकर धमाकेदार शुरुआत करने वाली दिल्ली कैपिटल्स की टीम एक समय शानदार लग रही थी। लेकिन उसके बाद उन्हें अहम मौकों पर हार का सामना करना पड़ा। खास बात यह है कि डीसी को पहली हार एमआई के ही खिलाफ मिली थी। इस हार के बाद डीसी की लय कभी पहले जैसी नहीं रही। आईपीएल के इतिहास पर एक नजर डालें तो पता चलता है कि अक्सर शानदार शुरुआत के बाद भी कई टीमों को प्लेऑफ में जाने में सफलता नहीं मिलती है। इसका बड़ा कारण लीग स्टेज का लंबा होना है। डीसी के साथ 2016 सीजन में भी ऐसा हो चुका है, जब यह टीम शुरुआत के 7 मैचों में 5 मुकाबले जीतने के बाद भी प्लेऑफ में नहीं जा पाई थी। बिल्कुल यही स्थिति सीजन 2022 में सनराइजर्स हैदराबाद के साथ थी।

पंजाब किंग्स की टीम भी सीजन 2018 में शुरुआती छह मैचों में पांच जीत के बावजूद प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई थी। हालांकि दिल्ली कैपिटल्स के लिए आईपीएल 2025 सीजन अधिक निराशाजनक साबित हुआ है। इसका कारण यह है कि वह पहली ऐसी टीम बन गई है जिसने शुरुआत के लगातार चार मैच जीतने के बाद भी प्लेऑफ में जगह हासिल नहीं की।

यह भी दिलचस्प रहा कि इस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के तीन मैच ऐसे रहे जो अलग-अलग कारणों से प्रभावित रहे। इनमें एक मैच राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ था जो टाई हुआ था, लेकिन डीसी सुपर ओवर में मैच जीतने में कामयाब रही। एक मैच सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ था जिसमें बारिश के कारण नतीजा नहीं निकल सका। वहीं, 8 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ उनका मुकाबला सस्पेंड हो गया था। अब डीसी के पास इसी टीम के खिलाफ 24 मई को उनका अंतिम लीग मैच बचा है।

यूएई ने शारजाह में रचा इतिहास

बांग्लादेश के खिलाफ पहली बार जीती टी20 सीरीज

शारजाह, एजेंसी। हैदर अली (3 विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद आलीशान शराफ (नाबाद 68) और आसिफ खान (नाबाद 41) की विस्फोटक पारियों की बदौलत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने शारजाह में तीसरे टी20 मुकाबले में 5 गेंदे शेष रहते बांग्लादेश के खिलाफ 7 विकेट से जीत दर्ज करते हुए तीन मैचों की सीरीज को ऐतिहासिक रूप से 2-1 से अपने नाम कर लिया। टेस्ट खेलने वाले देश के खिलाफ यूएई की दूसरी और बांग्लादेश के खिलाफ पहली सीरीज जीत है। इससे पहले यूएई ने साल 2021 में आयरलैंड को इसी अंतर से हराया था। शारजाह स्टेडियम में बुधवार की रात खेले गए टी-20 मुकाबले में यूएई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही और उसने 57 के स्कोर तक अपने पांच विकेट गवां दिये। बांग्लादेश के बल्लेबाजे हैदर अली की घातक गेंदबाजी के आगे बेबस नजर आए।

बांग्लादेश का पहला विकेट दूसरे ओवर में परवेज हुसैन इमॉन (शून्य) के रूप में गिरा। कप्तान लिटन कुमार दास (14), मो. तौहीद हृदोय (शून्य), महेदी हसन (दो) और तंजिद हसन 18 गेंद पर (40) रनों की पारी खेली। इसके बाद शमीम हुसैन (नौ), रिशाद हुसैन (छह) और जाकेर अली 34 गेंदों में (41) रन बनाकर आउट हुये। यूएई के गेंदबाजों ने बांग्लादेश को निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 162 के स्कोर पर रोक दिया। यूएईकी ओर से हैदर अली ने चार ओवर में सात रन देकर तीन विकेट लिए। मतिउल्लाह खान और सगीर खान को दो-दो विकेट मिले। अकिफ राजा और ध्रुव पराशर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी यूएई की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और उसने अपना पहला विकेट दूसरे ही ओवर में कप्तान मुहम्मद वसीम (नौ) के रूप में गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये आलीशान शराफु ने मुहम्मद जोहैब के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच 44 रनों की साझेदारी हुई। आठवें ओवर में रिशाद हुसैन ने मुहम्मद जोहैब (29) को बोल्ड इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद तंजीम अहमद ने राहुल चोपड़ा (13) को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

इस दौरान दूसरे छोर पर खड़े आलीशान शराफु तेजी के साथ रन बनाते रहे। इसके बाद आसिफ खान ने आलीशान शराफ के साथ मोर्चा संभाला और टीम को ऐतिहासिक जीत की ओर ले गये। यूएई ने 19.1 ओवर में तीन विकेट पर 166 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। आलीशान शराफ ने 47 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए (नाबाद 68) रन बनाये। आसिफ खान ने 26 गेंदों में पांच छक्के लगाते हुए (41) रनों की नाबाद पारी खेली। बांग्लादेश की ओर से शोरिफुल इस्लाम, तनजीम हसन साकिब और रिशाद हुसैन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

टॉटेनहॅम हॉटस्पर ने यूरोपा लीग का खिताब जीता

फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से हराया, ब्रेनन ने मैच का इकलौता गोल किया

नई दिल्ली, एजेंसी। टॉटेनहॅम हॉटस्पर ने यूरोपा लीग का खिताब जीत लिया है। टीम ने गुरुवार एथलेटिक बिलबाओ के सैन मैम्स स्टेडियम में खेले गए फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से हराया। इसी के साथ टॉटेनहॅम का यूरोपीय ट्रॉफी के लिए 41 साल का इंतजार खत्म हो गया। टीम ने पिछला खिताब 1984 में जीता था। टॉटेनहॅम का यह तीसरा यूरोपा लीग टाइटल है।

ब्रेनन ने 42वें मिनट में यह गोल किया – ब्रेनन जॉनसन ने मैच का इकलौता गोल किया। मैच में दोनों टीमों के लिए मौके बनाना मुश्किल था। हालांकि, 42वें मिनट में टॉटेनहॅम को सफलता मिल गई। ब्रेनन जॉनसन ने मैच के 42वें मिनट में गोल किया। गोल का जश्न मनाते ब्रेनन।

17 साल बाद टॉटेनहॅम ने मेजर ट्रॉफी जीती – टॉटेनहॅम ने 17 साल बाद कोई मेजर ट्रॉफी जीती है। टीम ने अपना पिछला बड़ा खिताब 2008 में जीता था, जब उन्होंने लीग कप अपने नाम किया था।

जीत का महत्व – प्रीमियर लीग में मैनचेस्टर यूनाइटेड और टोटेनहम हॉस्टपर दोनों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। 37 मैचों में 39 पॉइंट के साथ यूनाइटेड 16वें और इतने ही मैच में 38 पॉइंट के साथ हॉस्टपर 17वें नंबर पर है। 20 टीमों की इस लीग में आखिरी तीन नंबर पर रहने वाली टीमों को अगले सीजन में खेलने का मौका नहीं मिलता।

आईपीएल 2025 के बाद रोहित शर्मा का ऑपरेशन!

बहुत तकलीफ में हैं हिटमैन

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा ने हाल ही में टेस्ट करियर को अलविदा कहा है, वो पहले ही टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं. ऐसे में रोहित अब केवल ओडीआई मैच ही खेलेंगे. हिटमैन अभी आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए खेल रहे हैं, जिसमें वो 11 मैचों में 300 रन बना चुके हैं. अब एक मीडिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि आईपीएल 2025 समाप्त होने के बाद रोहित बाईं हैमस्ट्रिंग की सर्जरी करवा सकते हैं. चूंकि रोहित अब सिर्फ ओडीआई मैच खेलेंगे और टीम इंडिया की अगली वनडे सीरीज बांग्लादेश के खिलाफ है, जो 17 अगस्त से शुरू होगी. आईपीएल 2025 का समापन 3 जून को होगा और उसके बाद रोहित को सर्जरी से उबरने के लिए करीब ढाई महीने का समय मिल सकता है. क्रिकब्लॉगर के हवाले से एक सूत्र ने बताया, रोहित शर्मा अगर 2027 वर्ल्ड कप में खेलना चाहते हैं तो यह उनकी सर्जरी के लिए सबसे सही समय है. रोहित कप्तान होने की जिम्मेदारी के कारण इस चोट को कई सालों से ढो रहे हैं, लेकिन रिटायरमेंट के बाद का शेड्यूल उन्हें सर्जरी से उबरने में मदद करेगा. इस मामले पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड या रोहित शर्मा की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है ।

डब्ल्यूडब्ल्यूई के बाद हॉलीवुड में तबाही मचाने को तैयार रोमन रेंस, मिल सकता है ये बड़ा रोल

नई दिल्ली, एजेंसी। रोमन रेंस को प्रोफेशनल रेसलिंग में एक बड़ा नाम माना जाता है और वह डब्ल्यूडब्ल्यूई के इतिहास में सबसे महान सुपरस्टार्स में से एक माने जाएंगे। उनकी लोकप्रियता ने उन्हें मनोरंजन जगत में भी एक बड़ा नाम बना दिया है। रोमन रेंस कुछ फिल्म प्रोजेक्ट्स में पहले भी नजर आ चुके हैं। पिछले साल एक बड़ी हॉलीवुड फिल्म में अपनी पहली प्रमुख भूमिका के बाद रेंस को एक और बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है। 21 मई, 2025 को डेडलाइन ने रिपोर्ट किया कि रोमन रेंस लोकप्रिय वीडियो गेम स्ट्रीट फाइटर के लाइव-एक्शन वर्जन का हिस्सा बनने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

अभी तक कुछ फाइनल नहीं – फाइटफुल के अनुसार, अभी तक कुछ भी फाइनल नहीं हुआ है। उन्होंने फिल्म और गेमिंग इंडस्ट्री में इस बारे में जानकारी हासिल की। हालांकि, वे यह रिपोर्ट करने में सक्षम थे कि रेंस को अकुमा के किरदार के लिए विचार किया जा रहा है। वीडियो गेम्स में अकुमा एक भावहीन और शक्तिशाली योद्धा है। फरवरी में यह खबर आई थी कि डायरेक्टर किताओ सकुराई इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने डैनी और माइकल फिलिप्पो की जगह ली है, जो अप्रैल 2023 में इस प्रोजेक्ट से जुड़े थे। यह तब हुआ जब लेजेंडरी ने स्ट्रीट फाइटर आईपी के विशेष फिल्म और टीवी अधिकार हासिल कर लिए।

23 मई को नीरज और वेबर फिर आमने-सामने, दोनों ने दोहा में 90+ मीटर भाला फेंक कर मचाया था तहलका

चोरजोव (पोलैंड), एजेंसी। नीरज 2018 में 88 मीटर पार करने के बाद से 90 मीटर का थ्रो लगाने की कोशिश में जुट रहे। वह इस बात से राहत महसूस कर रहे हैं कि आखिरकार उनके कंधों से बोझ उतर गया है। पिछले हफ्ते दोहा में 90 मीटर का थ्रो फेंकने वाले दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा और जूलियन वेबर एक बार फिर आमने सामने होंगे। दोनों ही शुक्रवार को ओरलेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में फिर इससे बड़ा थ्रो फेंकने की कोशिश करेंगे। नीरज ने दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर दूर तक भाला फेंका, लेकिन उन्हें दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा क्योंकि जर्मनी के जूलियन वेबर ने अपने अंतिम प्रयास में 91.06 मीटर की दूरी से भारतीय एथलीट को पछाड़ दिया।

नीरज और वेबर के साथ होंगे पीटर्स

2022 यूरोपीय चैंपियन और 2024 में रजत पदक विजेता वेबर ग्रेनाडा के दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 93.07 मीटर) के साथ पोलैंड में होंगे। ग्रेनाडा दोहा में 84 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे। पोलैंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारी मार्सिन क्रुकोव्स्की (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.55 मीटर) के साथ हमवतन साइप्रियन मिर्जग्लोड (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 84.97 मीटर), डेविड वेगनर (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 82.21 मीटर), मोल्दोवा के एंड्रियन मार्डरि (86.66 मीटर) और यूक्रेन के आर्टूर फेलनर (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 84.32 मीटर) आठ पुरुष खिलाड़ियों में शामिल हैं।

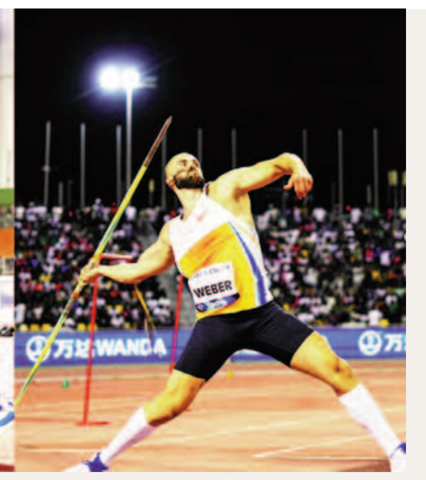

90 मीटर फेंक कर राहत महसूस कर रहे नीरज

नीरज 2018 में 88 मीटर पार करने के बाद से 90 मीटर का थ्रो लगाने की कोशिश में जुट रहे। वह इस बात से राहत महसूस कर रहे हैं कि आखिरकार उनके कंधों से बोझ उतर गया है, उन्होंने स्पष्ट किया कि 'यह तो बस शुरुआत थी' और वह आने वाले लंबे सत्र में और अधिक दूर भाला फेंकने की कोशिश करेंगे। इस सत्र की अहम प्रतियोगिता सितंबर में तोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप होगी जहां वह अपना खिताब बचाएंगे।

नीरज की कमर की समस्या दूर हुई

अब नीरज को कमर की समस्या नहीं हैं जिसने पिछले कुछ वर्षों में उनके प्रदर्शन को प्रभावित किया है। सबसे लंबे थ्रो का विश्व रिकॉर्ड रखने वाले महान एथलीट जान जेलेजनी से ट्रेनिंग लेने के बाद वह और भी अधिक आश्वस्त हैं। नीरज ने दोहा में कहा था, मैं और मेरे कोच अब भी मेरे थ्रो के कुछ पहलुओं पर काम कर रहे हैं। मैं अब भी चीजें सीख रहा हूं। हमने इस साल फरवरी में ही साथ मिलकर काम करना शुरू किया है। उन्होंने कहा, इसलिए मुझे विश्वास है कि मैं इस साल विश्व चैंपियनशिप तक आने वाले टूर्नामेंट में और अधिक 90 मीटर थ्रो कर सकता हूं। पोलैंड में होने वाली यह प्रतियोगिता नीरज के लिए इस सत्र की तीसरी प्रतियोगिता होगी।

किआरा आडवाणी का बिकिनी लुक, वॉर 2 की स्टाइलिस्ट अनाइता ने की तारीफ

बॉलीवुड अभिनेत्री किआरा आडवाणी जल्द ही एक्शन फिल्म वॉर 2 में नजर आएंगी। इसी बीच, फैशन स्टाइलिस्ट अनाइता श्रॉफ अदजानिया ने किआरा की जमकर तारीफ की है। हाल ही में रिलीज फिल्म के टीजर ने दर्शकों को उत्साहित कर दिया। ऋतिक रोशन और एनटीआर जूनियर को शानदार एक्शन के लिए लोगों ने खूब पसंद किया। वहीं, किआरा आडवाणी ने बिकिनी में पूल के किनारे अपनी परफेक्ट बॉडी फ्लॉन्ट करते हुए धूम मचा दी। फिल्म में किआरा का लुक तैयार करने वाली अनाइता ने कहा, यह पहली बार था, जब मैंने किआरा को किसी फिल्म के लिए स्टाइल किया था और यह निर्देश था कि लुक आकर्षक हो। मैंने पहले भी कई फिल्मों के लिए स्विमसूट स्टाइल किए हैं। मैंने हमेशा उन्हें अधिक सहज मानसिकता के साथ देखा है। मेरे लिए, मैं उसके लिए जो वास्तविक वाइब चाहती थी, वह यह था कि हम समुद्र तट पर महिलाएं कैसी होती हैं, खुश, तनावमुक्त, बिकिनी में पूरी तरह से खुद को, बिना इस बात पर ज्यादा सोचे कि यह कितना छोटा या बड़ा है, इस तरह की सहजता सुंदर है।

यहां तक कि जब दृश्य की शूटिंग हो रही थी, तब भी फैशन स्टाइलिस्ट ने अभिनेत्री से कहा कि वह इसे अपना लें, अपनी जगह पर रहें, अपना काम करें, न कि यह दिखाएं कि मैं स्विमसूट में हूं, इसलिए मुझे अब ग्लैमरस दिखना है। अनाइता ने बताया कि फिल्म में किआरा के बिकिनी लुक के बारे में और भी बहुत कुछ देखने और जानने को मिलेगा। उन्होंने कहा, किआरा के लिए, मैं एक असामान्य रंग, कुछ अप्रत्याशित चुनना चाहती थी। यह एक ऐसा शेड है, जिसे पहचानना मुश्किल है... बिल्कुल हरा नहीं, बिल्कुल पीला नहीं। यह कहीं बीच में है, एक लुभावना, लगभग अवर्णनीय मिश्रण जो तुरंत आपको अपनी ओर खींचता है। उन्होंने आगे कहा, पहली बार हमने बिकिनी चार्म्स पेश किए हैं। मुझे यह पसंद है कि यह लुक में ठीक उतनी मस्ती और रहस्य जोड़ता है। उन्होंने आगे कहा, किआरा ने हमें बिल्कुल वैसा लुक देने के लिए बहुत मेहनत की, जैसा हम चाहते थे। मैं चाहती थी कि वह इतनी सहज महसूस करें कि उन्हें यह सोचने की जरूरत न पड़े कि वह किस तरफ मुड़ रही हैं या क्या कर रही हैं।

पीठ में छुरा घोंपना और पर्यटन एक साथ नहीं चल सकते: पायल घोष

एक्ट्रेस पायल घोष ने अपनी तुर्की यात्रा को रद्द करने के कारणों का खुलासा किया। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि पीठ में छुरा घोंपना और पर्यटन एक साथ नहीं हो सकते। दरअसल, भारत ने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। इसके बाद तुर्की और अजरबैजान ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। इसी वजह से भारतीयों में तुर्की के प्रति नाराजगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान के संदर्भ में, जिसमें उन्होंने कहा था खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, पायल ने कहा कि पीठ में छुरा घोंपना और पर्यटन एक साथ नहीं हो सकते। उन्होंने बताया कि उन्हें 30 लाख रुपये का अच्छा ऑफर मिला था, फिर भी उन्होंने तुर्की जाने से साफ इन्कार कर दिया। बातचीत में पायल घोष ने कहा, पैसा देश की इज्जत और गर्व से ऊपर नहीं हो सकता। मैं सबसे पहले एक भारतीय हूं, फिर एक एक्ट्रेस या आर्टिस्ट। जैसे हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने कहा था कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, वैसे ही पीठ में छुरा घोंपना और टूरिस्ट विजिट्स और एंटरटेनमेंट एक साथ नहीं हो सकता। पायल घोष ने कहा, अगर तुर्की ने ऐसे अहम वक्त में पाकिस्तान का साथ चुना, तो वे हम भारतीयों से या हमारे टूरिज्म से कमाई की उम्मीद नहीं कर सकते, चाहे वो सेलिब्रिटी के रूप में हो या आम पर्यटक के तौर पर। मैं अपने फैसले को लेकर बिल्कुल स्पष्ट हूं, इसलिए मैंने तुर्की जाने का प्लान रद्द कर दिया। भगवान की कृपा से मुझे जो चाहिए, वह सब मिला है। मैं पैसे के लिए अपने देश को कभी पीछे नहीं रख सकती। जय हिंद! हाल ही में फिल्म एक्ट्रेस नीतू चंद्रा ने तुर्की जैसे देशों का बहिष्कार करने की मांग की थी। नीतू का कहना है कि जो भी देश आतंकवादियों का साथ देते हैं, उनके खिलाफ भारत को कड़ा कदम उठाना चाहिए। ऐसा इसलिए जरूरी है ताकि देश की सुरक्षा सुनिश्चित हो और संस्कृति को बचाया जा सके। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा था, मुझे लगता है कि आतंकवाद को किसी भी हालत में सही नहीं ठहराया जा सकता, चाहे वह कहीं भी हो। इसमें हमेशा निर्दोष लोग ही परेशान होते हैं। जो भी देश आतंकवाद का समर्थन करता है, भारत को उसका बहिष्कार करना चाहिए। हम पहले ही बहुत कुछ झेल चुके हैं। उन्होंने आगे कहा, मेरी लोगों से बस यही अपील है कि कोई भी कदम उठाने से पहले अच्छे से सोचें। हमें इंसानियत के साथ यह लड़ाई लड़नी है, लेकिन एक इंसान होने के नाते हमें जिम्मेदारी से काम लेना चाहिए। ध्यान रखें कि आपका समर्थन किसके साथ है और उसका मकसद क्या है।

टैक्स चोरी से जुड़ा है मामला

अर्जुन के खिलाफ जारी गैर-जमानती वारंट रद्द

अभिनेता अर्जुन रामपाल के खिलाफ टैक्स चोरी मामले में जारी गैर-जमानती वारंट को बॉम्बे हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया है। मामला साल 2019 में टैक्स चोरी से जुड़ा है। आज बुधवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने इसी मामले में अभिनेता के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करने वाले स्थानीय अदालत के आदेश को रद्द कर दिया है। हाईकोर्ट ने इस आदेश को मैकेनिकल और क्रिप्टिक कहा है।

अर्जुन रामपाल ने किया था हाईकोर्ट का रुख

न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की अवकाश पीठ ने कहा कि मजिस्ट्रेट का आदेश कानून के विपरीत था और बिना सोचे-समझे पारित किया गया था। आयकर अधिनियम की धारा 276सी (2) के तहत अपराध के लिए आई-टी विभाग द्वारा शुरू किए गए 2019 के एक मामले में अर्जुन रामपाल के खिलाफ एक मजिस्ट्रेट अदालत ने गैर-जमानती वारंट जारी किया। अर्जुन ने मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा 9 अप्रैल को अपने खिलाफ पारित इस आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का रुख किया था।

अर्जुन रामपाल ने पेश किया था आवेदन

जिस धारा में अर्जुन रामपाल के खिलाफ मामला है, यह धारा ऐसे व्यक्ति से संबंधित है, जो जानबूझकर टैक्स, जुर्माना या ब्याज के भुगतान से बचने का प्रयास करता है। अभिनेता की याचिका के अनुसार, उनके वकील ने मजिस्ट्रेट के समक्ष पेशी से छूट के लिए आवेदन पेश किया था। हालांकि, अदालत ने इसे खारिज कर दिया और अर्जुन रामपाल के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया।

रश्मिका ने डिज्नी की दुनिया में मारी शानदार एंट्री

साउथ और बॉलीवुड में कई हिट फिल्में देने के बाद अब रश्मिका मंदाना कुछ ऐसा करने जा रही हैं, जिसके साथ ही वो शाहरुख खान और ऐश्वर्या राय जैसे सितारों की फेहरिस्त में शामिल हो जाएंगी। हिंदी सिनेमा की दो मेगा हिट फिल्मों 'एनिमल' और 'छावा' का हिस्सा रहीं अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की लोकप्रियता को अंतर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माण कंपनी डिज्नी पिक्चर्स ने भी सलाम कर दिया है। भारतीय सिनेमा के गिनती के सितारे ही ऐसे रहे हैं जिन्हें डिजनी की फिल्मों के साथ जुड़ने का ये गौरव मिला है। फिल्म 'मुफ़ासा' में महेश बाबू की जोड़ी जमने के बाद रश्मिका दूसरी साउथ सिनेमा कलाकार हैं, जिनके साथ डिज्नी ने अपनी किसी फिल्म का रिश्ता जोड़ा है। दुनिया की सबसे बड़ी फिल्म कंपनियों में से एक डिज्नी की शुरू से कोशिश रही है कि वह जिन जिन देशों में वहां की भाषाओं में अपनी फिल्में डब करके रिलीज करती है, वहां के सितारों के साथ वह एक भावुक रिश्ता जरूर बनाती है। फिल्म 'द लॉयन किंग' और फिल्म 'मुफासा' में शाहरुख खान ने अपने बेटों के साथ फिल्म के मुख्य किरदारों की डबिंग की है। फिल्म 'मुफासा' के लिए साउथ सिनेमा के सुपरस्टार महेश बाबू का भी नंबर लगा था। महेश बाबू इन दिनों निर्देशक एस एस राजामौली की फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। इससे पहले अभिनेत्रियों में ऐश्वर्या राय बच्चन ने डिज्नी की ही फिल्म 'मैलिफिसिएंट' में मुख्य किरदार की डबिंग की और फिल्म 'फ्रोजेन' में ये मौका प्रियंका चोपड़ा को मिला। स्थानीय कलाकारों के साथ काम करने की डिज्नी की इसी दशकों पुरानी परंपरा का हिस्सा अब रश्मिका मंदाना बनी है। रश्मिका ने डिज्नी की इस शुक्रवार रिलीज हो रही फिल्म 'लिलो एंड स्टिच' के जरिये डिज्नी से अपना रिश्ता बनाया है।

फैंस के कमेंट्स

निया के फैंस उनके इस लुक पर लगातार अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक फैन ने लिखा, उफ्फ गॉर्जियस, एक और फैन ने लिखा, हाय ये गर्मी, एक और फैन ने लिखा, बेहद खूबसूरत और हॉट, एक और फैन ने लिखा, कोई इतनी खुबसूरत कैसी हो सक्ति है, वहीं कई निया के फैंस फायर और दिल वाले इमोजी बरसा रहे हैं।

मोना की मनोहर कहानियां में मेरा किरदार लोगों को अपने हिसाब से चलाता है- सृष्टि रोडे

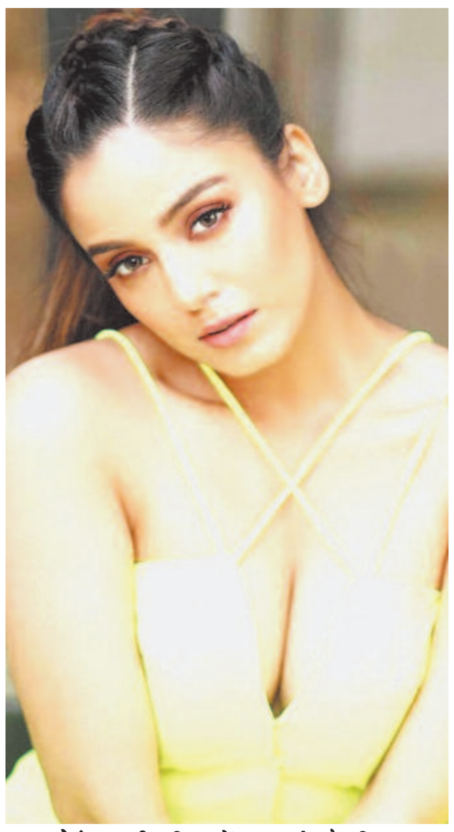

मनोरंजन की दुनिया में एक नई और दिलचस्प सीरीज आने वाली है, जिसका नाम है मोना की मनोहर कहानियां, यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर सीरीज है। इस सीरीज में सृष्टि रोडे और अंकुर नय्यर मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। दोनों कलाकार अपने-अपने किरदारों को लेकर काफी उत्साहित हैं। उनका कहना है कि इसकी कहानी दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देगी। यह सीरीज 22 मई से शुरू होने वाली है। इस सीरीज से सृष्टि रोडे ओटीटी की दुनिया में अपना डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने कहा, मोना का किरदार निभाना मेरे लिए एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन बहुत अच्छा अनुभव भी रहा। मेरा किरदार काफी आकर्षक है। वह खुद को दिखाने की कोशिश नहीं करती। वह राज छुपाती है, लेकिन किसी को पता नहीं चलता। वह बेहद चालाकी से लोगों को अपने हिसाब से चलाती है, उसे देख लोग भी हैरान रह जाते हैं। सृष्टि ने कहा कि उन्हें हमेशा से ऐसे मजबूत और थोड़े रहस्यमय महिला के किरदार काफी पसंद हैं, जैसे- फिल्म हसीन दिलरुबा में तापसी पन्नू का किरदार, 7 खून माफ में प्रियंका चोपड़ा का किरदार। ऐसे किरदार जिसमें गहराई और कई परतें हो। एक्ट्रेस ने कहा, मोना का किरदार निभाना उनके लिए अब तक की सबसे मजेदार और चुनौतीपूर्ण वाली भूमिका रही है। मोना की मनोहर कहानियां की कहानी में बहुत सारे रहस्य और चौंकाने वाले मोड़ हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि मोना की ये मनोहर और रहस्यमयी कहानियां दर्शकों को आखिर तक बांधे रखेंगी और सबको बहुत पसंद आएंगी। साइकोलॉजिकल थ्रिलर सीरीज मोना की मनोहर कहानियां की कहानी कुछ भयानक हत्याओं से शुरू होती है।

साउथ के मशहूर अभिनेता सूर्या लगातार कई सारे प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'रेट्रो' सिनेमाघरों में रिलीज हुई। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत शानदार प्रदर्शन नहीं कर पाई। इस बीच अभिनेता के आगामी प्रोजेक्ट 'सूर्या 45' के टाइटल को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं। वहीं, उनके आगामी प्रोजेक्ट 'सूर्या 46' का शुभारंभ भी हुआ।

साउथ अभिनेता सूर्या की आगामी फिल्म का हुआ शुभारंभ

अभिनेता के आगामी प्रोजेक्ट 'सूर्या 46' का हैदराबाद में भव्य पूजन के साथ शुभरंभ हुआ। सूर्या की फिल्म सोमवार को एक पारंपरिक पूजा समारोह के साथ आधिकारिक तौर पर फ्लोर पर आ गई। इसका निर्देशन वेंकी एटलुरी ने किया है। निर्देशक त्रिविक्रम ने सूर्या 46 की मुहूर्त पूजा में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और फिल्म की शूटिंग को आधिकारिक तौर पर शुरू करने के लिए औपचारिक रूप से पहला क्लैप भी दिया।

'सूर्या 46' की स्टार कास्ट

सूर्या 46 की कास्ट सितारों से सजी हुई है। फिल्म में ममिता बैजू लीड एक्ट्रेस के तौर पर शामिल हैं। उनके अलावा बॉलीवुड स्टार अभिनेत्री रवीना टंडन और अभिनेत्री राधिका सरथकुमार महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। फिल्म की शूटिंग 30 मई से शुरू होने वाली है। सूर्या 45 के शीर्षक को लेकर भी तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म का शीर्षक वेट्टई करुप्पु हो सकता है। इसके साथ ही प्रशंसकों की उत्सुकता भी बढ़ गई है।

युजवेंद्र चहल संग डेटिंग रूमर्स पर आरजे महवश ने तोड़ी चुप्पी

सोशल मीडिया के इस दौर में जहां लोकप्रियता मिलती है, वहीं अफवाहों और ट्रोलिंग का सामना करना भी आम बात बन चुकी है। ऐसा ही कुछ हाल के दिनों में रेडियो जॉकी से हाल ही में एक्ट्रेस बनीं आरजे महवश के साथ देखने को मिल रहा है, जिनका नाम पिछले काफी दिनों से भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ जोड़ा जा रहा है। हालांकि दोनों में से किसी ने भी इन खबरों की पुष्टि नहीं की, लेकिन महवश ने हाल ही में एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि झूठी खबरों और ऑनलाइन ट्रोलिंग ने उन्हें अंदर तक झकझोर कर रख दिया।

'कभी-कभी लगता था सब छोड़ दूं'

'द फ्री प्रेस जर्नल' के साथ बातचीत में महवश ने बिना चहल का नाम लिए बताया कि किस तरह सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों और बेबुनियाद आरोपों ने उन्हें मानसिक रूप से प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि कई बार उन्हें ऐसा महसूस हुआ कि वो सबकुछ छोड़कर एक शांत और साधारण जिंदगी जीने निकल जाएं।

फर्जी खबरों पर महवश की प्रतिक्रिया

महवश ने यह भी बताया कि जब कोई फर्जी खबर वायरल हो जाती है, तो उसके जवाब में कुछ कहने से पहले ही उन्हें रोक दिया जाता है। उन्होंने कहा, 'हमारे साथ काम करने वाले लोग हमेशा कहते हैं कि अभी कुछ मत बोलो, शांत रहो। लेकिन कोई यह नहीं समझता कि जो कुछ हो रहा है, वो हमारे साथ हो रहा है। कई बार दिल करता है कि सोशल मीडिया पर लंबा पोस्ट लिखकर सब कुछ साफ कर दूं, लेकिन हर किसी को जवाब देना संभव नहीं होता।'

प्यार पैसा प्रॉफिट से अभिनय में किया डेब्यू

आरजे महवश ने हाल ही में वेब सीरीज 'प्यार पैसा प्रॉफिट' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की है। इस शो को 7 मई को अमेजन पर रिलीज किया गया था। खास बात यह रही कि शो के रिलीज के समय युजवेंद्र चहल ने भी इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी डालकर महवश को सपोर्ट किया था, जिससे दोनों के रिश्ते की चर्चा और तेज हो गई। हालांकि इस पर अभी भी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

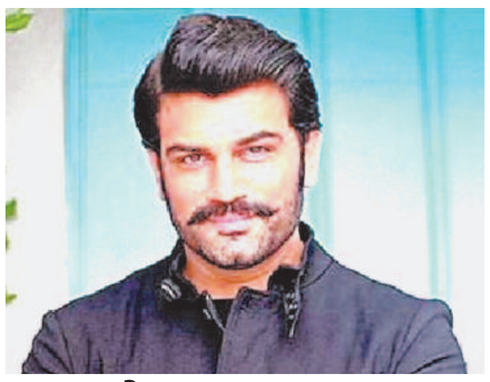

मुझे क्राइम मास्टर गोगो का रोल करना है: शरद केलकर

शरद केलकर को अक्सर इंडस्ट्री में पुलिस अफसर या इंटेंस किरदारों के लिए ही कास्ट किया गया है। मगर उनके मन में कुछ और ही चल रहा- वो ऑनस्क्रीन 'क्राइम मास्टर गोगो' बनना चाहते हैं।

बॉलीवुड में एक बार कोई इमेज बन जाए, तो उससे बाहर निकलना आसान नहीं होता। सिर्फ एक्शन ही करता है, सिरियस ही दिखता है, कॉमेडी से दूर रखो - ऐसी धारणाएं हर एक्टर को कभी न कभी झेलनी पड़ती हैं। कुछ ऐसा ही हुआ एक्टर शरद केलकर के साथ। शरद केलकर को अक्सर इंडस्ट्री में पुलिस अफसर या इंटेंस किरदारों के लिए ही कास्ट किया गया है। मगर उनके मन में कुछ और ही चल रहा- वो ऑनस्क्रीन 'क्राइम मास्टर गोगो' बनना चाहते हैं।

बातचीत में शरद ने अपनी दिल की बात रखी। उन्होंने कहा, मैं क्राइम मास्टर गोगो का रोल करना चाहता हूं। अंदाज अपना अपना वाला। अब जाहिर है, मैं आमिर या सलमान तो बन नहीं सकता, पर क्राइम मास्टर गोगो जैसा किरदार करने में मुझे बड़ा मजा आएगा। शरद ने बताया कि कॉमेडी करने की उनकी बड़ी इच्छा है, लेकिन लोगों की बनी बनाई छवि की वजह से उन्हें ये चांस ही नहीं मिलता। पता नहीं क्यों, लोगों को लगता है मैं बहुत सीरियस आदमी हूं। जबकि रियल लाइफ में मैं पूरा मस्तीखोर हूं। अगर आप मेरी शूटिंग यूनिट या दोस्तों से पूछेंगे तो सब यही कहेंगे कि मैं सबसे ज्यादा जोक्स क्रैक करता हूं, सबसे ज्यादा मस्ती करता हूं। मैं तो खुद को भी कहता हूं कि मैं वो एक्टर हूं ही नहीं, जो लोग समझते हैं।

-साभार-एजेंसी